बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
रविवार 22 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 267
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

शाहरुख के बंगले की हुई जांच

मुंबई। बांद्रा बैंडस्टैंड इलाके में स्थित शाहरुख खान के बंगले मन्नत की जांच की गई। यह कार्रवाई फॉरेस्ट विभाग और बीएमसी की टीम ने की। कार्रवाई का कारण तटीय नियमन क्षेत्र के नियमों के उल्लंघन की शिकायत थी। शाहरुख खान का यह बंगला समंदर के किनारे है। बता दें कि मन्नत एक हेरिटेज प्रॉपर्टी है। इसमें एक मुख्य बंगला और उसके पीछे एक बहुमंजिला एनक्स बिल्डिंग है। मौजूदा समय में एनक्स बिल्डिंग में दो अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण हो रहा है। शाहरुख और उनका परिवार फिलहाल पास के किसी अन्य स्थान पर रह रहा है। टीम को मौके पर स्टाफ मिला। स्टाफ ने अधिकारियों को बताया कि सभी मंजूरियां पहले ली गई हैं। दस्तावेज भी जल्द सौंपे जाएंगे।

शिव सुब्रमण्यम बने पीएफआरडीए के अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारत सरकार ने शिव सुब्रमण्यम रमण को पेंशन विधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया है। भारत सरकार ने शुक्रवार को आदेश जारी किए हैं। उनकी नियुक्ति 5 वर्ष के लिए की गई है। वह दीपक मोहंती का स्थान लेंगे।

800 करोड के घोटाले मे सीबीआई की एफआईआर

नई दिल्ली । जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और टाटा कंसलटिंग इंजिनियर्स के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया है। इन दोनों कंपनियों ने मिलकर 800 करोड रुपए से अधिक की आर्थिक अनियमिता की है। सीबीआई ने 3 साल तक जांच करने के पश्चात केस दर्ज करके, आरोपियों के ऊपर कार्रवाई शुरू कर दी है। मुंबई के पास, जहाज नेविगेशन चैनलों को गहरा करने के लिए 800 करोड रुपए की आर्थिक अनिमियता की गई है। जांच में आर्थिक भ्रष्टाचार प्रमाणित हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बोली दाताओं को फायदा पहुंचाने के लिए दोनों कंपनियों के अधिकारियों ने ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया है। सीबीआई ने अपने आरोप पत्र में जेएनपीटी के तत्कालीन मुख्य अभियंता सुनील कुमार मदाभावी तथा टाटा कंसलटिंग इंजीनियर के परियोजना निदेशक देवदत्त बोस को आरोपी बनाया है। इसके साथ ही ठेकेदार कंपनी और अन्य कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया है। 800 करोड रुपए के इस भ्रष्टाचार और घोटाले की जांच पिछले 3 साल से चल रही थी। जिनके खिलाफ जांच चल रही थी। वह सेवानिवृत्ति भी हो चुके हैं।

मनाली की महिला कांग्रेस नेता विद्या नेगी बनीं राज्य महिला आयोग की चेयरमैन

शिमला । हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के मनाली की महिला कांग्रेस नेता विद्या नेगी को सुक्खू सरकार ने राज्य महिला आयोग की चेयरमैन नियुक्त किया है। इस घाटी में खुशी की लहर है। सरकार की तरफ से आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद मनाली में उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। विद्या नेगी को तीन वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष बनाया गया है। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि विद्या नेगी हैं कौन हैं? उधर, अध्यक्षा बनने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विद्या नेगी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताया है और कहा कि जो जिम्मेवारी सौंपी गई है, उसका वह बखूबी निर्वहन करेंगी। नेगी कहती हैं कि प्रदेश में महिलाओं को आ रही समस्याओं को सुलझाने के लिए जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी।

चुनाव के फोटो-वीडियो 45 दिन बाद डिलीट कर दिए जाएंगे

चुनाव आयोग का नया नियम; कांग्रेस ने कहा- यह लोकतंत्र के खिलाफ

नई दिल्ली। अब चुनावों के दौरान खींची गई फोटो, सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग सिर्फ 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखी जाएंगी। इसके बाद सारा डेटा डिलीट कर दिया जाएगा।

चुनाव आयोग ने 30 मई को सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजे को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जाती, तो 45 दिन बाद ये सारा डेटा नष्ट कर दिया जाए। यह फैसला फुटेज के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों को रोकने के लिए लिया है। चुनाव आयोग का कहना है कि हाल ही में कुछ गैर-उम्मीदवारों ने चुनावी वीडियो को तोड़-मरोड़कर गलत नरेटिव फैलाने की कोशिश की, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हुई। कांग्रेस ने आयोग के इस नियम का विरोध किया है। पार्टी ने कहा कि पहले एक साल तक इस डेटा को सेफ रखा जाता था, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी भी इसकी जांच हो सके। आयोग का यह नियम पूरी तरह से लोकतंत्र के खिलाफ है। इसे तुरंत वापस लेना चाहिए।

फुटेज का यूज गलत नरेटिव के लिए होता था

चुनाव आयोग ने कहा कि वोटिंग और मतगणना जैसे चुनावी चरणों की रिकॉर्डिंग का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। यह काम आंतरिक निगरानी और पारदर्शिता के लिए किया जाता है, लेकिन इन रिकार्डिंग्स का इस्तेमाल गलत नरेटिव के लिए भी किया जाता रहा है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक रखने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। अब तक चुनाव से जुड़ी रिकॉर्डिंग एक साल तक संभाल कर रखी जाती थी, ताकि जरूरत पडने़ पर कोई कानूनी जांच हो सके।

सीसीटीवी फुटेज देना निजता और कानून के खिलाफ

चुनाव आयोग ने गोपनीयता और कानूनी कारणों का हवाला देते हुए मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग (लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग) और सीसीटीवी फुटेज साझा नहीं करने की बात कही है। आयोग के द्वारा यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बार-बार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम को लेकर सवाल खड़ा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग का कहना है कि मतदान केंद्रों का अगर सीसीटीवी फुटेज शेयर करेंगे तो यह पता चल जाएगा कि किसने वोट डाला है और किसने नहीं। इससे लोगों पर दवाब बनेगा, भेदभाव होगा और डर का माहौल भी बन सकता है। जो कि लोकतंत्र के बिल्कुल खिलाफ होगा।फुटेज शेयर करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन होगा। वोट देना, किसे देना और न देना यह एक निजी अधिकार है और उसकी प्राइवेसी बहुत जरूरी है। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदान केंद्रों पर रिकॉर्ड किए जाने वाले वीडियो आंतरिक निगरानी के इस्तेमाल के लिए होते हैं। इलेक्शन के मामले में कोर्ट को ये वीडियो दिए जा सकते हैं, अगर वह मांग करते हैं। बता दें कि बीते महीने केंद्रीय चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव आयोग को वेबकास्टिंग और वीडियो फुटेज चुनाव होने के प्रक्रिया के 45 दिनों के बाद नष्ट कर दें, अगर चुनाव के परिणाम को किसी ने इस समय काल के दौरान चैलेंज न दिया हो।

राहुल गांधी की यह थी मांग

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा था कि चुनाव आयोग आप एक संवैधानिक संस्था हैं। अगर आपके पास कुछ छिपाने के लिए नहीं है तो महाराष्ट्र सहित लोकसभा चुनाव के डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची जारी करें। किसी भी तरह से टाल-मटोल करने से आपके विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा होंगे।

ईडी ने जब्त की 300 से अधिक पासबुक, कक्षा निर्माण 'घोटाले' से प्राप्त राशि की 'हेराफेरी' की गई

मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और सत्येंद्र जैन फंसते दिख रहे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि मजदूरों के नाम पर खोले गए बैंक खातों (म्यूल) से जुड़ी 300 से अधिक पासबुक जब्त हुई हैं, जिनके द्वारा पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान कक्षा निर्माण 'घोटाले' से प्राप्त राशि की 'हेराफेरी' की गई थी। जांच एजेंसी ने मामले के सिलसिले में 18 जून को दिल्ली में 37 स्थानों पर तलाशी ली थी। आप ने ईडी की कार्रवाई को जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास बताकर कहा था कि उसके नेताओं के खिलाफ आरोप 'राजनीति से प्रेरित' हैं। धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला, दिल्ली की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा (एसीबी) द्वारा 30 अप्रैल को आप नेताओं और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मंत्रिमंडल के पूर्व मंत्रियों मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। बयान के अनुसार, जब्त सामग्रियों में दिल्ली सरकार से संबंधित मूल फाइलें, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के नाम और पदनाम वाले रबर स्टैम्प शामिल थे। इतना ही नहीं अधिकारियों को 322 बैंक पासबुक भी मिले, जो मजदूरों के नाम पर खोले गए खातों के थे और उनका उपयोग अवैध धन के लेन-देन के लिए किया गया था। छापे के दौरान ठेकेदारों और मुखौटा संस्थाओं के 'जाली' लेटरहेड भी जब्त किए गए, जिनका इस्तेमाल नकली खरीद रिकॉर्ड और फर्जी खरीद बिल बनाने के लिए किया गया था। ईडी ने कहा कि मामला 2015 से 2023 के बीच पीडब्ल्यूडी द्वारा 12,748 अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय 'गड़बड़ी' से संबंधित है। एजेंसी ने कहा कि 2,405 कक्षाओं की प्रारंभिक आवश्यकता के बावजूद, परियोजना का दायरा 'मनमाने ढंग से' बढ़ाकर 7,180 कक्षाएं कर दिया गया और बाद में, उचित मंजूरी या अनुमोदन के बिना ही 12,748 कमरे कर दिया गया। इसके फलस्वरूप लागत में भारी वृद्धि हुई। मामले में एसीबी ने सिसोदिया और जैन से पूछताछ की है। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा मामले में कथित खामियों को उजागर करने के बाद एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज की। कपिल मिश्रा, हरीश खुराना और नीलकांत बख्शी सहित विभिन्न भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने 2019 में दिल्ली के स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी।

केरल में लैंड हुआ ब्रिटिश फाइटर जेट एफ-35, की अब तक नहीं हो पाई वापसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग एक सप्ताह पहले आपात स्थिति में उतरा ब्रिटिश फाइटर जेट अभी वहीं मौजूद है। खबर लिखे जाने तक इसने वापसी को लेकर कोई पक्की खबर नहीं आई थी। सीआईएसएफ ही भारतीय हवाई अड्डों पर सुरक्षा का जिम्मा संभालता है। नई दिल्ली में पश्चिमी राजनयिक सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन की सरकार और रॉयल नेवी भारतीय अधिकारियों के सहयोग से विमान की मरम्मत और उसे वापस एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स भेजने के लिए काम कर रहे हैं। फाइटर जेट युद्धपोत के डेक पर उतरने में विफल रहा। बाद में भारतीय वायु सेना की मदद से इस केरल की ओर मोड़ा गया। हालांकि भारत में शांति काल में किसी विदेशी फाइटर जेट का फंसना दुर्लभ घटना है, लेकिन एफ-35 ऐसे देश की सैन्य संपत्ति है, जिसके साथ भारत के रणनीतिक संबंध हैं। इसलिए इसकी सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों द्वारा की जा रही है।

वकीलों के आगे ईडी की एक नहीं चली, वापस लेना पड़ा समन

नई दिल्ली। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने वकीलों के भारी विरोध और हंगामे के बाद अपने कदम पीछे खींच लिए हैं और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रताप वेणुगोपाल और अरविंद दातार को जारी किए गए समन को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) जैसे कानूनी संगठनों की कड़ी निंदा और मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई को लिखे गए पत्र के बाद हुई। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी इस मामले में एक बयान जारी कर ईडी की कार्रवाई की निंदा की। एससीबीए के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने इसे न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और वकीलों की स्वतंत्रता पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि वकीलों को उनके पेशेवर कर्तव्यों के लिए समन जारी करना लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। ईडी ने कहा कि वेणुगोपाल को जारी किया गया समन एक कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के तौर पर उनकी हैसियत से जारी किया गया था और इसे 卐वापस ले लिया गया है। उन्हें इस बारे में सूचित कर दिया गया है। एजेंसी ने कहा, उक्त पत्र में यह भी कहा गया है कि यदि सीएचआईएल के स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनसे किसी दस्तावेज की आवश्यकता होगी तो उन्हें ईमेल के माध्यम से प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाएगा। दातार के खिलाफ जारी समन के मामले में एजेंसी सूत्रों ने कहा कि उनके खिलाफ जारी समन वापस नहीं लिया गया है, बल्कि स्थगित रखा गया है तथा उन्हें ऐसा कोई नया नोटिस जारी नहीं किया जाएगा।

मिडिल ईस्ट में छिड़ी जंग को लेकर सोनिया गांधी का मोदी सरकार पर निशाना

ईरान हमारा पुराना मित्र, भारत की चुप्पी चिंताजनक...

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष को लेकर भारत सरकार की चुप्पी को 'नैतिक और कूटनीतिक मूल्यों से विचलन' बताया है। उन्होंने अख़बार द हिंदू में एक लेख लिखा है जिसका शीर्षक है- भारत की आवाज को सुनने के लिए अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत की स्थायी और सिद्धांतों पर आधारित फिलिस्तीन नीति से पीछे हटते हुए न सिर्फ अपनी आवाज गंवाई है, बल्कि मूल्यों को भी त्याग दिया है।

उन्होंने लिखा कि गाजा में हो रही तबाही और अब ईरान पर बिना उकसावे के हुए हमलों पर नई दिल्ली की चुप्पी चिंताजनक है। यह सिर्फ मौन नहीं, बल्कि हमारी नैतिक परंपराओं का त्याग है। सोनिया गांधी ने जोर देकर कहा कि अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। भारत दो टूक बोलना चाहिए, जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और तनाव को कम करने और पश्चिम एशिया में बातचीत की वापसी को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध हर कूटनीतिक चैनल का उपयोग करना चाहिए। सोनिया गांधी ने कहा कि 13 जून 2025 को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए अवैध और असंवैधानिक हमले ने एक बार फिर दिखाया कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई कितनी खतरनाक हो सकती है। कांग्रेस पार्टी ने इन बमबारी और लक्षित हत्याओं की कड़ी निंदा की है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भारत का पुराना और भरोसेमंद मित्र रहा है। कांग्रेस नेता ने याद दिलाया कि 1994 में ईरान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर पर भारत विरोधी प्रस्ताव को रोकने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि ईरान भारत का पुराना मित्र रहा है और दोनों देशों के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध रहे हैं।

नेतन्याहू पर निशाना

सोनिया गांधी ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी निशाना साधा और उन्हें 'शांति को कमजोर करने वाला और उग्रवाद को बढ़ावा देने वाला नेतृत्व' बताया। उन्होंने अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस बयान की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने अपनी ही खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट को खारिज करते हुए ईरान को परमाणु हथियारों के करीब बताया।अंत में सोनिया गांधी ने अपील करते हुए कहा कि अभी भी देर नहीं हुई है, भारत को मुखर होकर अपनी बात रखनी होगी, जिम्मेदारी से पेश आना होगा और हर कूटनीतिक माध्यम का उपयोग कर पश्चिम एशिया में संवाद की बहाली को बढ़ावा देना होगा।

पाकिस्तान प्यासा ही रहेगा, कभी बहाल नहीं होगी सिंधु जल संधि-शाह

नई दिल्ली,। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि कभी बहाल नहीं होगी क्योंकि पड़ोसी देश ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है और इस्लामाबाद को वह पानी नहीं मिलेगा, जो उसे अनुचित तरीके से मिल रहा था। पाकिस्तान प्यासा रह जाएगा। एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा, 'नहीं, यह कभी बहाल नहीं होगी। अंतरराष्ट्रीय संधियों को एकतरफा रद्द नहीं किया जा सकता, लेकिन हमें इसे निलंबित करने का अधिकार था, जो हमने किया है। संधि की प्रस्तावना में उल्लेख है कि यह दोनों देशों की शांति और प्रगति के लिए थी, लेकिन एक बार जब इसका उल्लंघन हो गया, तो बचाने के लिए कुछ नहीं बचा।

शाह ने आगे कहा, हम उस पानी का उपयोग करेंगे जो सही मायने में भारत का है। हम उस पानी को एक नहर बनाकर राजस्थान तक ले जाएंगे जो पाकिस्तान को जा रहा था। पाकिस्तान को वह पानी नहीं मिलेगा जो वह अनुचित रूप से प्राप्त कर रहा था। शाह ने कहा, हम पाकिस्तान की ओर से किए गए किसी भी हिमाकत के खिलाफ बिना किसी देरी के कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा कि पर्यटकों ने कश्मीर की यात्रा फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने भारत में नागरिक स्थानों पर हमला किया, लेकिन भारत ने उनके हवाई अड्डों को नुकसान पहुंचाकर करारा जवाब दिया, जिससे पाक को घुटने टेकने पड़े और सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी। उन्होंने कांग्रेस पर ऑपरेशन सिंदूर की लगातार आलोचना करने का भी आरोप लगाया और कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, उनके समय में क्या होता था? कांग्रेस हमें आतंकवाद के मुद्दे पर कैसे सवाल कर सकती है? वह कुछ नहीं करती थी सिवाय एक मंत्री बदलने के। सभी राजनीतिक दलों में कांग्रेस को निश्चित रूप से हमें आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। उस पहलगाम अटैक में 26 टूरिस्ट मारे गए थे।

पुणे से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट रद्द, पक्षी टकराने के कारण लिया गया फैसला

पुणे। पुणे से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट्‌ द्ध-2470 को शुक्रवार को रद्द कर दिया गया। एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पक्षी टकराने की घटना के बाद एहतियात के तौर पर यह फैसला लिया गया है। एयर इंडिया ने दोहराया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। एयर इंडिया ने कहा कि संबंधित विमान को जांच और मरम्मत के लिए रोका गया है और फिलहाल यह सेवा में नहीं रहेगा। इसके कारण उड़ान रद्द करनी पड़ी। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए माफी भी मांगी और कहा है कि सभी यात्रियों को उनकी जरूरत के मुताबिक ठहरने की जगह, रिफंड या मुफ्त रीबुकिंग का विकल्प दिया जा रहा है। इसके अलावा यात्रियों को दिल्ली लाने के लिए वैकल्पिक उड़ानों की भी व्यवस्था की जा रही है। आपको बता दें कि अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया एयरलाइंस ने अब तक कुल 8 अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द की है।

जबरन वसूली के मामले में बीआरएस के विधायक कौशिक रेड्डी गिरफ्तार

वारंगल। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पदी कौशिक रेड्डी को वारंगल पुलिस ने शनिवार तड़के जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हुजूराबाद से विधायक रेड्डी को यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय (आरजीआई) हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया और वारंगल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया उन पर आरोप है कि कौशिक रेड्डी ने एक खदान मालिक को धमकाया और उससे 25 लाख रुपए लिए और 50 लाख रुपए और मांगे हैं। इस आरोप के आधार पर मामला दर्ज किया गया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कौशिक रेड्डी के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं क्योंकि उन्होंने सीएम ए रेवंत रेड्डी की अवैध गतिविधियों और मंत्रियों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं के भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर सवाल उठाए हैं। रामा राव ने विधायक की बिना शर्त रिहाई की मांग की है।

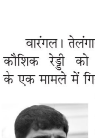

पीएम मोदी बोले- योग सभी का है और सभी के लिए, अब इसकी सीमाएं नहीं रहीं

विशाखापत्तनम। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग अब भारत की सीमाओं से बहुत आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा, 'चाहे सिडनी ओपेरा हाउस हो, एवरेस्ट की चोटियां हों या समंदर की लहरें, हर जगह से यही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है। उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में 21 जून को योग दिवस के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव रखा, तो मात्र कुछ ही समय में 175 देशों ने इसका समर्थन किया। आज 11 साल बाद, योग दुनिया के करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है।आज 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है और इस मौके पर दुनिया भर में लोग योगाभ्यास किया। इसी कड़ी में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में विशाल योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व किया। योगांध्र 2025 में प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि दुनिया भर में तनाव और अशांति के इस दौर में योग 'पॉज बटन' है।

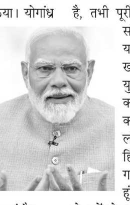

मी टू वी की यात्रा है योग

प्रधानमंत्री मोदी ने योग को आत्म-अनुशासन से आगे एक सामाजिक चेतना बताया। उन्होंने कहा, 'योग 'मी टू वी' की ओर यात्रा है। जब व्यक्ति खुद से ऊपर उठकर समाज की भलाई के बारे में सोचता है, तभी पूरी मानवता का कल्याण संभव है। पीएम मोदी ने यहां खास तौर रूप से खास तौर से दिव्यांगों, युवाओं और वैज्ञानिकों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं। जो आज ब्रेल में योग पढ़ते हैं, अंतरिक्ष में योग करते हैं और गांव-गांव में योग ओलंपियाड में भाग लेते हैं।

योग से हमें शांति की दिशा मिलती

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के आरके बीच पर आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को आह्वान किया कि योग को सिर्फ व्यक्तिगत अभ्यास नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारी और लोकनीति का हिस्सा बनाया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है, ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। यह हमें रुकने, सोचने और खुद से जुड़ने का अवसर देता है। यह दुनिया के लिए 'पॉज बटन' बन सकता है।

योग दिवस पर समुद्र की लहरों के बीच जब हजारों लोगों ने एक साथ आसन किए, तो वह दृश्य दुनिया को यह बताने के लिए पर्याप्त था कि योग अब सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि एक वैश्विक चेतना है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से योग आज एक वैश्विक कल्याण आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा, आज 175 से अधिक देशों में 12 लाख स्थानों पर योग हो रहा है और 10 करोड़ से ज्यादा लोग इससे जुड़े हैं। यह भारत की विश्वगुरु बनने की दिशा में एक और कदम है।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य थीम पर सांदीपनि विद्यालय में मनाया योग दिवस

शरीर के वजन बढ़ने पर व्यायाम, मन पर भार बढे तो योग और धन का वजन बढ़ जाये तो दान करना चाहिए - सांसद श्रीमती पारधी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए शनिवार को नगर के स्थानीय सांदीपनि विद्यालय में 11 वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में सामूहिक योग में जनप्रतिनिधियों सहित जिला अधिकारी,स्कूली विद्यार्थी और नगर के गणमान्य नागरिकों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने की विधा में योग सबसे उत्तम है। योग का सीधा सम्बंध जोड़ने से है, जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग से पूरे भारत को जोड़ा है। आज सिर्फ भारत में नही विश्व के अनेक देशों में योग दिवस मनाया जा रहा है। योग शारीरिक ही नही बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक रूप से बांधता है जोड़ता है। जब शरीर का वजन बढ़ने लगे तो व्यायाम आवश्यक है,ऐसे ही मन पर भार बढ़े तो योग और धन का वजन बढ़ जाये तो दान करना चाहिए। सांदीपनि विद्यालय में आयुष विभाग द्वारा आयोजित योग में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक सरस्वार, कलेक्टर मृणाल मीना, एडीएम श्री जीएस धुर्वे,जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, सीआरपीएफ 123 वी बटालियन कमांडेंट तेजिंदर कौर, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल,एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी वैशाली सिंह सहित नपा पूर्व अध्यक्ष रमेश रँगलानी ने सामुहिक रूप से योग किया।

योग से पूर्व ओंम कार व ग्रीवा और स्कंध चालन कर शरीर को गति प्रदान की

योग की शुरुआत ओंम कार शब्द की ध्वनि के साथ हुई। इसके पश्चात देश के सांस्कृतिक सम्बोधन स्वरूप दोनों हाथों को जोड़कर अभिवादन करते हुए यूट्यूब से प्राप्त अनुदेशों के अनुसार सभी ने योग से पूर्व ग्रीवा व स्कंध चालन को गति प्रदान की। इसमें गर्दन व कंधे से जुड़े व्यायाम किये गए। स्कंध चक्र में दोनों हाथों की कोहनी मोड़कर कंधों पर रखते हुए वृत्ताकार घुमाते हुए चेहरे के सामने लाकर धीरे-धीरे घुमाया गया। फिर कटीचालन के अभ्यास में हाथ सामने रखकर कमर को दाएं बाएं घुमाया गया।

ताड़ासन योगासन से हुआ योगअभ्यास

योग की शुरुआत ताड़ासन से हुई। इसमें दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसाकर। सिर के ऊपर हाथों को ले जाकर एड़ियो को ऊपर उठाते हुए पाँव के पंजे पर खड़े होने का प्रयास किया। इसके पश्चात सिलसिलेवार पादहस्तासन में श्वास भरते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर करने के पश्चात और धीरे-धीरे नीचे झुक कर जमीन को स्पर्श किया गया। अर्धचक्रासन में कमर पर दोनों हाथ रखकर पीछे की ओर धीरे-धीरे झुक कर आँखें आसमान की ओर रखते हुए योग किया गया। त्रिकोण आसन में दोनों पैरों के बीच कुछ फासला रख कर और दोनों हाथों को लंबे करते हुए धीरे-धीरे हाथों से एक पैर को चुना है दूसरा हाथ ऊपर की ओर रखते हुए झुककर पैर की एड़ियो को छूने व आंखे आसमान की ओर करना होता है।

बैठकर करने वाले योगाआसन

योग दिवस पर कुछ आसन बैठकर आसन किये गए। इसमें पैरों को लंबा करते हुए हाथों की हथेलियों को जमीन पर रखते हुए दंडासन की मुद्रा में बैठकर आसन प्रारम्भ हुआ। इसके पश्चात पैर लंबे करते हुऐ कंधे सीधे ऊपर की ओर रखते हुए झुक कर दोनों हाथों से पाँव की उँगलियो को स्पर्श करने होता है। इस अवस्था के बाद सामान्य होकर वज्रासन की मुद्रा में बैठकर पैरों को नितम्भ के नीचे करते हुए एड़ियो पर बैठकर सामान्य श्वास छोड़ते रहना है। ध्यान श्वास पर रखा जाता है। अर्ध उष्ट्रासन घुटने के बल पर आकर कमर पर दोनों हाथ रखते हुए पीछे की ओर झुकना होता है। मंडूकासन में दोनों घुटने मोड़ते हुए पेट को धीरे-धीरे जमीन की ओर झुकना है और पूरी तरह लंबे हाथ रखने है। उत्तान मंडूकासन में धीरे-धीरे श्वास भरते हुए दोनों हाथों को ऊपर ले जाना है। हाथ पीछे की ओर मोड़ते हुए दोनों हथेलियों को एक दूसरे पर कुछ देर रखना है। धीरे से श्वास छोड़ते हुए दोनों हाथों को ऊपर करते हुए सामान्य स्थिति में आना होता है। फिर दोनों पैरों को लंबे करते हुए सामान्य स्थिति में आना। मकरासन में एक पैर लंबा करते हुए एक पैर घुटने से मोड़ते हुए, वहीं एक हाथ को कमर के पीछे की ओर तथा दूसरे हाथ को लंबे पांव के घुटने की ओर लाना है। फिर श्वास छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में आना है। इसके बाद दूसरे पांव से भी इसी तरह दोनों हाथों की स्थिति बदलते हुए करना होता है। भुजंगासन में लेटकर हाथों को कोहनी से मोड़कर ठुड्डी को हाथों की उल्टी हथेलियों पर रखना है। सेतुबंधानसन में सीधे लेटकर दोनों पैर घुटने से मोड़ते हुए दोनों हाथों से एड़ियो को पकड़ना है। अब धीरे-धीरे कमर को ऊपर की ओर रखना है। उत्तानासन सीधा लेटकर दोनों पैरों को 45 डिग्री तक उठाना है। अब दोनों पैरों को कमर से ऊपर के नीचे से ऊपर उठाना होता है। कुछ देर उसी अवस्था मे रखना है। इसके पश्चात शवासन किया गया। इस आसन में आंखे बंद रखते हुए दोनों पैरों को थोडा चौड़ा रखते हुए हाथों को कमर से दूर हथेलिये खोलकर आंखे बंद करते हुए स्वयं में ध्यान रखना होता है।

योग का अंतिम चरण सामान्य स्थिति में आकर प्राणायाम

योग के अंतिम चरण में प्राणायाम की क्रियाएं की गई। इसमें कपाल भाती के साथ श्वास के लिए भस्त्रिका आदि प्राणायाम के योग किये गए। योग का समापन सांदीपनि विद्यालय के प्रांगण में सांसद श्रीमती पारधी सहित कलेक्टर मृणाल मीना जिला पंचायत अध्यक्ष व अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारियों ने पौधरोपण किया।

ये भी रहे योगाभ्यास में शामिल

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में दौरान सभी जिला अधिकारी सहित विभागों के अमले की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी। उसी अनुरूप अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। इसमें आयोजक अधिकारी जिला आयुष अधिकारी डॉ.मिलिंद चौधरी, डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर कोल, जिला आबकारी अधिकारी सुरेंद्र उरांव, सीएमएचओ डॉ. परेश उप्लव, सीएमओ श्री बीडी कतरोलिया, जिला खेल अधिकारी श्री केके चौरसिया, जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी सुभाषचंद्र ठाकरे, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी प्रशांतदीप ठाकुर, लोक सेवा प्रबंधक अनिल लिल्हारे, ई- गवर्नेंस प्रबंधक विवेक मेश्राम, कलेक्टर स्टेनो धनेंद्र बिसेन, कृषि विभाग के सहायक संचालक राजेश खोब्रागड़े, ब्रिज निगम के एसडीओ अर्जुनसिंह सनोडिया, सीसीबी के प्रबंधक श्री जोशी, एसएलआर श्रीमती वंदना कुसराम, समाजिक न्याय विभाग की नूपुर झा, जिला योग अध्यक्ष तपेश असाटी,अभय सेठिया, रोटरी क्लब सचिव आशीष मिश्रा सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। मंच संचालक क्षेत्रीय संचार ब्यूरो के अजय बैंस ने किया।

पहली ही बारिश में सरेखा ओवरब्रिज के आगे भरा पानी

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, सरपंच प्रतिनिधि ने सड़क के दोनों ओर नाली बनाए जाने की संबंधित विभाग से करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 20 जून को हुई बारिश से शहर के कुछ स्थानों पर जल भराव देखने को मिला । जिससे आवागमन करने वाले राहगीरों सहित स्थानीय निवासी को परेशानी हुई । जिसमें बन रहे रेलवे क्रॉसिंग के ओवरब्रिज के नीचे सरेखा कि ओर पानी भर गया, जिससे यहां के स्थानीय निवासी सहित सरपंच प्रतिनिधि ने इसको लेकर नाराजगी

जताई और कहा कि अभी बरसात शुरू भी नहीं हुई और पहली ही बारिश में जल भराव हो गया । उन्होंने संबंधित विभाग से मांग करी की ओवरब्रिज से उतरने वाले पानी की निकासी की व्यवस्था की जाए और दोनों और नाली का निर्माण किया जाए , जिससे की बरसात के समय पानी ना भरे। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभाग को एक आवेदन भी दिया है । विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण होने की वजह से वह नाली निर्माण नहीं कर पाये हैं। आपको बता दे कि नगरीय क्षेत्र में बहुप्रतिक्षित सरेखा रेलवे ओवरब्रिज का काम लगभग अंतिम दौर में है, लेकिन कोसमी की ओर खत्म हो रहे इस ब्रिज से बरसात के पानी के नीचे उतरकर, जमा होने और निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने से पंचायत के ग्रामीणो में नाराजगी है। ग्रामीणों को आशंका है कि मानसुन की अल्प हुई बारिश में यह हालत है तो पूरे बारिश में स्थिति क्या होगी। ग्रामीण विनय कुमार का कहना है कि यदि पानी भरने से चौक में कीचड़ और दुर्घटना की आशंका है। इस मामले में प्रशासन को ध्यान देकर ओवरब्रिज के खत्म हो रहे भाग से कोसमी चौक तक स ?क और पानी निकासी के लिए नाली बनाई जाना चाहिए। क्योंकि अंतिम दौर पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण पानी निकासी पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है । जबकि ग्रामीणों का कहना है कि पानी निकासी की उचित व्यवस्था विभागीय अधिकारियों को करना था । जबकि रोड दोनों ओर चौड़ा होता और दोनों ओर से पक्की नाली संबंधित विभाग द्वारा बना दी जाती, तो आज बारिश में पानी भराव नहीं होता। जबकि अभी पहली ही बारिश हुई हैं जिसमें की पानी भर गया , जबकि अभी पूरी बरसात बाकी है । यदि ऐसी ही स्थिति रही तो यहां अधिक जल भराव से स्थानीय निवासी सहित आवागमन करने वाले लोगों को अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जबकि कई व्यवसायी ऐसे भी हैं जिनकी दुकान नीचे होने के कारण उनके प्रतिष्ठानों में भी पानी चले जाएगा, इसलिए ग्रामीणों सहित स्थानीय निवासियों ने मांग करी है कि इस समस्या का जल्द से जल्द हल किया जाए। विभागीय अधिकारियों का भी कहना है कि उन्होंने नाली बनाए जाने को लेकर कार्य योजना बनाई है किंतु अतिक्रमण होने के कारण वह नाली नहीं बना पाए हैं ।

जल भराव रहा तो दुर्घटना से भी इनकार नहीं किया जा सकता - गगन

पूर्व सरपंच गगन नगपुरे ने बताया कि इस मामले में बीते जनसुनवाई में कलेक्टर के संज्ञान में यह समस्या को लाया गया था। जिसमें उन्हें सेतु विभाग से पत्र मिला है कि ओवरब्रिज तक ही सेतु विभाग को काम करना है, जिसके चलते वह रोड बनाने तैयार नहीं है। ऐसी स्थिति में जनहित को देखते हुए हमारी मांग है कि इसे लेकर प्रशासन गंभीरता से सोचे और इस समस्या का निराकरण कराए। सरपंच प्रतिनिधि ने यह भी बताया कि जिस हिसाब से सरेखा की ओर से आवागमन शुरू होगा तो ओवरब्रिज से उतरते समय पीपल चौक तक कोई भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया गया है जिस की भी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि ऐसा ही जल भराव रहा तो दुर्घटना से भी इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि स्कूल के बच्चे यहां से आवागमन करते हैं वह यही चाहते हैं कि यहां से आवागमन के लिए व्यवस्थित मार्ग को किया जाए ।

हमने नाली बनाने का प्रयास किया था - अर्जुनसिंह सनोडिया

मामले में सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुनसिंह सनोडिया बताते है कि जिस जगह पानी जमा हो रहा है, वहां हमने नाली बनाने का प्रयास किया था लेकिन अतिक्रमण के कारण, वह नाली नहीं बन सकी। जिसकी जानकारी हमने एसडीएम को भी दे दी है। यदि अतिक्रमण हट जाता है तो ब्रिज से नीचे आने वाले पानी की निकासी के लिए दोनो ओर नाली बना दी जाएगी और 30 मीटर तक सीसी रोड़ का भी निर्माण कर दिया जाएगा।

मंगल भवन के लिए गढ़वाल समाज शिष्ट मण्डल ने की सांसद से मुलाकत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के पदाधिकारियो व सामाजिक बन्धुओं ने शनिवार को सांसद श्रीमती भारती पारधी के निज निवास

पर उनसे मुलाकात की ।जहा पदाधिकारियो ने गढ़वाल समाज की बहुप्रतीक्षित मांगो को लेकर चर्चा की जिसमे उन्होंने बालाघाट में समाज का मंगल भवन एंव आजादी की लड़ाई में गढ़वाल समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा निभाई गई अहम भूमिका को लेकर सासंद का ध्यानाकर्षण कराते हुए ।आजादी की लड़ाई में अपना योगदान देने वाले स्वंत्रत सेनानियों की याद में बालाघाट में प्रवेश द्वार बनाये जाने के लिए भूमि आवंटित करने की मांग की। गढ़वाल समाज ने उम्मीद जताई कि सांसद महोदया द्वारा अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा की मांग को जल्दी पूर्ण किया जाएगा। जिसपर सांसद श्रीमती पारधी द्वारा अखिल भारतीय गढ़वाल समाज को आशान्वित किया गया है कि उनके द्वारा गढ़वाल समाज की मांग को जल्दी पूर्ण किया जाएगा।इस दौरान अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर, भारतीय जनता पार्टी युवा प्रकोष्ठ पूर्व जिला अध्यक्ष गजेंद्र भारद्वाज, समाज सेवी राजेन्द्र ब्रम्हे, नन्दू चावले, संरक्षक हरिपाल धानेश्वर, दिनेश गौतम, नारायण सोलंकी, सचिव रविशंकर अजीत, कोषाध्यक्ष शिवलाल अजीत, उपाध्यक्ष बसंत दिनेवार, संजय कंचनवार, विष्णु धानेश्वर, राम ब्रम्हे, श्याम बनवाले, तूफान नागवंशी, और शैलेश अर्जुनवार सहित अन्य सामाजिक बन्धु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।जिन्होंने सामूहिक रूप से सांसद महोदया का आभार व्यक्त किया।

जिला जेल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा जिला जेल बालाघाट में योग एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । योग शिविर में योग प्रशिक्षक द्वारा जिला जेल में सामूहिक योग एवं प्राणयाम कराया गया साथ ही उपस्थित बंदियो को योग से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी भी दी। इस दौरान शिविर में उपस्थित गौतम सिंह मरकाम विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) द्वारा कहा गया कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वास्थ्य रहने के लिए योग आवश्यक है योग से

जीवन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। शिविर में उपस्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह ने कहा कि योग एवं प्राणायाम के माध्यम से निश्चित तौर पर प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है। शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने उपस्थित बंदियो को कहा कि योग एवं प्राणायाम नियमित अभ्यास को अपने जीवन का हिस्सा बनाए योग करने से मन शांत रहता है। साथ ही श्री धुर्वे ने विधिक सहायता योजना एवं बंदियों के अधिकार के संबंध में जानकारी प्रदान की। शिविर के पश्चात जेल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें फलदार एवं छायादार पौधें लगाया जाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल बसंत डहाके, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल आशुतोष शुक्ला, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल दुर्गेश लिमजे, मुकेश लिल्हारे, चन्द्रेश नागेश्वर, जेल अधीक्षक श्री आरएल सहलाम, योग प्रशिक्षक धीरज चौधरी, धनेन्द्र उपराडे, तथा समस्त जेल बंदी आदि उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
होटल सिटी प्राईड बालाघाट
महाराष्ट्र बैंक के बाजू में
कालीपुतली चौक, बालाघाट
महिला एवं पुरूष कर्मचारियों
की आवश्यकता है
वेतन 4 अंकों में
मो. - 9827116521

आवश्यकता है
हैदराबाद में रहने वाले लांजी के
परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम
और बच्चों की देखभाल के लिए
एक महिला की आवश्यकता है।
अवधि - 06 महीने
नि:शुल्क आवास/भोजन
आकर्षक वेतन
संपर्क - 8087277467

कार्यालय शासकीय उत्कृष्ट उच्च.माध्य. विद्यालय किरनापुर,जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक-488 दिनांक 20.06.2025

केंटीन निविदा सूचना

विषयांतर्गत लेख है कि शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्य.विद्यालय किरनापुर के परिसर मे केंटीन प्रारंभ करने हेतु विधिवत् निविदा आमंत्रित की जाती है। इस संबंधित इच्छुक व्यक्ति/फर्म संचालक दिनांक 01.07.2025, दिन मंगलवार को दोपहर 2:00 बजे विद्यालय के प्राचार्य कक्ष मे उपस्थित होकर इस निविदा प्रक्रिया मे सम्मिलित हो सकते है। वही निविदा के संबंध मे नियम व शर्तों की संपूर्ण जानकारी विद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य

ग्राम सोनपुरी में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

उकवा(पद्मेश न्यूज)। 21 जून 2025 को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर मनाया जा रहा है जिसमें पूरे भारतवर्ष में यह आयोजन किया जा रहा है जहाँ मुख्य रूप से संगम आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कॉमन योगा प्रोटोकॉल के तहत देश भर के लोगों के साथ मिलकर योग किया जिससे योग करने से व्यक्ति में एक नई शक्ति का संचार होता है, जो आपके हर बॉडी

पार्ट को हेल्दी रखने का काम करता है. इसके साथ ही ये आपके शरीर के 7 चक्रों को भी प्रभावित करता है। जिसके तहत ग्राम सोनपुरी में पीएम श्री माध्यमिक स्कूल के प्रंगरण में किया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिसमें प्रमुख रूप से उपस्थित ग्राम पंचायत सरपंच सुनील उइके, पीएम श्री प्रधान पाठक शोभाराम तेकाम सर, समाज सेवी संदीप गजभिये, ग्राम पंचायत सचिव खंडाते जी, दिलीप बिसेन,ज्योति टेम्भरे, प्रेमलता ठाकरे, रामेश्वरी राणा, यूनिशा सिंह ठाकुर, ज्योति वरकडे हेमलता राहंगडाले, आदि एवं समस्त बच्चे ग्रामवासी उपस्थित रहे।

किराया से देना है
किराया/लीज पर देना है
1200 वर्गफुट ,हॉल
(2 हॉल) बैंक, ऑफिस,
शोरूम,अस्पताल, कार/
बाइक /शोरूम,गोदाम के
लिए सम्पर्क करें
पता-ताज कॉम्प्लेक्स नागपुर
हाईवे टच हाई स्कूल के
पास रामपायली 481335
-संपर्क-
7798392786

भविष्या(आशी)
के प्रथम
जन्मदिवस पर
शुभाशीर्वाद
शुभेच्छु
मम्मी-पापा अनिल- मानसी कोरे
सीताबाई कोरे (दादी)
उमाशंकर-इन्दु फुंडे (नाना-नानी)
सुनील-संगीता कोरे (बड़े पापा-बड़ी मम्मी)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ग्रामीण अंचलों में जमकर फल फूल रहा जातिवाद

ग्रामीणों ने 25 परिवारों का हुक्का पानी बंद कर किया समाज से बहिष्कृत, ग्रामीण कर रहे छुवाछुत, बिरसा के ग्राम झामुल का मामला, समता सैनिक दल ने एसपी कार्यालय में सौपा ज्ञापन, जातिवाद व छुआछूत करने वालो पर वैधानिक कार्यवाही कि करी मांग, माग पूरी ना होने पर आंदोलन कर, बालाघाट बंद की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम झामुल में दूसरे समाज की शादी, ब्याह सहित अन्य कार्यक्रमो में अनुसूचित जाति एंव जनजाति समाज के लोगों को निमंत्रण नही दिया जा रहा है। तो वही छुवाछुत के चलते किराना दुकान वाले उन्हें किराना का सामान नही दे रहे है।यहां तक की अनुसूचित जाति एंव जनजाति समाज के लोगो व बच्चे के गांव के सैलून वाले बाल व दाड़ी तक नही बनाते। तो वही उन्हें हर मोड़ पर अपमानित किए जाने का काम किया जा रहा है।जिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए समता सैनिक दल बालाघाट के पदाधिकारियो द्वारा शनिवार को एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपते हुए ग्राम झामुल वाले इस मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है। जिन्होंने आवेदन निवेदन पर भी संबंधितों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही न होने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने व बालाघाट बंद किए जाने की भी चेतावनी दी है।इस दौरानजिला प्रभारी अधि.आदर्श मेश्राम, जिला अध्यक्ष भावेश हिरकने, जिला सचिव वैभव भालेराव, जिला महा सचिव अभिषेक रंगारे, तहसील अध्यक्ष रोहित उके, भीम कुमार वाहने, शिव रावतकर, प्रीतेश गोंडाने, कविता वासनिक, स्नेहलता मेश्राम, प्रीति रावतकर, विवेक गणवीर, ऋतु हिरकने सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने 25 परिवारों को किया समाज से बहिष्कृत

समता सैनिक दल द्वारा एसपी कार्यालय में सौंपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया कि बिरसा के ग्राम झामुल में करीब 25 दलित परिवार रहन बसन करते हैं, जहां अन्य समाज द्वारा दलित समाज के बाल काटने से लेकर अन्य सभी कामों को करने से मना कर दिया गया है एवं जातिगत भेदभाव किया जाता है। पीड़ित ग्रामीण बताते हैं कि उन्होंने बिरसा पुलिस थाना में शिकायत भी दर्ज करवायी थी, जिसके बाद भी थाना बिरसा पुलिस द्वारा उक्त मामले को संज्ञान में नहीं लिया गया है। जिसके चलते वे एसपी कार्यालय में इंसाफ की गुहार लगाने आए हैं।

जिसने इन्हें बुलाया, उन्हें भी समाज से कर दिया बहिष्कृत

ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया

कि कुछ दिनों पहले दलित समाज का साथ दे रहे उनके समाज के कई व्यक्तियों को भी समाज से बहिष्कृत कर दिया गया है।जिसमे देवीलाल पांचे ऐसे एक व्यक्ति हैं, उन्होंने अपने परिवार के विवाह समारोह में दलित समाज के लोगों को बुलाया था, साथ ही एक दलित व्यक्ति की अंत्येष्टि में शामिल हुए थे, उसके बाद उन्हें भी उन्हीं के समाज के द्वारा बहिष्कृत कर दिया गया। जो कि बहुत ही निंदनीय घटना है।आजादी के इतने वर्षों बाद भी इस प्रकार की निंदनीय घटना कारित होना अत्यंत अशोभनीय है।जिसके चलते समाज से बहिष्कृत करने वाले लोगों पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

पिछले कई वर्षों से चल रहा जातिवाद छुआछूत

उक्त शिकायत लेकर बताया गया कि उनके गांव में पिछले कई वर्षों से जातिवाद चल रहा है जहां दूसरी जाति के लोग हमारे समाज के लोगों को भला बुरा कहते हैं दूसरे समाज के कुछ लोग हमें अपमानित करने का काम कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि विवाह समारोह में गांव के सभी लोगो को निमंत्रण दिया गया था लेकिन दलित समाज के लोगो को निमंत्रण नही दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि अक्सर गांव में हमारे समाज के लोगों को अपमानित करने का काम किया जाता है। नई समाज के लोग भी हमारे समाज के लोगों के बाल नहीं कटते हैं और ना ही सेविंग बनाते हैं । तरह तरह से हमारे समाज के लोगों को अपमानित किए जाने का कार्य किया जा रहा है। जिसकी वैधानिक जांच कर दोषियों पर कार्यवाही किए जाने की मांग ग्रामीणों द्वारा ज्ञापन के माध्यम से की गई है।

तो बालाघाट बंद कर, सड़क पर उतरकर करेंगे आंदोलन, मेश्राम

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान समता सैनिक दल पदाधिकारी अधिवक्ता आदर्श मेश्राम ने बताया कि बिरसा के ग्राम झामुल में 25 अनुसूचित जाति का परिवार पिछले कई वर्षों से रह रहा है। जहां के कुछ दूसरे समाज के व्यक्तियों द्वारा उनसे भेदभाव व छुआछूत की भावना रख उन्हें अपमानित करने का काम किया जा रहा है। हमारे समाज के लोगों के बाल तक नहीं काटते ,जातिगत भेदभाव के चलते उन्हें समाज से बहिष्कृत कर दिया गया है। जिसका समता सैनिक दल विरोध करता है। पुलिस से हमारा निवेदन है कि ऐसी घटनाओं की पुर्नवृत्ति ना हो और ऐसी घटनाओं पर तत्काल अंकुश लगाया जाए। उन्होंने बताया कि बात केवल बाल काटने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि किराना दुकान से उन्हें समान भी नहीं दिया जाता, तो वही नल से पानी भरने पर भी रोक लगा दी गई है। यह जिले के लिए निंदनीय विषय है। उन्होंने आगे बताया कि जब हमने वहां जाकर पता किया तो अब तक समाज से बहिष्कृत करने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। शिक्षा की कमी के चलते वहां ऐसा हो रहा है। हमारी मांग है कि पुलिस इस मामले में अपना योगदान देकर सहयोग करे और समाज से बहिष्कृत करने वाले लोगों पर वैधानिक कार्रवाई की जाए। यदि हमारी मांग जल्द से जल्द पूरी नहीं हुई तो आगामी समय में बालाघाट बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ एक व्यक्ति को हाथ बुक्के लाठी से मारपीट कर किये घायल

रामपायली थाने के ग्राम बोदलकसा की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोदलकसा एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ एक व्यक्ति को हाथ बुक्के लाठी और पत्थर से मारपीट कर घायल कर दिए। 21 जून को यह विवाद पैसों के लेनदेन को लेकर हुआ। मारपीट में घायल व्यक्ति महेश पिता मोहनलाल बिसेन 35 वर्ष ग्राम बोदलकसा निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश बिसेन अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं।जिसके परिवार में पत्नी तीन बच्चे और माता-पिता है। महेश बिसेन अपने माता-पिता का एकलौता बेटा है। बताया गया है कि 2 साल पहले महेश बिसेन ने अपने गांव के तेजराम बिसेन के खेत में अपने ट्रैक्टर से जुताई की थी। जिसका ढाई हजार रुपए रुका हुआ थाम वही महेश बिसेन ने तेज लाल बिसेन का पिकअप का भी उपयोग किया था जिसका भी किराया शेष था। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। 21 जून को गांव की पंचायत में बैठक रखी गई थी और दोनों के बीच समझता हो गया था।जिसके बाद 11:00 बजे करीब महेश बिसेन अपने खेत से घर लौट रहा था।तभी तेजराम बिसेन ने अपने बेटे राकेश बिसेन और सुमित बिसेन के साथ महेश बिसेन को पकड़ कर उसे हाथबुक्के और लाठी पत्थर से मारपीट कर घायल कर दिए। बीच बचाव करने जब महेश बिसेन की मां उमन बाई और आयुष ठाकरे पहुंचे तब इन लोगों ने उन्हें भी मारपीट कर दिए । मारपीट में घायल महेश बिसेन को रामपायली के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। रामपायली पुलिस ने इस मामले में तेजराम बिसेन और उसके दोनों लड़कों के बीच मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज का विवेचना शुरू की है।

नाडेप(कचरा घर)में भरी गंदगी की 1 वर्ष से नहीं हुई साफ सफाई ?

ग्राम पंचायत भरवेली के ऊंची बारंग, शिव मन्दिर परिसर का मामला, वार्ड वासियों ने जताई नाराजगी,प्रतिमाह साफ-सफाई की व्यवस्था किए जाने की लगाई गुहार, कहा या तो नाडेप की सफाई कराओ या फिर इसे यहां से हटाओ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली के ऊंची बारंग वार्ड नंबर 2व 3 स्थित शिव मंदिर परिसर में पंचायत द्वारा बनाए गए नाडेप(कचरा घर) की साफ सफाई न होने के चलते पूरा परिसर दुर्गंध से सराबोर हो रहा है तो वही जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ नजर आ रहा है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द नाडेप की साफ सफाई कर प्रतिमाह साफ सफाई की उचित व्यवस्था किए जाने की गुहार लगाई है। तो वहीं उन्होंने साफ सफाई न होने पर उस नाडेप को ही शिव मंदिर परिसर से हटाए जाने की मांग की है।

10 अक्टूबर 2024 से लगाए है आवेदन, आजतक नही हुई साफ सफाई- सोनीक

स्थानीय निवासी राकेश सोनीक ने चर्चा के दौरान बताया कि करीब तीन-चार वर्षो से यहां नाडेप बना हुआ है, जिसकी साफ सफाई नहीं हो रही है।पिछली बार 10 अक्टूबर 2024 को पंचायत में साफ सफाई के लिए आवेदन दिया गया है उसके बाद भी हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हम चहाते हैं कि नाडेप की साफ सफाई की जाए या फिर इस नाडेप को तोड़कर यहां से हटाया जाए। हमारी मांग है की प्रतिमाह इस नाडेप की साफ सफाई होनी चाहिए। ताकि यहां का कचरा लोगों के घर में और मंदिर में उड़कर ना जाए।वही दुर्गंध से स्थानीय रहवासियों को राहत मिल सके।

या तो इसकी प्रतिमाह सफाई करें, या फिर इसे यहां से हटाए- वंदना

वहीं स्थानीय वार्ड वासी वंदना स्वामिक व कृतिका साहू ने सयुक्त रूप से बताया कि करीब साल भर से यहां पर साफ सफाई नहीं हुई है।जिसके चलते वार्ड नंबर 2 और 3 के लोग काफी परेशान है।हमारी मांग है कि वार्ड में जो कचरा पेटी लगाई गई है उसकी साफ सफाई की जाए। प्रतिमाह साफ सफाई के लिए एक तारीख निश्चित की जाए, ताकि यहां साफ सफाई हो सके। यदि यहां का कचरा साफ नहीं कर पा रहे हैं तो फिर इसे हटा दिया जाना चाहिए, ताकि यहां रहने वाले लोगों को परेशानी ना हो।इसके लिए तीन-चार बार आवेदन दे चुके हैं। फिर भी यहां साफ सफाई की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भक्तों के साथ-साथ स्थानीय वार्ड वासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हवा आने पर यहां का कचरा मंदिर व घरों में उड़कर आता है। यहां पर मायल कॉलोनी भी है।फिर भी साफ सफाई नहीं हो रही है। इससे तो अच्छा था कि इस कचरा पेटी को ही यहां से हटा दिया जाए।

मायल से पैसा मिलने के बाद भी नही होती साफ सफाई- साहू

वहीं स्थानीय वार्डवासी देव कुमार साहू ने बताया कि यहां शिव मंदिर परिसर में कचरा घर बनाया गया है।जिसमें हमेशा कचरा भरा रहता है। पंचायत वालों को बोलो तो कहते हैं कि आप खुद साफ सफाई कर लो, जबकि मायल से साफ सफाई के लिए पंचायत को पैसा भी दिया जाता है। यहां कचरा का उठाओ ना होने के चलते कचरा हमारे घरों में उड़कर आता है। आवारा मवेशियों का यहां हमेशा झुंड लगा रहता है, जो कचरे को फैलाते हैं। जिससे गंदगी बढ़ती है, वही बरसात होने पर पूरे परिसर में दुर्गंध फैलती है। हमारी मांग है कि यहां पर साफ सफाई की व्यापक व्यवस्था की जाए।

रूठो को मनाने भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई पार्षदों की विशेष बैठक

पार्षदों ने कहा हसी, मजाक में ही सिमट कर रह गई पार्षदों को लेकर आयोजित की गई विशेष बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों की एक आवश्यक बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। यह बैठक बीते दिनों नगर पालिका परिषद की बैठक से उठकर गए रूठे हुये पार्षदों को मनाने के लिए आयोजित की गई थी। इस बैठक में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन सहित भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के साथ नगर पालिका में बैठे भाजपा के 18 पार्षद सम्मिलित हुए। यह बैठक पार्षदों और नगर पालिका अध्यक्ष के बीच चली आ रही नाराजगी को लेकर आयोजित की गई थी। किंतु सूत्रों की माने तो यह बैठक सिर्फ अनौपचारिकता में सिमट कर रह गई। रूठे हुए पार्षदों का कहना है इस बैठक का कोई औचित्य नहीं निकल पाया और यह बैठक अपने लक्ष्य से भटक कर रह गई। आपको बता दे कि बीते दिनों नगर पालिका में परिषद की बैठक आयोजित की गई थी । यहां परिषद की बैठक शुरू होते ही नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पालिका के सत्ता पक्ष के ही चार पार्षदों में एक विषय पर सहमती नही बनने की वजह से सत्ता पक्ष के चार पार्षद परिषद की बैठक से उठकर चले गए थे। पार्षदों का कहना था कि वह परिषद की बैठक के पहले पुराने प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे, तो वही नगर पालिका अध्यक्ष का कहना था कि वह पहले परिषद की बैठक के प्रस्ताव पर चर्चा कर बाद में सभी विषय को लेकर चर्चा करेंगे, किंतु पार्षद सुधीर चिले , सरिता सोनेकर , राज हरिनखेडे और श्वेता जैन बैठक में सुनवाई नहीं होने के कारण उठकर आ गए थे, उसके बाद यह खबर कुछ दिन तक सुर्खियों में रही और हर कोई सत्ता पक्ष के ही पार्षदों का इस प्रकार से परिषद की बैठक से उठकर चले जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी जमकर चर्चा चलती रही । जिसके बाद रूठे हुए पार्षदों को मनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ जनों द्वारा 21 जून को भाजपा कार्यालय में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमें पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे सहित नगर पालिका के भाजपा के 18 पार्षद इस बैठक में सम्मिलित हुए । यह बैठक दोपहर 1:30 बजे शुरू हुई और 3:00 बजे खत्म हो गई । जिसमें रूठे हुए पार्षदों को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन के द्वारा मनाने का प्रयास किया गया और घंटो चली इस बैठक में बहुत सारी चर्चाएं चली। लेकिन सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि यह बैठक सिर्फ हसी मजाक तक ही सिमट कर रह गई । जिस प्रकार से यह बैठक आयोजित की गई थी उस प्रकार से इस बैठक में वरिष्टों द्वारा किसी प्रकार का कोई ठोस कदम या कड़े निर्णय नहीं लिए गए । महज यह बैठक औपचारिकता में सिमट कर रह गई । कुछ पार्षदों का तो यह भी कहना था कि इस बैठक में सांसद भारती पारधी भी सम्मिलित होने वाली थी , किंतु वह भी इस बैठक में सम्मिलित न होकर उन्होंने अपने आप को इस बैठक से अलग कर लिया ।

कार की ठोकर से एक युवक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के बैहर रोड खान होटल के पास फोर व्हीलर कार एक युवक को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से घायल युवक शाहबाज खान पिता शकील खान 18 वर्ष वार्ड नंबर 9 निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी का अनुसार शाहबाज खान सी एम राइस स्कूल बालाघाट में कक्षा 11वीं की पढ़ाई कर रहा है। 26 जून की रात्रि 10:30 बजे शाहबाज खान अपने दोस्त के साथ बैहर रोड स्थित खान होटल के किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। उसी समय भरवेली की ओर से तेज रफ्तार से आ रही फोर व्हीलर कार शाहबाज खान को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से शाहबाज खान के पैर एड़ी में चोट आई। जिसे उसके परिवार वालों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने शाहबाज खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

रतनारा अंधे हत्याकांड की जांच में जुटी हट्टा पुलिस

जय किशोर की हत्या निकटतम और घर से वाकिफ व्यक्ति द्वारा किए जाने की संभावना, शीघ्र हो सकता है अंधे हत्याकांड का खुलासा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा पुलिस ने ग्राम रतनारा में इसी ग्राम के व्यक्ति जयकिशोर दमाहे 36 वर्ष की हत्या कर करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज कर इस अंधेहत्या कांड की जांच पड़ताल शुरू की है। 18 एवं 19 जून की दरमियानी रात यह वारदात उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर के अंदर अकेला सोया था। इस व्यक्ति की हत्या उसी के किसी परिचित और घर से पूर्णरूप से वाकिफ व्यक्ति द्वारा की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस अंधे हत्याकांड का शीघ्र ही खुलासा होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ज्ञात हो कि जय किशोर दमाहे मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी रेखा दमाहे और चार बच्चे हैं। जय किशोर दमाहे के पास में ही उसके बड़े भाई नंदकिशोर दमाहे भी अपने परिवार के साथ रहते हैं। एक भाई की पहले ही मौत हो चुकी है। बताया की जय किशोर दमाहे दारु पीने का आदि था और सुबह-शाम दारू पीता था और अपने पत्नी बच्चों से लड़ाई झगड़ा करते रहता था। काम पर नहीं जाता था पत्नी रेखा दमाहे मजदूरी कर घर का भरण पोषण करती थी। यह भी बताया गया है कि जय किशोर दमाहे की कुछ हरकतें ठीक नहीं थी। जिससे परिवार के लोग और भी परेशान रहते थे। 18 जून की रात 10:30 बजे करीब जय किशोर दमाहे शराब पीकर घर आया और अपनी पत्नी बच्चों से लड़ाई झगड़ा किया। जय किशोर दमाहे के इस हरकत से परेशान होकर उसकी पत्नी रेखा दमाहे अपने बच्चों को लेकर बाजू में रहने वाले अपने जेठ नंदकिशोर दमाहै घर चली गई थी। पत्नी बच्चों के घर से जाने के बाद जय किशोर दमाहे घर के पीछे के दरवाजे में ताला और सामने के दरवाजे में अंदर से लकड़ी की चिटकनी लगाकर सो गया था। 19 जून को सुबह जय किशोर दमाहे की पत्नी रेखा दमाहे अपने बच्चों को लेकर अपने मायके मंझारा भरवेली आ गई थी। दोपहर तक जय किशोर दमाहे ने दरवाजा नहीं खोला। समीप रहने वाले उसके भाई नन्दकिशोर दमाहे सहित परिवार के लोग समझे कि जय किशोर दमाहे शराब पीकर अपने घर के अंदर सो रहा होगा किंतु रात्रि 8:00 बजे तक दरवाजा नहीं खुलने और खिड़की से आवाज देने के बाद भी जय किशोर दमाहे के द्वारा दरवाजा नहीं खोलने पर शंका हुई और नंदकिशोर दमाहे ने 100 डायल को सूचना दिए। खबर मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे देखें। पलंग पर जय किशोर दमाहे में कंबल ओड हुए पड़ा हुआ था। चादर हटाकर देखने पर जय किशोर दमाहे मृत पड़ा हुआ था और उसके गले और कनपटी में धारदार हथियार की चोट की निशान थे और खून बहकर सूख गया था। 20 जून को जिला मुख्यालय से एफ एस एल टीम डॉग स्क्वाड भिजवाया गया जांच पड़ताल के बाद थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौड़ ने मृतक जय किशोर दमाहे का शव पंचनामा करवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। मर्ग जांच उपरांत जय किशोर दमाहे की हत्या करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है। बताया गया है कि जय किशोर दमाई की हत्या उसके निकटतम किसी परिचित और घर से वाकिफ व्यक्ति द्वारा ही किए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है।बताया गया है जयकिशोर दमाहे के घर के सामने के दरवाजे के पास की दीवाल में एक छेद है और इस छेद से ही बाहर से अंदर हाथ डालकर दरवाजे की चिटकनीआसानी से खोली और लगाई जा सकती है। 18 एवं19 जून की रात हत्यारे ने दरवाजे के पास स्थित छेद से बाहर से अंदर हाथ डालकर अंदर दरवाजे की चटनी हटाकर दरवाजा खोला और अंदर घुसकर सो रहे जय किशोर दमाहे पर धारदार हत्या से वार कर हत्या कर दी और इस हत्यारे ने सहानुभूति दिखाते हुए जय किशोर दमाहे के ऊपर चादर उड़ा कर दरवाजे से आसानी से बाहर निकला और दरवाजे के पास स्थित छेद से अंदर हाथ डालकर चिकनी लगा दिया। इस वारदात को इस घर से वाकिफ मृतक जयकिशोर दमाहे का निकटतम व्यक्ति या फिर घर के किसी व्यक्ति ने हत्यारे को दरवाजा खोलने की स्थिति से अवगत करवाते हुए इस वारदात को अंजाम दिये। थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौड़ वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और मार्गदर्शन इस अंधे हत्याकांड से जुड़े समस्त पहलुओं को लेकर जांच पड़ताल कर रहे हैं। और इस हत्याकांड का शीघ्र ही खुलासा होने की संभावना व्यक्ति जा रही है।

104 ग्रामों के ग्रामीणों को दो दिनों से नही मिल रहा है नल-जल योजना का पानी, ग्रामीणजन परेशान

जल शोधन संयंत्र केन्द्र की करवाई जा रही सफाई, वैकल्पिक व्यवस्था कर पानी सप्लाई करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र स्थित किलेरी फायर (पानी एकत्रित करने का टांका) की साफ-सफाई करवाई जा रही है। जिसके कारण लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों के 104 ग्रामों के ग्रामीणजनों को दो दिनों से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है जिससे ग्रामीणजन पानी के लिए खासा परेशान है। ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी लाकर उसका उपयोग कर रहे है किन्तु हेंडपंपों में दबाव अधिक होने के कारण दुषित पानी निकल रहा है जिसे पीने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। जबकि पीएचई विभाग को जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र स्थित किलेरी फायर की सफाई करने के पूर्व क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी प्रदाय करने हेतु वैकल्पिक व्यवस्था करना था। उसके बाद सफाई कार्य करना था किन्तु ऐसा नही किया गया है। जिसके द्वारा क्षेत्र में नल-जल योजना पूरी तरह से प्रभावित हो चुकी है और किलेरी फायर की सफाई करने में एक-दो दिन लग सकता है। जिससे यह मानकर चले कि और दो दिनों तक नल-जल योजना का पानी क्षेत्रीयजनों को नही मिलेगा। ऐसी स्थिति में क्षेत्र के 104 गांव के ग्रामीणजनों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए क्षेत्रीयजनों ने पीएचई विभाग से किलेरी फायर की सफाई कार्य तीव्र गति से करवाने एवं तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने की मांग की है।

वैकल्पिक व्यवस्था के लिए पंचायतों के पास स्वयं की नल-जल योजना होनी चाहिए

आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के 77 ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने की मंशा से शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के तहत छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र में पहुंचता है। जहां फिल्टर होने के बाद पाइपलाईन के माध्यम से ग्राम पंचायतों में बनाये गये पानी टंकी को।भरने के बाद घर-घर किये गये नल कनेक्शन के माध्यम से ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन कई बार इस नल-जल योजना में तकनीकी खराबी आने, पाईपलाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण कुछ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को जब से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है उसके बाद से इस योजना का लाभ नही मिल पाया है। वहीं पीएचई विभाग के द्वारा दो दिनों से जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र के किलेरी फायर (पानी जमा करने के टांका) की सफाई कार्य करवाया जा रहा है। जिसके कारण दो दिनों से नल-जल योजना का पानी क्षेत्रीयजनों को नही मिल पा रहा है। जिससे क्षेत्र में पानी की समस्या बनी हुई है। वहीं इस वर्ष भीषण गर्मी के चलते क्षेत्र का जल स्तर भी नीचे चले गया है जिसके चलते नदी-तालाब व नालों में पानी नही होने के कारण कुएं भी सुख चुके है एवं हेंडपंपों का भी जल स्तर नीचे चले गया है। साथ ही दो दिनों से नल-जल योजना का पानी 77 ग्राम पंचायतों में नही मिलने के कारण ग्रामीणजन पानी के लिए परेशान हो रहे है। जबकि पीएचई विभाग को जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र के किलेरी फायर की सफाई करने के पूर्व वैकल्पिक व्यवस्था कर पानी सप्लाई जारी रखना था किन्तु ऐसा नही किया गया है। वहीं जिस तरह से पांढरवानी पंचायत के द्वारा नल-जल योजना का पानी नही मिलने पर पंचायत की नल-जल योजना से पानी प्रदाय किया जा रहा है। इसी तरह से सभी पंचायतों के सरपंच-सचिवों को भी अपनी-अपनी पंचायतों में स्वयं की नल-जल योजना के तहत वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पानी टंकी के माध्यम से पानी प्रदाय करने का प्रयास करना चाहिए ताकि पानी की समस्या से ग्रामीणजनों को परेशान न होना पड़े। क्षेत्रीयजनों ने पीएचई विभाग से जल शोधन संयंत्र केन्द्र के किलेरी फायर की जल्द सफाई एवं नल-जल योजना में आई तकनीकी खराबी का मरम्मत कार्य करवाकर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग की है।

क्षेत्रीयजनों को नही मिल रहा पानी - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि 77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को छिंदलइ वैनगंगा नदी का शुध्द पानी उपलब्ध करवाने के लिए करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। लेकिन यह योजना भ्रष्टाचार की भेट चढ़ चुकी है, बार-बार समस्या आ रही है जिसके कारण क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी नही मिल पाता है और दो दिनों से 77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिससे सभी पानी के लिए परेशान है। श्री खान ने बताया कि पांढरवानी पंचायत के पास स्वयं की नल-जल योजना है, जाम शोधन संयंत्र केन्द्र का पानी नही मिलने पर हमारी पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणजनों को पंचायत की नल-जल योजना का पानी प्रदाय किया जा रहा है। इसी तरह अन्य पंचायतों को भी वैकल्पिक व्यवस्था करना चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि नल-जल योजना में बार-बार समस्या आते रहती है इसलिए पीएचई विभाग से मांग है कि स्थाई निराकरण कर क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी प्रदाय करें।

इनका कहना है-

जल शोधन संयंत्र केन्द्र स्थित किलेरी फायर की साफ-सफाई करवाई जा रही है जिसका कार्य पूर्ण होने के बाद नियमित रूप से क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का पानी प्रदाय किया जायेगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओं
पीएचई विभाग लालबर्रा।

सेवा सहकारी समिति के प्रबंधकों ने सांसद भारती पारधी को सौंपा ज्ञापन

रासायनिक खाद की समस्या से अवगत करवाकर खाद उपलब्ध करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों में रासायनिक खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही होने के कारण किसानों को समय पर खाद नही मिल पा रहा है। जिससे किसान के साथ ही समिति के प्रबंधक भी परेशान है। रासायनिक खाद की समस्या को लेकर 9 सेवा सहकारी समिति के प्रबंधकों ने शनिवार को ग्राम घोटी में भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंची बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी को ज्ञापन सौंपकर रासायनिक खाद की समस्या सेअवगत करवाकर डिमांड के अनुसार रासायनिक खाद उपलब्ध करवाने की मांग की है ताकि किसानों को समय पर खाद का वितरण कर सके। चर्चा में सेवा सहकारी समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत 9 सेवा सहकारी समिति है जिसमें लालबर्रा, घोटी, मिरेगांव, साल्हे ला., मोहगाव ध., नेवरगांव ला., जाम, सिहोरा, कंजई शामिल है और करीब 18 हजार कृषक समितियों से रासायनिक खाद, नगद ऋण का लेन-देन करते है। साथ ही यह भी बताया कि खरीफ फसल के लिए वर्ष 2025 में काम्प्लेक्स खाद 20-20-0-13, डीएपी 2500 टन की आवश्यकता हैं जिसमें वर्तमान समय तक 9 समितियों को मात्र 428 टन काम्प्लेक्स खाद 20-20-0-13 प्राप्त हुआ है एवं वर्तमान समय में समितियों व खाद गोदाम में काम्प्लेक्स खाद 20-20-0-13 एवं डीएपी खाद उपलब्ध नही है। ऐसी स्थिति में किसानों को खाद नही मिलने से वे खासा परेशान है और सोसायटी एवं खाद गोदाम का चक्कर लगा रहे है। आगे बताया कि रासायनिक खाद का भंडारण अतिशीघ्र करवाने की मांग को लेकर बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी को ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा लालबर्रा पर्यवेक्षक, जाम प्रबंधक डीके लिल्हारे, सिहोरा प्रबंधक रतनलाल एड़े, नेवरगांव ला. प्रबंधक एमपी ठाकरे, लालबर्रा प्रभारी प्रबंधक सुभाष बोपचे, मिरेगांव प्रभारी प्रबंधक एमआर गोंदुड़े, घोटी प्रभारी प्रबंधक गोपाल लानगे, भागचंद कटरे सहित अन्य प्रबंधक व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सांदीपनी स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में 21 जून को 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर के मुख्य आतिथ्य, सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता एवं जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, श्रीमती अनिता अग्रवाल, तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, बीआरसी श्रीराम तुरकर, सेवानिवृत्त प्राचार्य बीएल चौधरी के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रात: 6 बजे से मुख्य कार्यक्रम में अतिथियों के संदेश का वाचन हुआ। जिसके उद्बोधन को उपस्थितजनों ने रेडियों में सुना, जिसके बाद प्रात: 7 बजे सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस दौरान विद्यालय की योग क्लब प्रभारी शारदा मेश्राम के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सामान्य योग अभ्यास क्रम में योग प्रार्थना करवाकर ग्रीवा संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, शशांकसन, आसन, भद्रासन, उष्ट्रासन, सेतूबंध आसान, प्राणायाम, ध्यान आदि योगाभ्यास करवाया गया और सभी ने योगासन व प्राणायाम की विभिन्न क्रियाएं किये। इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था और शासन के निर्देश थे कि स्कूली विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित होकर योग करे परन्तु कार्यक्रम प्रात: 6 बजे से होने के कारण बहुत कम संख्या में विद्यार्थी स्कूल पहुंचे थे। ऐसी स्थिति में कम विद्यार्थियों की उपस्थिति में सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जा रहा है और योग सभी को करना चाहिए क्योंकि योग मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करता है। चर्चा में सांदीपनी स्कूल के योग क्लब प्रभारी शारदा मेश्राम ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया और इस अवसर पर मनुष्य के शरीर के सिर से लेकर पैर के पंजो तक की समस्त क्रियाओं पर योग किया गया। साथ ही यह भी बताया कि योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है इसलिए सभी को रोजाना योग करना चाहिए। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहें।

आंगनवाड़ी केन्द्र में कार्यकर्ता एवं सहायिका के 30 पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई

पंचायतों में ऑनलाईन भर्ती प्रक्रिया शुरू, 4 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 26 सहायिका की होगी नियुक्ति

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। महिला एवं बाल विभाग मध्यप्रदेश अंतर्गत बाल विकास परियोजना लालबर्रा में विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के पद खाली पड़े हुए थे। जिससे आंगनवाड़ी केन्द्रों का संचालन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही लंबे समय से जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद खाली थे उक्त स्थानों पर भर्ती करने की मांग पूर्व में की जा रही थी। लेकिन भर्ती नही होने से नौनिहाल बच्चों के साथ ही उनके अभिभावकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शासन के निर्देशानुसार जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद खाली थे उक्त स्थानों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और आवेदिका अपने पंचायत क्षेत्र हेतु ऑनलाईन फार्म भरेगें जिसकी अंतिम तिथि 7 जुलाई है। लालबर्रा विकासखंड में 4 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 26 सहायिका की भर्ती होना है जिसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसी तरह पांढरवानी पंचायत के पांढरवानी के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 एवं लालबर्रा पांढरवानी केन्द्र क्रमांक 6 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती होना है जिसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसी तरह रमपुरी, टेकाड़ी ला. में 1-1 पद पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति होना है। साथ ही आंगनवाड़ी सहायिका हेतु नंगाटोला नेवरगांव-3, लोहारा-1, चिल्लौद-1, कनकी-2, छतेरा-1, बोट्टा-1, कंजई-4, खिर्री-1, मोहगांव ध-1, ददिया आमाटोला -4, बघोली -2, आवासटोला मिनी रटेगांव, सुरजटोला मिनी चंदपुरी, सिरसाटोला मिनी बहियाटिकुर, वाराटोला मिनी पिपरिया, टेकाड़ी मिनी नहरटोला, मांझापुर, बरबसपुर, डोंगरिया, छिंदलईटोला मिनी, ददिया मिनी, गनखेड़ा मिनी रानीकुठार, मिनी गोंडीटोला बुट्टा ह., सोनेवानी मिनी टेकाड़ी, खिर्री-2 आंगनवाड़ी केन्द्र में सहायिका की भर्ती होना है जिसके लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस तरह से अब 4 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 26 सहायिका के जो पद खाली थे वह भरे जायेगें और उसी पंचायत क्षेत्र की महिलाएं जो पात्रता रखती है वे आवेदन करेगें। जिसके बाद मेरिट के आधार पर महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा उन्हे चयनित किया जायेगा।

पांढरवानी पंचायत में दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की होगी नियुक्ति - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद खाली है उन पदों के लिए भर्ती की जा रही है। जिसमें हमारे पंचायत क्षेत्र के पांढरवानी के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 एवं 6 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती होना है। जिसके लिए पंचायत क्षेत्र के महिला अभ्यर्थी 7 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। श्री खान ने बताया कि आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मेरिट के आधार पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति की जायेगी और लालबर्रा क्षेत्र में 4 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 26 सहायिका के पदों पर भर्ती होना है।

योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है - उज्जवला दीदी

महाविद्यालय में 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीडा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 11 वॉ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस ''एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग'' थीम पर सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. एसके खंडायत की अध्यक्षता एवं ब्रम्हकुमारी आश्रम से श्रीमती उज्जवला दीदी एवं नारायण प्रसाद सोलंकी के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। जिसके बाद उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार पल प्रतिपल समय सारणी अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके बाद सामान्य योग अभ्यास कार्यक्रम किया गया जिसमें डॉ. ऋषिकेष पटेल क्रीड़ा अधिकारी ने सूर्य नमस्कार और प्राणायाम अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम श्रीमती माधुरी पुसे के द्वारा सामान्य योग की विभिन्न मुद्राओ से अभ्यास करवाकर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की और सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रम्हकुमारी उज्जवला दीदी ने कहा कि योग हमारे शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। आध्यात्मिक माध्यम से आत्मा और परमात्मा का मिलन होता है एवं आत्मिक शांति प्राप्ति होती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत ने कहा कि योग से शारीरिक और मानसिक सुख की प्राप्ति होती है एवं इस कार्यों में ब्रम्हकुमारी संस्थान का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कार्यक्रम का मंच संचालन संदीप चौरसिया एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. क्रांति जैन, श्रीमती आशा कारे, डॉ. विवेक खरगाल, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रसिक हुमनेकर, इकबाल खान, अजय सिनोरिया एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शरीर की सारी शक्तियों को केन्द्रीत करने का माध्यम योग है-प्रदीप जायसवाल

आंबेडकर भवन में योग संगम कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ११वॉ अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर आंबेडकर मंगल भवन में योग संगम सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजीव रंजन पांडे, योग शिक्षक भेजेन्द्र चौधरी, डॉ जयश्री अरोरा आदि ने योग किया। वहीं सबसे पहले आंध्र प्रदेश के विशाखापटटनम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को लाईव सुना गया। पश्चात सैकडो साधको ने विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कर आंतरिक शांति समग्र शांति के मार्ग पर चलने का प्रयास किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासो से हमारे देश से निकलकर योग १७५ देशो में वैश्विक यात्रा कर अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। और आज ११ साल बाद हम देख रहे है की योग दुनिया भर में करोड़ो लोगो की जीवन शैली का हिस्सा बन चुका है। योग क्रिया करने से हमारे शरीर की लाखो नसे सीधे तौर पर हमारे मस्तिष्क से जुड़ जाती है। शरीर की सारी शक्तियों को केन्द्रित करने का माध्यम ही योग है। श्री जायसवाल ने कहा की योग करने से नजरिया और नजर दोनो बदलती है। और वे स्वंय कालेज के समय से योग को नियमित तौर पर कर रहे है। और विशेष तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद ज्ञापित करते है की उन्होने शासकीय कार्यक्रम पुरे प्रदेश में आयोजित कर योग के महत्व को प्रसारित किया है। इस दौरान डॉ के के कठौते ,डॉ जयश्री अरोरा , निर्मला पटले,गोविंद टेंभरे ,भेजेन्द्र चौधरी ,सुरेन्द्र बिसेन,राजकुमार टेंभरे ,पंचम हनवत ,छगन हनवत,संगीता नेमा ,सुरेश चिमनानी,अशोक सोनवाने,माया पारधी,आशा सिरसाठे, होमेश्वर राहंगडाले, आस्था हनवत,हेमलता दुबे, मीना पाल अलंकृता भगत, आशा खंडेलवाल,पदम सुराना, श्याम सुंदर खंडेलवाल,आशीष राठौर,विजय वहिले, सोनम हनवत, सीमा बिसेन,सावित्री ठाकरे,तिलेश्वरी राणा, निर्मला बिसेन, डेलीराम कावरे,देबी प्रसाद नगपुरे एवं सभी शासकीय अधिकारी के साथ गणमान्य नागरिकगण एक योग साधक भी उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय मुरझड फ ॉर्म में ११ वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

कृषि महाविद्यालय मुरझड फॉम में ११ वां अंतर्राष्ट्रीय योग २१ जून २०२५ को अधिष्ठाता डॉ घनश्याम देशमुख के मार्गदर्शन महाविद्यालय परिसर में उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। योग दिवस के लिए योग शिक्षक डॉ सुनील कुमार रजक ने सत्र का नेतृत्व किया। जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन और मार्गदर्शन किया। सत्र में सूर्य नमस्कार, शीर्षासन, मयूरासन,चक्रासन और प्राणायाम भस्त्रिका, कपालभातिऔर अनुलोम विलोम कराए गए। जिसमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपक कुमार नामदेव एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रभारी डॉ शैलेंद्र ने कुशलता पूर्वक किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ प्रतिभा, डॉ श्रद्धा , डॉ उत्तम, डॉ सुरेंद्र , डॉ ऋषिकेश, डॉ सोलंकी और कमलेश्वर गौतम सहित महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए योगासनों में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ घनश्याम देशमुख ने योग के महत्व के बारे में अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को जानकारी दी और कहा कि इसे प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में शामिल अवश्य ही करना चाहिए यह केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में योगाभ्यास किया गया

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं के द्वारा संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन, सचिव कैरियर शिक्षा समिति श्रीमती पुष्पा बिसेन एवं कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्थानीय आंबेडकर भवन में आयोजित योग संगम सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जो योगाभ्यास प्राणायाम किये गये उनमें कपाल भारती, अनुलोम विलोम, भुजंग आसन, भ्रमरी, वज्रासन आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित थे। इस अवसर पर अनेक जन प्रतिनिधि गणमान्य नागरिक देवसिंह ठाकुर शिक्षक सहित अनेक शिक्षक, शिक्षिकायें तथा कर्मचारी गण, छात्र-छात्रायें योगाभ्यास में मौजूद रहे।

एसएसपी महाविद्यालय में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन के पत्र एवं निर्देशानुसार ११ वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस २१ जून २०२५ को एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के मार्गदर्षन और विकास साहू कार्यक्रम प्रभारी तथा कृष्णा पराते कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना के नेतृत्व में सामूहिक योग आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रफुल्ल बिसेन अध्यक्ष जनभागीदारी शास. महाविद्यालय ,अभिषेक अग्रवाल जनभागीदारी सदस्य, मनीषा जायसवाल जनभागीदारी सदस्य, राकेश सोनी, श्रीमती संगीता वैष्णव तथा योग प्रशिक्षक श्रीमती उमा कठाने तथा प्रकाश कठाने उपस्थित रहे। अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम का प्रारंभ उपस्थित अतिथियों के स्वागत समारोह के द्वारा किया गया । तत्पश्चात राकेश सोनी ने कहा की सैकड़ों वर्षो से हम योग को अपने जीवन में अपनाते आ रहे है और भारतीय संस्कृति में भी योग और प्राणायाम को महात्व दिया गया हमे आज निरंतर योग की आवश्यकता है। वहीं प्रफुल्ल बिसेन ने कहा कि योग की उत्पत्ति हमारे भारत में हुई और योग के माध्यम से हम शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक विकास कर अनेक रोगो का इलाज कर सकते है। आज भौतिक आकर्षण की दुनिया में हम सुख और सफलतापूर्वक जिंदगी जीने के लिए स्वास्थ को पीछे छोड़ते जा रहे है। अगर हम स्वस्थ रहेंगे तो अच्छा जीवन यापन कर पायेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश के नाम संदेश और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुभकामनाएँ संदेश का सीधा प्रसारण सुना गया। प्रातः ७ बजे से योगाभ्यास का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें योग प्रशिक्षक श्रीमती उमा कठाने के द्वारा समस्त महाविद्यालय परिवार को सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया गया। प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम ने कहा की भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा योग अभ्यास को प्रधान मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। भारत की महान परंपरा आज के इस थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग में वसुधैव कुटुंबकम की भावना लिए आज पूरा भारत योग अभ्यास कर रहा है। हम सभी को अपने जीवन में योग को निरंतर जारी रखना चाहिए, हम आज संकल्प लेते है की हम निरंतर योग और प्राणायाम कर जीवन में स्वास्थ और निरोग रहेंगे। योग अभ्यास के पश्चात एक पेड़ मॉ के नाम २.० अभियान अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में फ लदार, छायादार पौधों का वृक्षारोपण कार्य अतिथियों और महाविद्यालय परिवार की उपस्थिति में किया गया।

भाजपा ने मनाया विश्व योग दिवस

नगर के इंडोर स्टेडियम में भाजपा नगर मंडल के तत्वाधान में विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता की छायाचित्र पर माल्या अर्पण किया गया। यह तीन दिवसीय योग शिविर का मुख्य उद्देश्य समुदाय के बीच स्वास्थ्य कल्याण और जागरूकता को बढ़ावा देना हैं । जहाँ विभिन्न वर्गों से आये उत्साही योग साधक साधीकाओं ने पूरी उत्साह और उमंग के साथ एकत्रित होकर विभिन्न योग मुद्राएं एवं योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जयसवाल ,नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला पटले ,सुनील पिपरेवार ,मयंक मिश्रा ,मिथिलेश बुरडे ,जगदीश नेमा, राजीव गोयल, रितु अग्रवाल, रीना कासल ,गणेश चुरहे, प्रणय श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रेल्वे ओवर ब्रिज का विधायक पटेल ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सड़क एवं पुल पुलिया किसी क्षेत्र के लिए विकास की अहम कड़ी होती है । इससे ग्रामीण क्षेत्रो के साथ साथ शहर का रास्ता भी खुलता है पुल.पुलिया बनने से सबसे ज्यादा लाभ ग्रामीण क्षेत्रो की जनता को होता है । शनिवार को विधायक विवेक पटेल ने वारासिवनी.बालाघाट मार्ग स्थित ग्राम वारा में बन रहें रेल्वे ओवर ब्रिज का अधिकारियो के साथ औचक निरिक्षण किया। और कच्छ गति सें चल रहें निर्माण कार्य को देख संबधित ठेकेदार को समय के पूर्व रेल्वे ओवर ब्रिज जल्द पूरा करने के अधिकारियो को निर्देशित किया। की आवागमन में राहगीरों को आने.जाने में काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा हो जायें। इस दौरान एसडीएम राजीव रंजन पांडे, एसडीओ अर्जुन सनोडिया, सब इंजीनियर राकेश कुंभरे, सिद्धार्थ जयसवाल, पटवारी शिवा पटले विवेक जुझार,राजा अली,पवन बिसेन,प्रणय धार्मिक मौजूद रहे। वारासिवनी.बालाघाट मार्ग स्थित वारा के समीप बन रहें रेल्वे ओवर ब्रिज का निर्माण वैनगंगा कंट्रक्शन कम्पनी बालाघाट के द्वारा किया जा रहा है। इस पुल की लंबाई ४५८ मीटर हैं जिसका निर्माण कार्य २३ मार्च २०२४ को शुरू किया गया था । और अक्टूबर २०२५ तक पूर्ण करना है मगर रेल्वे के कारण इस कार्य में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते यह पुल अब २०२६ बारिश के पूर्व बनकर तैयार हो जायेगा। वहीं रेल्वे के दोनों ओर लगभग १४ मकान अतिक्रमण की चपेट में आ गए हैं जिन्हे रेल्वे के द्वारा भुगतान भी हो चुका है। विधायक विवेक पटेल ने अधिकारियों सें कहा की अब बच्चों के स्कूल प्रारंभ हो चुके है। वहीं अब बारिश भी शुरू होने लगी हैं कोई हादसा ना हो इसके पूर्व पुल के दोनों और ऐप्रोज रोड जल्द बनाई जाए। जिससे भविष्य में कोई जनहानि ना हो वहीं थाना प्रभारी हेमंत नायक को निर्देशित किया की स्कूल के समय और शाम को छुट्टी के समय इस स्थान पर पुलिस कर्मियों की डियूटी लगाए जिससे यातायात बाधित ना हो।

विधायक का दो वर्षो में एक भी सड़क ना लाना क्षेत्र के लिये निराशा जनक -प्रदीप जायसवाल

सिविल अस्पताल में अमृत जनकल्याण समिति की बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय सिविल अस्पताल में अमृत जनकल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला स्वास्थ्य व चिकित्सा अधिकारी डॉ. परेश उपलव, एसडीएम राजीव रंजन पांडे सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा समस्त अधिकारी और सदस्यों के साथ सिविल अस्पताल के शासकीय क्वार्टर का निरीक्षण किया गया। वहीं अस्पताल तोड़ने के कार्य का भी अवलोकन किया गया । इसके बाद बैठक में किस प्रकार से भवन टूटने के बाद व्यवस्थाओं का संचालन किया जाएगा इस विषय पर चर्चा की गई। वहीं अस्पताल की अव्यवस्था जैसे हर बार मरीज को बालाघाट रिफर कर देना डॉक्टर के द्वारा नशे में धुत होना सहित अन्य संवेदनशील विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करने के उपरांत अमृत जनकल्याण समिति के फंड से एक लाख रूपये की राशि प्रदान कर २५ लाख की सर्व सुविधायुक्त एंबुलेस को फिर से टायरो, बीमा सहित अन्य दिक्कतो को दूरस्त करने का निर्णय लिया गया ताकि मरीजो को असुविधा ना हो। इस अवसर पर बीएमओ डॉ.कमलेश झोडे ,ख्नपा सीएओ सूर्यप्रकाश उके ,शैलेंद्र आहूजा, डॉ.नीरज अरोरा, आंनद बिसेन, एसडीओ आंनद बंसोड, लखी रामचंदानी ,संजय कासल ,विनय सुराना ,दिपक आडे ,शैलेंद्र तिवारी ,संदीप मिश्रा ,मोनू लिमजे , डॉ विजेन्द्र चौधरी ,डॉ. सत्यम शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अनुशासन बनाए रखें अन्यथा शराब की बात आने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि अमृत जनकल्याण समिति की बैठक थी उससे कई सुविधा निःशुल्क दी जा रही है । उसमें हमारे सहयोगियों ने जो सहयोग किया था और उसे अस्पताल की व्यवस्था बदली थी। परंतु अभी निराशाजनक स्थिति २ वर्ष से अस्पताल में है मरीज को रिफर कर दिया जाता है उनका ठीक उपचार या प्राथमिक उपचार ठीक से नहीं हो पता है। तो वहीं हमें जानकारी मिली थी कि डॉक्टर शराब के नशे में रहते हैं तो हमें चिंता हुई कि वारासिवनी की छवि खराब हो रही है । मरीज निराश होकर वापस जा रहे हैं तो हमने यह बैठक रखी थी। यहां पर जिला चिकित्सा अधिकारी भी उपस्थित थे सभी को नसीहत दी गई है कि वह जवाबदारी से काम करें । अनुशासन बनाए रखें अन्यथा शराब की बात आने पर बालाघाट से टीम भेज कर जांच और कानूनी कार्यवाही की जाएगी। बीएमओ से चार्ज नहीं संभाल जा रहा है तो बालाघाट से किसी को भेजा जायें हमने अपने समय ५ वर्ष में सभी व्यवस्था की है। आसपास के जिलों में १०० बिस्तर का अस्पताल नहीं मिला किंतु अपने कार्यकाल में जून २०२३ में हमने यह लेकर आए थे । इसके बनने से कटंगी ,लालबर्रा ,खैरलांजी को लाभ मिलेगा बड़ी सुविधा होगी। स्टाफ विशेषज्ञ और मशीन भी बढ़ेगी इसका निर्माण कार्य प्रारंभ होने का है। हमारी सोच थी कि यह अपने पुराने स्थान पर ही बने और तब तक के लिए शासकीय क्वार्टर में व्यवस्था बनाई जाएगी डेढ़ वर्ष में यह पूरा हो जाएगा। वहीं सर्व सुविधा एक युक्त एंबुलेंस जो हमने दी थी उसके सुधार कार्य के लिए भी समिति की एक लाख रुपए की राशि दी गई है। ताकि मरिज नागपुर ,जबलपुर आना जाना कर सके और बता दिया गया है कि आगे का मेंटेनेंस अब अस्पताल करेगा।

विधायक बड़ी बड़ी बाते कर क्षेत्र के ग्रामीणों को कर रहा गुमराह

श्री जायसवाल ने बताया कि फ्लाइओवर में भूमि अर्जन हो गया है सर्विस रोड़ का काम भी चालू है । रेलवे के जो ठेकेदार मुंबई के विजय एजेंसी है उसका काम ढीला लगने पर जिला कलेक्टर से चर्चा की गई थी । जिन्हें फटकार लगाई गई है तो उन्होंने आश्वासन दिया की वर्षा काल में यह पूरा हो जाएगा। बालाघाट के ठेकेदार ने अपना पूरा काम कर दिया है उम्मीद है कि वर्षा काल के बाद फ्लाइओवर चालू होगा। महाराष्ट्र को जोड़ने वाले बड़े ब्रिज हमारे यहां पर बनाए गए हैं अभी ४० करोड़ से घोटी धापेवाड़ा तैयार हो रहा है । इसमें एप्रोच रोड़ के लिए डांगोरली से साकडी के लिए सड़क हम अपने कार्यकाल में नहीं करवा पाए थे । पर उम्मीद है कि यह नए कार्यकाल में बने हमने कहीं पढ़ा कि हमारे विधायक कहते हैं कि हम शहर को गांव से जोड़ रहे हैं । मेरा कहना है कि साकड़ी से पुल तक सड़क बनाने में एक करोड़ रुपए लगेगा हमने अपने कार्यकाल में २ करोड रुपए वाली ५३ सड़के बनाई है। २ वर्ष में एक सड़क नहीं बनी निराशा हुई की पद पर बैठने के बाद अभी तक कोई सड़क स्वीकृत नहीं हुई है। वहां पर कोई ठेकेदार नहीं कोई टेंडर नहीं फ र्जी बातें बोली जा रही है की फ्लाइओवर अस्पताल में लाया सड़क स्वीकृत कहां से हुई तो पता नहीं । अभी गिट्टी जो डाली गई है वह बरसात के पहले जो पेज रिफर होता है वह किया गया है । यह सड़क एक करोड़ की बनेगी सड़क स्वीकृत हो गई है काम चालू हो गया है यह सब गलत बोल रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का यह अमृतकाल -किशोर अमूले

अमई/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी मंडल तिरोड़ी में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व जनपद अध्यक्ष किशोर अमूले की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। पूर्व जनपद अध्यक्ष किशोर अमूले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने पिछले ११ वर्षों में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मंत्र के साथ देश के गरीब वंचित एवं आम जनता के लिए सेवा सुशासन गरीब कल्याण योजनाओं के तहत अभूतपूर्व कार्य किए। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने ना केवल करोड़ों लोगों का जीवन स्तर सुधारा बल्कि उन्हें सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार भी दिया। श्री अमूले ने कहा कि भारत का सशक्त नेतृत्व एवं निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सशक्त सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। इन ग्यारह वर्षों में अंत्योदय का उत्थान, गरीब कल्याण, किसानों , महिलाओं ,युवाओं के विकास के साथ ही देश की सुरक्षा भी सशक्त हुई हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख , श्रीमती पूजा त्रिवेदी महामंत्री, शंकरलाल टांडेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती सविता चौहान, राजकुमार हरिनखेडे, संजीव गुप्ता ,मिहिर त्रिवेदी ,विजय पटले ,पूनम रावत, लक्ष्मी विश्वकर्मा ,लक्की बोपचे ,सुनील जनतांत, योगराम ठाकरे ,टिकेश्वर बिसेन ,पुनेश पटले सहित अन्य भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान राम के विचार से देश है आत्मनिर्भर

.भगवान राम के विचार से देश है आत्मनिर्भर है क्योंकि उन्होंने भारत के लोगों को जो संदेश दिया वही देश की शक्ति है और भारत माता के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देता है रामचरितमानस कोई कहानी की किताब नहीं है, अपने मानस में, मन में देखा गया राम चरित्र है। हमें भी मानस के पात्रों को व्यक्ति रूप में नहीं, अन्त:करण की वृत्ति के रूप में देखना है।

ध्यान दें, तुलसीदास जी विनय पत्रिका में लिखते हैं-

अपारे संसारे विषय विष पूरो जलनिधि
रचित मन दनुज मय रूप धारी

माने विषय वासना के जल से भरा यह संसार ही सागर है। इस संसार-सागर में, आपका मन ही मय दानव है, इसी के द्वारा रचित यह आपका शरीर ही लंका है। इस देह रूपी लंका का वास्तविक उत्तराधिकारी जीव रूपी विभीषण है। पर यह जीव रूपी विभीषण, मोह रूपी रावण, अहंकार रूपी कुम्भकरन, काम रूपी मेघनाद और वासना रूपी सूर्पनखा के वशीभूत है। जीव-विभीषण, भगवान का टूटा फूटा भजन तो करता है, पर अपनी आँखों से मोहादि के, सब प्रकार के अनाचार दुराचार पापाचार को देखता हुआ भी, मोह की सत्ता का विरोध नहीं करता। जब जीव के करोड़ों जन्मों का किया हुआ पुण्य, फल देने को खड़ा होता है, तब उसके जीवन में हनुमान रूपी संत आते हैं, तब ही जीव रूपी विभीषण को साहस होता है और वह मोहादि को चुनौती देता है। वह मोह रूपी रावण की लात तो खाता है, पर अन्तत: गिरता पड़ता भगवान की शरण में जाता है। भगवान अंत:करण में अवतरित होकर, उतर कर, मोहादि का नाश कर देते हैं। और शान्ति रूपी सीता, जो मोह के कारण, हृदय रूपी अशोक वाटिका में बन्दी पड़ी थी, बंधन से मुक्त हो जाती है। यही असली दशहरा है।बाहर लाख रावण जलाओ, जब तक भीतर मोह की सत्ता है, जब तक भक्ति मोह वाटिका में बन्दी पड़ी है, तब तक आपके जीवन में चैन कहाँ? कि अब हमें भी इसी से सबक लेते हुये से मोह-रावण का नाश कर, ही सही मायने में भगवान राम की सच्ची आराधना होगी तभी जीवन में असली शांति और भगवान श्री राम के प्रति अपार श्रद्धा होगी ।भगवान श्री राम एक शुद्ध विचार है जो मर्यादा के पालन की प्रेरणा देता है। अत: इसमें भगवान राम अवश्य ही उसे मदद ही नहीं बल्कि आशीर्वाद देंगें जो उनका नाम प्रेम से लिया है भगवान श्री राम को कोई मामूली देवता समझना भूल होगी सम्पूर्ण विश्व का निर्माता एक मात्र ईश्वर है जिसके नाम जपने से ही प्राणी के अंदर सद्बुद्धि आती है और अन्त में मनुष्य की अंतिम यात्रा में राम नाम की गूंज से उसके आत्मा को शांति मिलती है जो भी भगवान श्री राम का सही मायने में भक्त हुआ उसे उसके प्रकाश से दुनिया की हर चीज बेकार लगने लगी और अंतत: वो इसके लिए अपना प्राण तक दे दिया और अमर हो गए जैसे गया गुरू अर्जुन देव, गुरू तेगवहादुर बंदा बहादुर गुरुगोविन्द सिंह के सारे बच्चे जो अमर हो गए और अन्य गुरु जो राम को ही अपना सबकुछ माना सब ज्योतिपुंज में समा गए अत: भगवान श्री राम की महिमा अपरम्पार है इसके नाम जपने मात्र से प्राणी हर बंधनों से मुक्त हो अमर हो जाता है भगवान राम सबसे बड़े पुत्र थे, इस अधिकार से उन्हें अध्योया की राजगद्दी सौंपी जानी थी। लेकिन माता कैकेयी के आदेश का पालन करते हुए उन्होंने राजपाट की जगह वनवास चुना। इससे मानव मात्र को यह शिक्षा लेनी चाहिए की माता-पिता की आज्ञा का पालन करना ही संतान का सबसे पहला धर्म है।

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैक, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लू? आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बड़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

-ललित गर्ग

न थल सुरक्षित न नभ, दावे परिवहन क्रांति के ?

भारत सरकार के परिवहन सम्बन्धी सभी मंत्रालय अपने अपने क्षेत्रों में उठाये गये कदमों को परिवहन क्रांति के रूप में प्रचारित करते हैं। सड़क, रेल, जलमार्ग, और हवाई यातायात आदि का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं जिसमें सरकार अपनी पीठ थपथपाने से बाज़ आती हो। कभी रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण की बातें होती हैं तो कभी जलमार्ग और हवाई यातायात नेटवर्क को बढ़ाने के लिए नई नीतियां बनाये जाने की खबरें प्रकाश में आती हैं। हवाई क्षेत्र में भारत को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के मकसद से सरकार द्वारा राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के अंतर्गत लॉजिस्टिक्स लागत को 16प्रतिशत से घटाकर 2025 तक 9त्र करने का लक्ष्य भी रखा गया है। सरकार द्वारा इन उपलब्धियों को पी आई बी इण्डिया में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। तो क्या सरकार ऐसे प्रचार की आड़ में वास्तविक चुनौतियों को छुपाने व जनसाधारण से जुड़ी अनेक समस्याओं व सुरक्षा चुनौतियों पर पर्दा डालने का काम करती है ? यदि हम सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या की ही बात करें तो यह औसतन लगभग 1.5 लाख प्रतिवर्ष है । जहाँ तक निर्माण की गुणवत्ता का प्रश्न है तो यह किसी से छुपा नहीं है। घटिया व कमजोर सड़क निर्माण को लेकर तो पूरे विश्व में गोया भारत का डंकाबजता है। सड़कों पर गड्ढे,उद्घाटन से पहले या उद्घाटन के कुछ ही समय बाद देश में कहीं सड़क टूट रही है तो कहीं बड़े बड़े पुल धराशायी हो जाते हैं। जबकि परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच अभी भी जरूरत के अनुसार नहीं है। सरकार निश्चित रूप से परिवहन क्षेत्र में प्रगति की बात करती है और इसे अपनी उपलब्धि के रूप में विज्ञापनों व मंत्रियों अथवा पार्टी नेताओं के आलेखों के माध्यम से पेश करती है, लेकिन यह पीठ थपथपाना पूरी तरह से संतुलित नहीं हो सकता। प्रगति तो हुई है, पर कई क्षेत्रों में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता है खास तौर पर सड़क यात्रियों की सुरक्षा को लेकर। सड़कों पर खुले आम घूमते आवारा पशु और गड्ढेदार सड़कें मौत को दावत देती हैं। बेशक सरकार की नीतियां और निवेश के चलते परिवहन क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है, लेकिन भ्रष्टाचार से डूबा निर्माण और इसी के परिणाम स्वरूप सड़क परिवहन में असुरक्षा जैसी चुनौती भी बनी हुई हैं। केवल सड़क मार्ग ही नहीं बल्कि रेल मार्ग परिवहन व्यवस्था में भी यात्रियों की सुरक्षा की कोई गारंटी दिखाई नहीं देती। अभी कुछ दिन पहले ही 9 जून 2025 को मुंबई के ठाणे में मुंब्रा और दीवा रेलवे स्टेशनों के बीच एक लोकल ट्रेन में अत्यधिक भीड़ होने के कारण कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटक कर यात्रा कर रहे थे। वैसे भी लोकल ट्रेन यात्रा का यह आम दृश्य है। इस दौरान, कुछ यात्रियों के पीठ पर लटके बैग दूसरी दिशा से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकराए, जिसके कारण कई यात्री ट्रेन से गिर गए। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि 4 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हुए। खबरों के अनुसार रेलवे बोर्ड ने इस हादसे के बाद मुंबई की सभी लोकल ट्रेनों में ऑटोमैटिक डोर क्लोजर सिस्टम लगाने का फैसला किया ताकि भविष्य में यात्रियों का दरवाजों पर लटकना रोका जा सके। सवाल यह है कि क्या हादसों के बाद ही सरकार को ऐसे सुरक्षा उपाय करने की चेतना जागृत होती है ? इसी तरह 22 जनवरी 2025 को महाराष्ट्र के जलगांव जिले में परधाडे गाँव के पास माहेजी रेलवे स्टेशन पर लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में ट्रेन में आग लगने की अफवाह के कारण एक दुखद हादसा हुआ। यह अफवाह इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों में दहशत मच गई, और कई यात्री चलती ट्रेन से कूद गए। दुर्भाग्यवश, उसी समय साथ के दूसरे ट्रैक से कर्नाटक एक्सप्रेस तेज गति से गुजर रही थी, जिसने पटरियों पर कूदे हुए यात्रियों को कुचल दिया। इस हादसे में 14 यात्रियों के मरने की खबर आई थी। इसी तरह 2023 में ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे में 290 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। आये दिन होने वाले ऐसे अनेक ट्रेन हादसे रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हैं। यह तो रही थलीय परिवहन की बातें। इसी तरह नभ परिवहन अर्थात हवाई यातायात के क्षेत्र में भी यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंताजनक स्थिति के दृश्य पिछले दिनों देखने को मिले। सबसे दर्दनाक हादसा 12 जून 2025 को गुजरात के

-निर्मल रानी

शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है - तेरे यहां अमीर हो या गरीब सबका बिस्तर एक है

श्मशान घाट का नाम सुनते ही आंखों के सामने खण्डहरनुमा वीरान स्थान, जलती चिता और उसकी राख की तस्वीर ही उभरती है। परंतु हमें किसी के कहे इन सुंदर वाक्य को वर्तमान परिपेक्ष में याद रखने की जरूरत है कि शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है, तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। मेरा मानना है कि यहां यह एक ऐसा स्थान है जहां सबका एक समान स्थिति का बोध होता है समाज के हर वर्ग के हर प्राणी को उसी चिता पर लिटाया जाता है। हालांकि प्रक्रिया रीति रिवाज मान्यताएं हर वर्ग की अलग अलग हो सकती है क्योंकि इस रीति रिवाज की घनिष्ठता से ही भारत अनेकता में एकता का भाव रखता है परंतु भेदभाव के भाव में महसूस होता है अभाव!! हम सब जीवन के करीब क़रीब हर स्तरपर, हर स्थिति में भेदभाव का भाव महसूस करते हैं। हर कोई अपनों को प्राथमिकता देता है बड़े नामचीन लोगों का साथ प्रतिष्ठा का एक प्रतीक माना जाता है, परंतु अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति से कोई मतलब पड़ने पर ही बात करना पसंद करता है परंतु असल में श्मशान का बिस्तर ही एक ऐसा स्थान है जहां हर रिक्शा वाले रेहड़ी पटरी वाले और मजदूर इंसान से लेकर बड़े से बड़े उद्योगपति ऑफिसर नेता व्यक्ति की देह को भी उसी बिस्तर पर ही प्रक्रिया कर अग्नि सुपुर्द या सुपुर्द ए खाक किया जाता है जो एक सबसे बड़ा समानता का प्रतीक है। चूंकि आज हम शमशान की नेक सबका बिस्तर एक पर चर्चा कर रहे हैं इसीलिए हमें श्मशान और उससे जुड़ी प्रथाओं मान्यताओं और महिलाओं के प्रवेश वर्जित की मान्यताओं पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम अंतिम संस्कार की करें तो, हिंदू धर्म में 16 संस्कारों में 16वां संस्कार अंतिम संस्कार होता है। हिंदुओं में व्यक्ति की मृत्यु के बाद दाह संस्कार की रस्में निभाई जाती हैं। मृत व्यक्ति की शव यात्रा निकालने के बाद श्मशान घाट में देह को पंचतत्व में विलीन किया जाता है। अक्सर हमने देखा होगा कि अंतिम संस्कार में केवल पुरुष ही शामिल होते हैं, जबकि महिलाओं का श्मशान घाट में जाना वर्जित होता हैं। ऐसा क्यों होता है? इसके पीछे कुछ पौराणिक मान्यताएं हैं।

साथियों बात अगर हम इंसान के बराबरी भाव की करें तो कहावत है कि ईश्वर की नजर में सब बराबर हैं, क्योंकि उसने सबको बराबर जो बनाया है। उसके लिए न कोई अमीर है, न गरीब। न कोई ऊँच, न नीच। न कोई छोटा, न बड़ा। लेकिन विडंबना यह है कि दिन-रात उससे याचना कर उसकी राह पर चलने का दावा करने वाले उसके बंदे, उसके भक्त ही सबको बराबरी की नजर से नहीं देखते, क्योंकि उनकी नजर, उनके मन, आचरण में भेदभाव होता है।

इसी कारण वे सामने वाले को अपने से छोटा या बड़ा, ऊँचा या नीचा मानते हैं। और जो ऐसा करते हैं, वे अपने पास सब कुछ होने के बाद भी एक कमी-सी, एक अभाव-सा महसूस करते हैं। वे यह समझ ही नहीं पाते कि यह अभाव अपने मन में बसी भेदभाव की भावना की वजह से है। जिस दिन वे इससे ऊपर उठ जाएँगे, उस दिन यह कमी खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। लेकिन समस्या यह है यह जानते हुए भी लोग इससे मुक्त नहीं हो पाते।

साथियों बात अगर हम मानवीय भाव में हर क्षेत्र में विभाजन की करें तो वर्तमान समय में श्मशान में भी सामाजिक विभाजन के एक भाव को आधुनिकता एवं अलग वैचारिक सामाजिक सोच के प्रभाव में आकर बदले जाने की कोशिश तेज हो गई है क्योंकि,भारत के सामाजिक ढांचे में इंसानियत का यह विभाजन जन्म के साथ शुरू होता है और मौत के बाद भी श्मशान घाट तक इंसान का पीछा करता है। भारतीय समाज अनेक जाति-धर्मों में तो बंटा रहा है, लेकिन यह बंटवारा श्मशान घाट में भी दिखाई देता है। एक राज्य में विभिन्न जातियों के लिए अलग अलग श्मशान की परंपरा रियासत काल' की विरासत है। उस राज्य में रियासत के दौर में अलग-अलग जातियों के शमशान घाट का चलन शुरू हुआ। यह आज भी जारी है। एक छोटे से शहर में लगभग 47 श्मशान घाट है जबकि जयपुर में इनकी तादाद 57 है। हर जाति का अपना अंतिम दाह-संस्कार स्थल हैं और उपजातियों ने भी अपने मोक्ष धाम बना लिए है।

साथियों बात अगर हम महिलाओं के श्मशान घाट पर वर्जित होने संबंधी मान्यताओं की करे तो, महिलाओं का मन कमजोर और कोमल होता है। श्मशान में जो दृश्य होते हैं उसको देखकर वह अपने आपको विलाप करने से नहीं रोक पाती हैं। जिससे मृत आत्मा को भी दुख होने लगता है। इस कारण से भी महिलाएं श्मशान में नहीं जाती। ऐसा माना जाता है, श्मशान घाट पर हमेशा नकारात्मक ऊर्जा फैली होती है। महिलाओं के श्मशान घाट जाने पर नकारात्मक ऊर्जा आसानी से उनके शरीर प्रवेश कर सकती है क्योंकि स्त्रियां कोमल हृदय की मानी जाती है। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा से उनके अंदर बीमारी फैलने की संभावना ज्यादा होती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, अंतिम संस्कार में परिवार के पुरुषों को मुंडन करवाना प ?ता है, जबकि महिलाओं का मुंडन करना शुभ नहीं माना जाता है, इस वजह से महिलाओं को अंतिम संस्कार में शामिल नहीं किया जाता है। मान्यता है कि अंतिम संस्कार के दौरान घर में नकारात्मक शक्तियां हावी रहती हैं, इसलिए घर को सूना नहीं छोड़ना चाहिए, श्मशान घाट से लौटने के बाद पुरुष स्नान करने के बाद घर में प्रवेश करते हैं, तब तक महिलाओं को घर पर ही रहना प ?ता है।

साथिया शवदाह संस्कार के बाद घर लौटते समय पीछे मुड़कर नहीं देनी देखने की मान्यता की करें तो, शवदाह संस्कार के बाद घर लौटते समय वापस पीछे मुड़कर देखने पर आत्मा का अपने परिवार के प्रति मोह टूट नहीं पाता है। दूसरी ओर पीछे मुड़कर देखने का मतलब यह भी होता है कि मृत व्यक्ति के प्रति हम में भी मोह बना हुआ है। इसलिए मोह से मुक्ति के लिए शवदाह संस्कार के बाद लौटते समय पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। पुराणों में बताया गया है कि मृत्यु के बाद भी कुछ लोगों की आत्मा का अपने परिवार के सदस्यों के साथ मोह बना रहता है। आत्मा के मोहग्रस्त होने पर व्यक्ति की आत्मा अपने परिजनों के आस-पास भटकती रहती है। इस स्थिति में व्यक्ति को मुक्ति नहीं मिल पाती है और उसे कष्ट भोगना पड़ता है। शव दाह संस्कार करके मृत व्यक्ति की आत्मा को यह संदेश दिया जाता है कि अब तुम्हारा जीवित लोगों से और तुम्हारे परिजनों से संबंध तोड़ने का समय आ गया है। मोह के बंधन से मुक्त होकर मुक्ति के लिए आगे बढ़ो।अंतिम संस्कार में वेद मंत्रों के साथ शव को अग्नि के हवाले कर दिया जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि अग्नि में भष्म होने के बाद शरीर जिन पंच तत्वों से बना है उन पंच तत्वों में जाकर वापस मिल जाता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के शमशान-शव दाह संस्कार, शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है-तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। सामाजिक ढांचे में इंसानियत का विभाजन जन्म के साथ शुरू होकर मौत के बाद शमशान में, समानता का भाव, सबका बिस्तर एक से महसूस होता है।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली के चलते शनिवार को अनाज मंडी में चना बाजार बढ़त पर रहे। मूंग में बाजार सुधर गये। खाद्य तेलों में व्यापार बेहद सुस्त रहा। तिलहनों में भाव बने रहे। किराना जिंसों में तरबूज मगज बाजार सुस्ती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से भावों में सुधार आया। वहीं, मूंग में भी सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार बेहद सुस्त रहा। तिलहनों में बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में तरबूज मगज बाजार सुस्ती के देखे गये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4110-4140, खोपरा गोला 245-285, खोपरा बूरा 4200-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3450-3500, (200) 4000-4050, (250) 4000-4050

तेल- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1410, राजकोट तेलिया 2205, सोया साल्वेंट 1115-1120, सोया रिफाइंड 1175-1180, कपास्या 1200, धूलिया 1205, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1360-1370, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1190,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5700-5800, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। कीमती धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 104500, चॉंदी (99) 104400, टंच 103500, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98500,

एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में 20 फीसदी तक गिरावट

नई दिल्ली। एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में करीब 20 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है, जबकि किराए में भी 8 से 15 फीसदी तक की कटौती की गई है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के एक अधिकारी के अनुसार अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे के तुरंत बाद इंटरनेशनल रूट्स पर बुकिंग में 18-22 और घरेलू फ्लाइट्स में 10-12 फीसदी तक की गिरावट आई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह रुझान फिलहाल अस्थायी और भावनात्मक प्रतिक्रिया जैसा प्रतीत होता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि समय के साथ स्थिति सामान्य हो सकती है, क्योंकि एयर इंडिया पर किसी प्रणालीगत सुरक्षा चूक का आरोप नहीं है और डीजीसीए जैसे नियामक संस्थानों ने इसकी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के पालन की पुष्टि की है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपने कामों को धैर्य और साहस से निपटाने की आवश्यकता है। आप अपने आत्मविश्वास को भी मजबूत करने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपको अपने निजी मामलों पर पूरा ध्यान देना होगा। कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से विवादित था, तो वह भी दूर होगा। आपको अपने जीवनसाथी से कोई भी बात छुपाकर कोई काम नहीं करना है, नहीं तो आप दोनों के रिश्ते में कड़वाहट उत्पन्न हो सकती है।

वृषभ- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। उनकी योजनाएं उन्हें बेहतर लाभ देंगी और वह किसी नए काम से भी जुड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मिलकर आप कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में धन लगा सकते हैं। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिल सकता है। आपको किसी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आपको अपने किसी लिए गए फैसले के लिए पछतावा हो सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोग अच्छा इन्वेस्टमेंट करने की सोच सकते हैं। आपको किसी प्रॉपर्टी संबंधित टीम को फाइनल करने का मौका मिलेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आपको कुछ अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपको दूसरों के बीच बोलने से कोई भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। आपको अपनी वाणी पर संयम रखें। यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। आपकी कोई विदेश जाने की इच्छा पूरी हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहेगा। आप अपने से ज्यादा दूसरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे, जिससे आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। आपको बिजनेस में कोई नुकसान होने की संभावना है, इसलिए आप अपनी आंख व कान खोले रखें। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आप आगे आएंगे। मित्रों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको यदि किसी काम को लेकर कोई टेंशन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके कुछ नए प्रयास रंग लाएंगे और नौकरी में भी आपको मनपसंद काम मिल सकता है। सामाजिक क्षेत्र में जुड़े लोगों को थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। माता-पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आप छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आप अपने काम को लेकर यदि किसी दूसरे पर डिपेंड रहेंगे, तो आपके वह काम लटक सकते है।

तुला- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको ससुराल पक्ष से धन लाभ मिलता दिख रहा है। आपको अपने बिजनेस को लेकर यदि कोई आइडिया आए, तो आप उसमें तुरंत आगे बढ़ें। धार्मिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी, लेकिन आपको अपने काम को लेकर कोई फैसला थोड़ा समझदारी दिखाकर लेना होगा। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपका कोई पारिवारिक मामला आपको समस्या दे सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपनी कमियों को दूर करने की आवश्यकता है, नहीं तो जीवनसाथी और आपके बीच कहासुनी हो सकती है। आपको यदि काम को लेकर कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप ऑनलाइन किसी काम को करने की सोच सकते हैं और धन को लेकर आप कोई बड़ा जोखिम लेने से बचें, नहीं तो इससे आने वाले समय में कोई समस्या आपको परेशान करेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपको यदि कोई बड़ी जिम्मेदारी मिले, तो आप उसको लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें। बिजनेस कर रहे लोगों को अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपका कुछ नए लोगों से मिलना जुलना लगा रहेगा, जो आपके व्यवसाय में चार चांद लगाएगा। यदि आपकी कोई डील अटकी हुई थी, तो वह आपको मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है, क्योंकि आप किसी समस्या को लेकर लापरवाही दिखा सकते हैं, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा और आप गरीबों की सेवा में भी धन लगाएंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए कारोबार के मामले में थोड़ा सावधान रहने के लिए रहेगा। आप पार्टनर्स के साथ पूरी लिखा पढ़ी करके कामों को करें और रचनात्मक कार्यों में आपकी खूब रुचि रहेगी। परिजनों की आपको याद सता सकती है। नौकरी की लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई बेहतरीन अवसर हाथ लग सकता है। आपको अपनी आय को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आज आप अपने परिवार में बड़े बुजुर्गों की सेहत पर पूरा ध्यान देंगे और आपकी यदि कोई रुकी हुई योजना थी, तो वह दोबारा से शुरू हो सकती हैं। आपको अपनी भावनाओं को काबू में रखना होगा। आप जल्दबाजी में कोई निर्णय ले सकते हैं। किसी काम को लेकर आप जिद न करें। संतान से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

शब्दजाल - 7937

शब्दजाल में 'रा' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	र	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख्र	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्या	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	व	जी	इू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

राजतंत्र, राजनीति, राजधानी, राजमहल, रामचंद्र, राक्षस, राहगीर, राज्यपाल, रावण, राशन

शब्दजाल - 7936 का हल

[illegible]

प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6881

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४

४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३

६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४

७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४

९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३

११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२

१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२

१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२

१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२

१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२

२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३

२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३

२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२

२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३

३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२

२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३

३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२

४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३

५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३

६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२

७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३

८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२

१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२

१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३

१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३

१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२

१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२

१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४

२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३

२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२

२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२

३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6880

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	रा		शि	का	र		सी	ता	

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8405

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आयुर्वेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला (अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अर्चभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरूर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8404 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2025 वर्ष का 173 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 01.23 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 17.39 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 16.57 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 14.57 बजे तदनन्तर तैतिल 01.23 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872383 **जूलियन दिन** 2460848.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 25 **विशेष** गौण योगिनी एकादशी, वैष्णव योगिनी एकादशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.04 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	09.20 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.32 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.58 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	18.14 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.19 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.05 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.38 बजे से
		मेष	01.08 बजे से
		वृष	02.49 बजे से
		मिथुन	04.47 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: संत की सीख

किसी गांव में एक संत रहते थे। गांव के लोग उनके पास आते और अपनी समस्याओं का समाधान पाते। एक दिन एक व्यक्ति ने संत से पूछा, 'यह कैसे हो सकता है कि जब लोग प्रभु ईसा को सूली पर तरह-तरह के कष्ट दे रहे थे तो वह अपने दुःख का अनुभव न कर उन आततायियों के कल्याण की प्रार्थना करते रहे। जब मंसूर के हाथ-पांव काट दिए गए, तब उन्होंने सारे कष्टों को हंसते-हंसते सहा। इस पर तो सहसा विश्वास नहीं होता।' संत ने उस व्यक्ति की बात ध्यान से सुनी और उसे एक कच्चा नारियल देते हुए कहा, 'जाओ इसे फोड़कर इसकी साबुत गिरी लाओ।' वह गया और उसने नारियल तोड़ा लेकिन वह गिरी साबुत न निकाल सका। वह नारियल लेकर संत के पास वापस पहुंचा और बोला कि नारियल की साबुत गिरी निकल ही नहीं सकती। संत ने अब उसे एक सूखा नारियल दिया और उसे फोड़कर देखने के लिए कहा। वह व्यक्ति गया और जैसे ही उसने नारियल फोड़ा, उसमें से साबुत गिरी निकल कर अपने आप बाहर निकल आई। वह आदमी दौड़ता हुआ संत के पास आकर बोला कि साबुत गिरी तो बाहर निकल आई। संत ने कहा, 'यही तुम्हारी शंका का समाधान है। सामान्य आदमी कच्चे नारियल की तरह होता है। आसक्ति के कारण उसमें शरीर के प्रति अपनत्व का भाव रहता है। इस कारण वह शरीर के सुख व दुःख को अनुभव करता है। ईसा और मंसूर जैसी हस्तियां सूखे नारियल की तरह होती हैं जिनमें आसक्ति का रस नहीं बचा रहता। इस कारण शरीर को कष्ट देने पर भी उन्हें पीड़ा नहीं सताती। अपने आप में मस्त रहकर वे सबके कल्याण की बात सोचते है।' संत की बात सुनकर उस व्यक्ति को ज्ञात हो गया कि आसक्ति के रहते आदमी परिपक्व नहीं हो पाता। शरीर और अहंकार के बंधन से परे होकर वह सुख और दुःख के द्वंद्व से पार हो जाता है।

सूडोकु नवताल- 7190 (सरल)

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- प्रत्येक का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7189 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

लगातार दूसरे सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही

मुंबई। बीते सप्ताह जियोपोलीटिकल टेंशन, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। हालांकि शेयर बाजार में सप्ताह भर उथल पुथल भरा कारोबार देखने को मिला। 20 जून को खत्म हुए हफ्ते में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में 1.5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 288.79 अंक चढ़कर 81,407.39 पर खुला और 677.55 अंक चढ़कर 81,796.15 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 पर खुला और 227.90 अंक चढ़कर 24,946.50 पर बंद हुआ। मंगलवार को लाल निशान पर खुला बाजार हरे निशान पर भी आया, लेकिन यह हरियाली ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 पर खुला और 212.85 अंक गिरकर 81,583.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 369.14 अंक गिरकर 81,427.01 अंक पर आ गया था। निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 93.10 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 24,853.40 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बाद में उछला और 93.05 अंक बढ़कर 81,676.35 पर खुला और 346.29 अंक गिरकर 81,237.01 के निचले स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 42.80 अंक बढ़कर 24,896.20 पर खुला और 41.35 अंक गिरकर 24,812.05 अंक पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.62 अंक गिरकर 81191.04 पर खुला और 82.79 अंक गिरकर 81,361.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 392.9 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 81,583.94 अंक के उच्चतम और 81,191.04 अंक के न्यूनतम स्तर को छुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.95 अंक गिरकर 24738.10 पर खुला और एनएसई निफ्टी 18.80 अंक गिरकर 24,793.25 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 289.43 अंक चढ़कर 81,651.30 पर खुला और 1046.30 अंक उछलकर 82,408.17 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 88.25 अंक चढ़कर 24,881.50 पर खुला और 319.15 अंक बढ़कर 25,112.40 अंक पर बंद हुआ।

इस वर्ष मई में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए कम हुई महंगाई

नई दिल्ली। कृषि श्रमिकों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण श्रमिकों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति दर सालाना आधार पर इस साल मई में घटकर क्रमश: 2.84 प्रतिशत और 2.97 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह क्रमश: 7 प्रतिशत और 7.02 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार उजागर की गई है। मासिक आधार पर भी मुद्रास्फीति दर में कमी दर्ज की गई है। इससे पहले अप्रैल में सीपीआई-एएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.48 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.53 प्रतिशत थी। पिछले सात महीनों में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह उन कमजोर वर्गों के लिए राहत की बात है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके पास अधिक पैसे बचते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर होती है। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति में गिरावट देश की समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में पिछले वर्ष मई की तुलना में इस वर्ष मई में 2.82 प्रतिशत की गिरावट की पृष्ठभूमि में आई है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह फरवरी 2019 के बाद से खुदरा मुद्रास्फीति का सबसे निचला स्तर है।

तेल की कीमतों में तीन साल की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई

नई दिल्ली। ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को झकझोर दिया है। बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में एक ही दिन में बीते तीन वर्षों की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई। तेल की कीमतों में उछाल ने भारत समेत कई तेल आयातक देशों के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस संघर्ष का वैश्विक आपूर्ति पर भी असर पड़ा है और भारत भी प्रभावित हो सकता है। अगर ईरान पर इजराइल और अमेरिका का दबाव बढ़ता है तो वह तेल की आपूर्ति रोक सकता है। खाड़ी क्षेत्र के अन्य उत्पादक देशों की तेल साइट्स भी ईरानी मिसाइलों की रेंज में हैं। इससे सप्लाई ठप हो सकती है और कीमतों में अप्रत्याशित तेजी आ सकती है, जिसका असर भारत पर भी होगा। ईरान वैश्विक क्रूड ऑयल आपूर्ति में लगभग 2 फीसदी का योगदान देता है। खरग द्वीप के ज़रिए ईरान का 90 फीसदी तेल निर्यात होता है लेकिन हालिया सैटेलाइट इमेज से शिपमेंट में गिरावट सामने आई है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य ङ्क जहां से 20 फीसदी वैश्विक तेल आता-जाता है, अभी चालू है लेकिन खतरा मंडरा रहा है। तेल संकट की स्थिति में दुनिया की उम्मीदें सऊदी अरब और यूएई पर टिकी होंगी। दोनों मिलकर 30-40 लाख बैरल अतिरिक्त उत्पादन कर सकते हैं। सऊदी अरब पहले ही 12.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन कर रहा है और इसके पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 85-88 फीसदी आयात करता है, मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, रूस और यूएई से। यदि होर्मुज मार्ग बाधित होता है तो न केवल आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि चालू खाता घाटा और महंगाई में भी इजाफा हो सकता है। अगर हालात युद्ध में बदलते हैं तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है, जो दुनिया की एक-तिहाई तेल और 20 फीसदी नेचुरल गैस का रूट है। इससे कच्चे तेल की कीमत में 20 फीसदी तक उछाल आ सकता है। भारत के कुल तेल आयात का लगभग 45-50 फीसदी इसी रास्ते से आता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर वन अर्थ, वन हेल्थ थीम के साथ उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में हुआ योगाभ्यास

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में योगाभ्यास का आयोजन संपन्न हुआ। इस वर्ष की थीम वन अर्थ, वन हेल्थ (एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य) रही, जिसमें शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय संतुलन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नगर के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति भी रही। जिसमें प्रमुख रूप से एसडीएम कमलचंद्र सिहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, थाना प्रभारी विवेंद्रु व्यंकट टांटिया, आयुष विभाग से डॉ. प्रीतेश मते, डॉ. रोहित ठाकुर सहित लांजी क्षेत्र के समस्त औषधालयों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। योगाभ्यास का नेतृत्व भानुप्रताप खांडे द्वारा किया गया, जिनकी योग शैली, मार्गदर्शन और अनुशासन ने सभी को प्रभावित किया। प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भ्रामरी, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। भानुप्रताप खांडे की कुशलता से प्रतीत होता है कि वे एक योग्य योगाचार्य हैं, जिन्होंने योग को सरल व प्रभावी तरीके से समझाया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रामगोपाल नागपुरे ने आयोजन के संचालन और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने योग के महत्व को विद्यालयीन जीवन में नियमित रूप से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, योग केवल कसरत नहीं, यह आत्ममंथन, संयम, आत्म-शक्ति और ध्यान का मार्ग है। शास्त्रों में जिन महान योगियों का वर्णन है, वे योग के माध्यम से ही साधना की ऊंचाइयों तक पहुँचे। छात्र जीवन में योग आत्मविकास का सशक्त साधन है। युवराज बुराण्डे ने भी विद्यार्थियों को योग के शारीरिक और मानसिक लाभ गिनाते हुए कहा कि योग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आत्मविश्वास, स्मरणशक्ति और एकाग्रता भी बढ़ती है, जो छात्र जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। एसडीएम कमलचंद्र सिहसार ने अपने उद्बोधन में कहा, 卐समय की कमी हमेशा बहाना बनी रहती है, लेकिन हमें प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालना ही चाहिए। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। नायब तहसीलदार श्री संजय बारस्कर ने कहा, आज का युग भागदौड़ का है, लेकिन जो योग करता है, वही लंबे समय तक इस दौड़ में टिकता है। योग हमें स्फूर्ति, अनुशासन और आत्मसंतुलन सिखाता है। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्टाफ उपस्थित रहे और पूर्ण मनोयोग से योगाभ्यास में सहभागिता की। आयोजन ने यह सिद्ध किया कि जब शिक्षा और स्वास्थ्य का संगम होता है, तो समाज और देश दोनों का भविष्य उज्जवल होता है। इस आयोजन ने न केवल योग की उपयोगिता को रेखांकित किया, बल्कि 'एक पृथ्वी ङ्क एक स्वास्थ्य' के मूल मंत्र को भी जनमानस तक पहुँचाया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुलापुर में हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति, लांजी के तत्वावधान में शासकीय माध्यमिक शाला दुलापुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री प्रीतम शाह ने की। कार्यक्रम में श्री शाह ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा का अधिकार, शिक्षा का महत्व, किशोर न्याय अधिनियम, गुड टच-बैड टच, अपराध की श्रेणियां, और पीड़ित प्रतिकर

योजना के बारे में विस्तार से बताया। वहीं, पैनल लॉयर ने छात्रों को सायबर अपराध, मोबाइल के दुरुपयोग, विधिक सेवा प्राधिकरण, शासकीय योजनाएं, बाल अपराध से सावधानी, और विधिक सहायता के संबंध में जागरूक किया। कार्यक्रम में पीएलवी धीरज वाहने, श्रीमती बिंदेश्वरी मुरकुटे, प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, ग्राम पंचायत सरपंच, ग्रामीणजन, और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में न्यायाधीश महोदय ने पंच ज अभियान के तहत शाला परिसर में पौधरोपण किया और सभी से वृक्षारोपण का आह्वान किया।

निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में संचालित निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी में 21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन समस्त छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों ने योग करके किया। संस्था के डायरेक्टर प्रणय कुमार ने बताया कि पहला सुख निरोगी काया को आत्मसात करते हुए संस्था के लगभग 80 छात्रों ने योग दिवस पर विभिन्न आसान , प्राणायाम और शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लिया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रि. सैनिक राजेंद्र रामटेककर एवं शारीरिक प्रशिक्षु रि.सैनिक गणेश मोरघड़े ने सभी छात्रों एवं शिक्षकों, कार्यलयीन स्टॉफ को विभिन्न आसान, प्राणायाम, और व्यायाम करवाकर कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जिसमें शारीरिक व्यायाम, श्वास नियंत्रण और ध्यान शामिल है। इसका उद्देश्य मन और शरीर को एक साथ जोडऩा है, जिससे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सुधार हो। योग शब्द संस्कृत भाषा से आया है, जिसका अर्थ है जुडऩा या एकजुट होनायोग के मुख्य पहलू आसन शारीरिक मुद्राएँ जो शरीर को मजबूत, लचीला और संतुलित बनाती हैं। प्राणायाम-श्वास नियंत्रण तकनीक जो शरीर और मन को शांत करती है। ध्यान-मन को एकाग्र करने और मानसिक स्पष्टता प्राप्त करने की प्रक्रिया। यम और नियम-नैतिक सिद्धांतों का पालन करना जो योग अभ्यास

का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। योग के लाभ-शारीरिक स्वास्थ्य-लचीलापन, शक्ति, संतुलन, और मुद्रा में सुधार. मानसिक स्वास्थ्य- तनाव, चिंता, और अवसाद को कम करना, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देना। आध्यात्मिक स्वास्थ्य- आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण और आंतरिक शांति में वृद्धि। योग एक जीवनशैली है जो समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देती है। यह न केवल एक शारीरिक व्यायाम है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को एक साथ लाने का एक तरीका है। योग के विषय में यह सभी जानकारी देकर बारी बारी से योग क्रियाऐं की गई। अंत में सभी को योग दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

लांजी में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत तीन लोग गंभीर रूप से घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी के सालेटेकरी मार्ग पर बीएसएनएल कार्यालय के सामने 21 जून को दोपहर 12:30 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भीषण टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया, और स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, मोहझरी निवासी कृष्णा रावते पिता हासीचंद रावते, जो कि भानेगांव में बेकरी की दुकान संचालित करते हैं, अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमवी 3272 से केक डिलीवरी के लिए घोटी नंदोरा जा रहे थे। उसी समय, दूसरी दिशा से खांडाफरी निवासी अनाराम मरकाम अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमजी 7794 पर अपने साथी अशोक गुरदे के साथ सर्रा से वापस लौट रहे थे। दोनों मोटरसाइकिलें सालेटेकरी मार्ग पर बीएसएनएल कार्यालय के पास पहुंचीं, तभी अचानक उनकी जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों मोटरसाइकिलों पर सवार तीनों लोग—कृष्णा रावते, अनाराम मरकाम और अशोक गुरदे—गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, और घायल सड़क पर गिर पड़े। घटना की

सूचना तुरंत राहगीरों ने स्थानीय पुलिस को दी।

पुलिस और राहगीरों की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही लांजी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी ले जाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, और उनका उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है।

स्थानीय लोगों में आक्रोश, सड़क सुरक्षा पर सवाल

इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सालेटेकरी मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कुछ लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर गति नियंत्रण के लिए स्पीड ब्रेकर या अन्य उपाय किए जाएं।

पुलिस ने की जांच शुरू

लांजी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिलों को कब्जे में ले लिया है और हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और सड़क पर ध्यान न देने को हादसे का कारण माना जा रहा है।

विश्व योग दिवस पर सिविल अस्पताल में विधायक राजकुमार कर्राहे की उपस्थिति में किया गया योगाभ्यास

लांजी (पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर सभी वर्गों के लोग बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग करते हैं। इसी उपलक्ष्य में लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे की उपस्थिति में सिविल अस्पताल लांजी के सभागार में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया।सुबह 6 बजे भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। इसके बाद प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सभी ने सुना। योग प्रशिक्षक दीपांकर भार्गव ने विभिन्न योग आसनों का अभ्यास कराया।विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि योग हर आयु वर्ग के लिए आवश्यक है। स्वस्थ शरीर सबसे बड़ी संपत्ति है, और प्रतिदिन कम से कम एक घंटा योग करने से निरोगी रहा जा सकता है। उन्होंने बताया कि योग की उत्पत्ति भारत में हुई और अब इसे विश्व स्तर पर अपनाया जा रहा है। प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में योग करने से

लंबे समय तक स्वास्थ्य और स्फूर्ति बनी रहती है।कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय उपराडे, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने, मंडल अध्यक्ष अलोक चौरसिया, देवेश एड़े, कैलाश गोस्वामी, युगेश रामटेककर, लीलाधर डोलस, शरद आसटकर, नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, पार्षद किशोर रामटेककर, दिनेश कचवाहे, विजय गोस्वामी, श्रीमती शिखा कैलाश गोस्वामी, डॉ. प्रशांत पाटिल, डॉ. सृष्टि गुप्ता, डॉ. मीना वाहने, डॉ. विद्या उइके, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ, कार्यालय कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, सफाई मित्र, सुरक्षा गार्ड और आमजन शामिल हुए। सभी ने योग कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम के अंत में विधायक और गणमान्य व्यक्तियों ने अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण में योगदान दिया।

प्राथमिक शाला दहेगांव में स्कूल जाने से क्यों डर रहे हैं बच्चे

कलेक्टर मामले की जांच कराए - किशोर समरीते

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दहेगांव की प्राथमिक शाला में बच्चों के बीच स्कूल जाने को लेकर भय का माहौल व्याप्त है। इस गंभीर स्थिति ने स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों को चिंतित कर दिया है। अभिभावकों ने इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी, बालाघाट को एक लिखित शिकायत सौंपी है, जिसमें 50 से अधिक महिला और पुरुषों के हस्ताक्षर शामिल हैं। शिकायत में स्कूल में ऐसी परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है, जिसके कारण बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कक्षा पांचवीं की कुछ छात्राओं ने स्कूल में डर के माहौल के कारण गांव छोड़कर अन्यत्र चले जाने को मजबूर होना पड़ा है। यह स्थिति न केवल शिक्षा के अधिकार को प्रभावित कर रही है,

बल्कि भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित स्कूल चलो अभियान जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों पर भी सवालिया निशान लगा रही है। इस अभियान के तहत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन दहेगांव जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं शिक्षा के प्रति उदासीनता और भय को दर्शाती हैं। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक किशोर समरीते ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर, बालाघाट से तत्काल जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और स्कूल में व्याप्त इस डर के कारणों का पता लगाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

साकेत विद्यालय में एनसीसी कैडेट्स ने किया योगाभ्यास

लांजी (पद्मेश न्यूज)। स्थानीय साकेत पब्लिक स्कूल लांजी में शासन की मंशानुरूप 21 जून को ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर छः मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टीनेंट कर्नल वी के गुप्ता के मार्गदर्शन में एनसीसी ट्रूप द्वारा योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे संस्था के संचालक संतोष मोरघड़े के द्वारा योग, प्रणायाम, योगासन, पद्मासन, भुजंगासन, भद्रासन, वृक्षासन , शशांकासन, पवनमुक्तासन, ताड़ासन, व्रजासन, सर्वांगासन एवं सूर्यनामस्कर का योगाभ्यास करवाया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड़े ने कहा कि योग प्राचीन भारतीय परम्परा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग अभ्यास शरीर एवं मन विचार एवं कर्म आत्मसंयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है तथा यह स्वास्थ्य एवं कल्याण का पूर्णतावादी दृष्टिकोण है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अन्दर जागरुकता उत्पन्न करता है तथा प्राकृतिक परिवर्तनों से शरीर में होने वाले बदलावों को सहन करने में सहायक हो सकता है। साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बड़ता है जिसे शरीर स्वस्थ रहता हैं आप ने कहा की योग ने महामारी से भी मानव जीवन को बचाया हैं। इसलिए प्रत्येक दिवस योग करना चाहिए। योगाभ्यास कार्यक्रम में 58 लोगो ने प्रतिभागिता दर्ज करवाई जिसमे विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स, एक्स आर्मी सर्विस मैन जनमानस एवं विद्यालय के शिक्षक धर्मेंद्र दुरुगकर तथा एनसीसी अधिकारी संदीप कुमार रामटेककर उपस्थित थे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र भाजपा अध्यक्ष के लिए दमदार नेताओं की कतार

राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान के कुछ दिन पहले मिलेगा नया प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल। मप्र में भाजपा के नए अध्यक्ष के ऐलान का मुहूर्त 5 महीने बीत जाने के बाद भी नहीं बन पाया है। प्रदेश में भाजपा अध्यक्ष पद के लिए पार्टी के पास दमदार दावेदारों की कतार है। फिर क्या वजह है कि पार्टी में अध्यक्ष का चयन नहीं हो पा रहा है। जानकारी के मुताबिक जुलाई में राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान के पहले जिन राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होनी है, कतार में खड़े उन राज्यों में मप्र भी है। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रभारी बनाए गए केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का एक भी दौरा मप्र का अब तक नहीं हो पाया है।

उधर पार्टी संगठन में जिम्मेदारी मिलने की आस लगाए नेताओं का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब विपक्षी दल कांग्रेस भी मुद्दा उठा रही है कि क्या पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष के लिए इतने पहलवान हो गए हैं कि एक नाम पर मुहर लगाना मुश्किल हो रहा है।

अध्यक्ष मिलने में सबसे बड़ी देरी

मप्र भाजपा में पिछले 45 साल में कुल 13 प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। शुरुआत 1980 में सुंदरलाल पटवा से हुई। वे पहले प्रदेश अध्यक्ष थे। इनके बाद वीडी शर्मा तक इस पद पर 13 प्रदेश अध्यक्ष रहे, बल्कि कई बार तो प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के पहले अचानक बदले गए, लेकिन इतनी देरी 45 साल में पहली बार है। मप्र में जो स्थिति है, पार्टी अध्यक्ष को लेकर कमोबेश वही स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर भी है। कहा ये जा रहा है कि जुलाई तक राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। उसके पहले प्रदेश स्तर पर अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएगी। पार्टी के नेता व पूर्व विधायक पुष्पेन्द्र नाथ पाठक कहते हैं, पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव समय से ही होना था, लेकिन एक के बाद एक जिस तरह से घटनाक्रम होते गए। इसकी वजह से चुनाव टलता गया। पाठक कहते हैं बाकी हमारी पार्टी परिवारवाद पर तो चलती नहीं है। पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष पद का दावेदार है। अब वो चाहे किसी जिले में काम कर रहा हो या फिर वो पूर्व मंत्री हो। भाजपा का यही सबसे मजबूत लोकतंत्र है। जिसमें पार्टी के सर्वोच्च पद तक

पहुंचने की अर्हता केवल एक है कि कार्यकर्ता समर्पित भावना के साथ पार्टी के लिए काम करता हो।

वीडी शर्मा को दो बार एक्टेंशन मिले

वीडी शर्मा पार्टी के पहले अध्यक्ष हैं। जिन्हें एक बार नहीं दो बार एक्सटेंशन मिल चुका है। मप्र में जिलाध्यक्षों का चुनाव जनवरी में ही पूरा हो चुका था। पार्टी संगठन चुनाव की जो प्रक्रिया है, उसके मुताबिक ये माना जा रहा था कि साल की शुरुआत में ही प्रदेश अध्यक्ष के नाम का एलान हो जाएगा, लेकिन मामला लंबित होता गया। वीडी शर्मा का कार्यकाल पहले विधानसभा चुनाव के समय ही पूरा हो गया था। लेकिन उस समय लोकसभा चुनाव होने की वजह से वे इस जिम्मेदारी निरंतर संभाले रहे। हालांकि पार्टी ने उनके नेतृत्व में परफार्म भी किया। विधानसभा में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद लोकसभा चुनाव में भी पार्टी ने 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की।

45 साल में बदले गए 13 प्रदेश अध्यक्ष

1980 में सुंदर लाल पटवा मप्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने। उन्होंने दो कार्यकाल में ये जिममेदारी संभाली। उनके बाद कैलाश जोशी ऐसे नेता थे, जो पटवाजी की तरह दो बार प्रदेश अध्यक्ष के पद पर रहे। पहले टर्म में 1983 से 1985 तक उसके बाद दूसरी बार में 2003 से 2005 तक। कैलाश जोशी के बाद 1985 में शिवप्रसाद चिनपुरिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वे दो साल रहे। फिर उनके बाद दोबारा से सुंदर लाल पटवा और फिर लख्रीराम अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई। फिर लक्ष्मीनारायण पाण्डे विक्रम वर्मा और उनके बाद कैलाश जोशी को दूसरा कार्यकाल मिला। जोशी के बाद 2005 से 2006 तक शिवराज सिंह चौहान ने भी प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाला। इनके बाद बहुत थोड़े समय के लिए सत्यनारायण जटिया को भी पार्टी ने प्रदेश की कमान सौंपी। मुख्यमंत्री बनने से पहले तक शिवराज इस पद पर रहे, फिर उनके बाद नरेन्द्र सिंह तोमर मप्र में 2006 में प्रदेश अध्यक्ष बनें। 2010 में प्रभात झा नए प्रदेश अध्यक्ष चुने गए, लेकिन चुनाव नजदीक आते ही 2012 में पार्टी ने प्रभात झा को हटाकर दोबारा नरेन्द्र सिंह तोमर को प्रदेश में पार्टी की कमान सौंप दी। 2014 में केन्द्रीय मंत्री के रुप में प्रमोट हो जाने के बाद नरेन्द्र सिंह तोमर की जगह नंदकुमार सिंह चौहान को दी गई। वे 2018 तक प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे। 2018 में राकेश सिंह प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष बनाए गए। उन्होंने 2020 तक जिम्मा संभाला। उसके बाद 2020 से वीडी शर्मा का कार्यकाल जो शुरु हुआ वो बढ़ता ही जा रहा है।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा मेंइस बार सबसेज्यादा अभ्यर्थी

- लिखित परीक्षा केलिए अभ्यर्थियोंको ईमेल परभेजेप्रवेश पत्र

भोपाल। भारतीय सेना मेंअग्निवीर भर्ती केलिए 30 जून से 10 जुलाई केबीच होनेवाली ऑनलाइन लिखित परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार ग्वालियर केतीन और सागर केदो परीक्षा केंद्रों पर कुल 32,708 अभ्यर्थी परीक्षा मेंशामिल होंगे। यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है, क्योंकि पिछले वर्षोंकी तुलना मेंइस बार रिकॉर्ड संख्या मेंअभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। सेना ने परीक्षा को सफल और निष्पक्ष तरीकेसे आयोजित करने केलिए पुख्ता सुरक्षा और अभ्यर्थियों की सहूलियत केव्यापक इंतजाम किए हैं। परीक्षा मेंशामिल होनेवाले अभ्यर्थियों को सेना द्वारा ई-मेल केमाध्यम सेप्रवेश पत्र भेजे जा रहे हैं। साथ ही, सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर भी प्रवेश पत्र डाउनलोड की सुविधा उपलब्ध है। सेना अधिकारियों केअनुसार, अभ्यर्थी समय रहते अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लेंऔर परीक्षा केंद्र पर तय समय से पहले पहुंचें।

ग्वालियर-सागर केपांच परीक्षा केंद्रोंपरपरीक्षा

इस बार ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, श्योपुर, मुरैना, भिंड, निवाड़ी, टीकमगढ़, सागर और छतरपुर जिलों के32,708 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा देंगे। पिछले वर्षयह संख्या लगभग 24,000 थी, जबकि 2023 मेंकेवल 21,000 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। बढ़ती संख्या को देखते हुए इस बार सागर में भी दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पिछले वर्ष केवल ग्वालियर मेंपरीक्षा हुई थी और शारीरिक परीक्षा सागर में आयोजित की गई थी।

सुरक्षा औरसुविधाओंकेकड़ेइंतजाम

अभ्यर्थियों की अधिक संख्या को ध्यान मेंरखते हुए सेना ने सुरक्षा केकड़ेइंतजाम किए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सेना केजवान तैनात रहेंगे, जबकि स्थानीय पुलिस को भी सहयोग केलिए सूचित किया गया है। साथ ही गर्मी को देखते हुए पानी और छाया की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय प्रशासन सेइस बाबत समन्वय किया गया है। कर्नल पंकज कुमार (निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय, ग्वालियर) ने बताया कि परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और अभ्यर्थियों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। सभी तैयारियां पूरी हैं।

मोहन सरकार ने तैयार किया ब्लू प्रिंट

भोपाल। मप्र सरकार गौशालाओं को प्राकृतिक खेती से जोडने् के दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में सरकार गौशालाओं से जोडक़र प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों का पंजीयन करेगी और ऐसी फसलों को बढ़े हुए दामों पर खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ऐलान किया कि अभी गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा जाता है, लेकिन यदि प्राकृतिक गेहूं है तो उसका 4 हजार से 5 रुपए रुपए क्विंटल का दाम किसानों को मिलेगा।

सरकार की कोशिश है कि लोग घरों में गौपाल करें। जिनके घरों में गौशालाएं हैं और इसके साथ वे प्राकृतिक खेती करते हैं। गाय के गौबर-गौ मूत्र से खाद्य, दवाई बनाए और प्राकृतिक खेती में उसका उपयोग करते हैं। ऐसी प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की प्राकृतिक फसल खरीदने के लिए उनका पंजीयन करते हुए उसकी आय बढ़ाई जाएगी। अभी किसान गेहूं बेचते हैं, 2600 रुपए प्रति क्विंटल, लेकिन यदि प्राकृतिक गेहूं है, तो उसका 4 से 5 हजार रुपए क्विंटल रुपए का दाम मिलेगा। सभी किसानों की आय बढ़ाने के लिए गेहूं की फसल ही नहीं, बल्कि सब्जी बेचते हैं, तो प्राकृतिक फसलों को प्रोत्साहन देने के लिए नया रास्ता खोलने का प्रयास सरकार करेगी।

10 लाख रुपए तक मिलेगा अनुदान

आजकल हाईटेक गौशाला हो गई है। गौशाला में सिर्फ दुग्ध उत्पादन पर्याप्त नहीं है। इसके साथ सीएनजी गैस, प्राकृतिक खाद्य और कई तरह की दवाएं बना सकते हैं। राज्य सरकार ने तय किया है कि 25 से ज्यादा गाय को एक यूनिट मानकर 40 लाख रुपए पर 25 फीसदी का अनुदान दिया जाएगा। यानी 10 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा। इसी तरह यदि कोई 5 हजार क्षमता की गौशाला खोलना चाहता है, तो ऐसी गौशालाओं के लिए 150 एकड़ भूमि दी जाएगी। साथ ही 30 रुपए के स्थान पर 40 रुपए प्रति गाय की राशि दी जाएगी।

हर ब्लॉक में बनेंगा एक वृंदावन गांव

गौशालों का प्रयोग बदला है। गौशला बनाने की दिशा में बड़ा काम हुआ है। ग्वालियर में तो सबसे ज्यादा संचालित हो रही हैं। अब सरकार ने तय किया है कि हर जिले के एक-एक ब्लॉक में एक आदर्श वृंदावन गांव भी बनाया जाएगा। गांव के अंदर समूची संस्कृति में गौमाता को जो महत्व है, उसे फिर से स्थापित करते हुए गांव के अंदर आत्मियता का वातावरण को पैदा किया जाए, यह सरकार की कोशिश है।

नर्सिंग कॉलेजों का होगा फिजिकल सत्यापन

सीबीआई जांच में फेल सहित अपात्र कॉलेज रडार पर

भोपाल। मप्र सरकार ने नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने सभी जिला दंडाधिकारियों को पत्र लिखकर शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए आवेदन करने वाली नई नर्सिंग संस्थाओं, सीबीआई व उच्च न्यायालय द्वारा डिफिशिएंट (कमी वाली) व अन सूटेबल (अनुपयुक्त) पाई गई संस्थाओं, और सीबीआई जांच से बची हुई संस्थाओं का फिजिकल सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। यह निरीक्षण 30 जून 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा।

विभाग ने पत्र में बताया है कि पूर्व में कई निरीक्षणों के दौरान नर्सिंग कॉलेजों द्वारा फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, कई कॉलेज दूरस्थ इलाकों में स्थापित पाए गए हैं, जिससे निरीक्षण दलों को उन्हें ढूंढने और वहां तक पहुंचने में कठिनाई होती है। न्यायालय द्वारा भी इस संबंध में समय-समय पर निर्देश दिए गए हैं, जिसके मद्देनजर इन निरीक्षणों को समय-सीमा में पूरा करना अनिवार्य है।

निरीक्षण के लिए गठित होंगी संयुक्त टीमें

इस बार निरीक्षण की प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय और न्यायसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सक, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी और राजस्व विभाग से एसडीएम/तहसीलदार की संयुक्त निरीक्षण समिति गठित की जाए। यह टीम तय प्रारूप के अनुसार हर एक संस्थान का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करेगी।

विधानसभा सचिवालय पर भारी जल संसाधन विभाग!

प्राक्कलन समिति की मांग पर भी नहीं भेजी 19 बिंदुओं पर रिपोर्ट

भोपाल। विधानसभा सचिवालय पर जल संसाधन विभाग भारी पड़ता नजर आ रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्राक्कलन समिति की मांग पर भी अधिकारियों ने 19 बिंदुओं पर रिपोर्ट नहीं भेजी गई समिति ने मध्य प्रदेश में चल रही योजनाओं के खर्च और लेतलतीफी को लेकर विभाग से जानकारी मांगी थी। अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के मामले को लेकर भी समिति ने जवाब मांगा था। जल संसाधन विभाग के ईएनसी ने 3 दिन की भीतर रिपोर्ट सचिवालय को भेजने के आदेश दिए हैं। 142 योजनाओं में लेट लतीफी को लेकर समिति ने जल संसाधन विभाग से जवाब मांगा था।

जल संसाधन विभाग में अधिकारी, कर्मचारी, तकनीकी कर्मचारी के कितने पद स्वीकृत, कितने रिक्त और कितने भरे हुए हैं? जल संसाधन विभाग के एचओडी तथा अधीनस्थ कार्यालय में रिक्त पदों की भर्ती के लिए विभाग क्या कार्यवाही कर रहा है? विभाग के प्रदेश में कहां-कहां कार्यालय भवन नहीं हैं। कहां-कहां पर विभाग के भवन कार्यालय में चल रहे हैं, भवन विहीन कार्यालयों को नए भवन के लिए क्या प्लानिंग है। प्रदेश में किन जिलों में कौन से वृहद कार्य चल रहे हैं, जिले के आधार पर जानकारी दी जाए। जल संसाधन विभाग द्वारा कौन कौन सी मुख्य परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। जल संरक्षण के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं। विभाग और किसानों के बीच समन्वय को लेकर क्या प्रयास किए जा रहे हैं? त्वरित सिंचाई कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा किन क्षेत्रों में सिंचाई परियोजना का चयन किया जाता है। विज्ञान परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत कब हुई और वित्तीय सहायता कहां से दी जाती है, परियोजना कब तक चलेगी। डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर और स्वचालित मौसम विज्ञान प्रणाली के अंतर्गत प्रदेश में कितने वर्षामापी, जल स्तर रिकार्डर और मौसम विज्ञान रिकॉर्डर स्थापित हैं?

वर्ष 2022 से 2025 के बीच वृहद और मध्यम परियोजना तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी के अंतर्गत कितने और किन परियोजनाओं को पूरा किया है और कितनी निर्माणाधीन हैं। नाबार्ड ऋण सहायता से चल रही परियोजनाओं के लिए दो चरण में कितना लोन मंजूर किया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत नाबार्ड से कितनी वित्तीय सहायता वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में मिली है। वृहद सिंचाई परियोजना में छिंदवाड़ा कॉम्पलेक्स सिंचाई परियोजना और काठन जलाशय परियोजना तथा बाणसागर परियोजना बहुती नहर के प्रेशराइज्ड पाइप की अपडेट स्थिति क्या है?

अब ग्रामीणों को गांव में ही बन जाएगा पासपोर्ट

भोपाल। भारत के विदेश मंत्रालय ने गांवों में रहने वाले लोगों के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इससे गांव में रहने वाले लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए ऑफिस के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी। गांव तक आवश्यक सारी सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास में विदेश मंत्रालय पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शुरू की गई है। यह वैन पूरी तरह से पासपोर्ट सेवा केंद्र की तरह कार्य करेगी। इसमें बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंट स्कैनिंग, फोटो कैप्चर और वेरिफिकेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस सेवा के माध्यम से, गांव के लोगों को अब पासपोर्ट के लिए शहर आने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे उन्हें समय, पैसे और यात्रा में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।

वैन के आने से पहले स्थानीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि लोग इस सेवा के बारे में जान सकें। इसके अलावा, अपॉइंटमेंट के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में पासपोर्ट सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है और इससे ग्रामीण लोगों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में मदद मिलेगी। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शीतांशु चौरासिया ने जानकारी दी कि यह वैन उन स्थानों पर जाएगी, जहां पासपोर्ट सेवा केंद्र उपलब्ध नहीं हैं। विदेश मंत्रालय की 'मोबाइल पासपोर्ट सेवा वैन' का शुभारंभ 20 जून को अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से हुआ। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शीतांशु चौरासिया ने बताया कि वैन का उद्देश्य उन क्षेत्रों में पासपोर्ट सेवा को पहुंचाना है, जहां अब तक पासपोर्ट सेवा केंद्र नहीं थे। यह मोबाइल यूनिट एक चलित पासपोर्ट सेवा केंद्र के रूप में पूरी तरह से कार्य करेगी। वैन शुरू होने के कारण अब मप्र के ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों में रहने वाले लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग से होगी सुविधा आसान

वैन किस क्षेत्र में कब पहुंचेगी, इसकी सूचना स्थानीय प्रचार और डिजिटल माध्यमों से दी जाएगी। इसके लिए एक विशेष ऑनलाइन अपॉइंटमेंट स्लॉट बुकिंग सिस्टम बनाया गया है, जिससे इच्छुक आवेदक समय से पंजीकरण करा सकें। यह पहल विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी है, जो शारीरिक, आर्थिक या पारिवारिक कारणों से पास के बड़े शहरों तक नहीं पहुंच पाते थे। अब उन्हें पासपोर्ट बनाने के लिए लंबा सफर तय नहीं करना होगा। यह वैन आधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंट स्कैनिंग, डिजिटल हस्ताक्षर, फोटो कैप्चर और ऑन-साइट वेरिफिकेशन की सभी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। पासपोर्ट के लिए जरूरी सभी चरण इसी वैन में पूरे किए जा रहे हैं।

2300 करोड़ के लुटेरों को इंदौर पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुबई से कर रहे थे ठगी 12 राज्यों में फैला था नेटवर्क, 90 करोड रुपए जप्त

भोपाल । निवेश में आठ फीसदी मासिक केलाभ का लोभ देकर 12 राज्यों के 20 लाख निवेशकों से 2300 करोड रुपए की लूट करने वाले दो आरोपियों को इंदौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

इंदौर की एसटीएफ ने 12 राज्यों मेंफैले दुबई में चिटफंड का रैकेट चला रही कंपनी के गिरोह का पर्दाफाश किया है। 2023-24 से यह ठगी की जा रही थी। इंदौर केईशान सलूजा ने ठगी केइस मामले की शिकायत की थी। जांच मेंइस रैकेट का खुलासा हुआ है। अभी तक 2300 करोड रुपए की ठगी का भंडाफोड़ इंदौर एसटीएफ ने किया है। राजधानी दिल्ली से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक आरोपी का नाम मदन मोहन कुमार और दूसरे आरोपी का नाम दीपक शर्मा है। 12 राज्यों में ठगी का यह कारोबार चलाया जा रहा था। महाराष्ट्र उत्तरप्रदेश तमिलनाडु राजस्थान हिमाचल प्रदेश असम मध्य प्रदेश सहर 12 राज्यों मेंयह गिरोह ठगी की वारदात कर रहा था। वार्कर एफएक्स और वार्कर कैपिटल के नाम से दो फर्जी फर्म बनाकर ठगी की जा रही थी। इसकेलिए ठगों ने वाट-ब्रो सॉफ्टवेयर के माध्यम से मेटा 5 अकाउंट मेंट्रेडिंग कराई जाती थी। यह गिरोह 12 राज्यों में फैला हुआ था। एसटीएफ इंदौर की जांच में खुलासा हुआ है। ईजी बिजनेस सॉल्यूशन के खाते मेंवर्ष 2023-24 में 702 करोड रुपए का लेनदेन हुआ है। वहीं वेल टेक्नोलॉजी के खाते में 1 वर्ष में 1580 करोड रुपए का लेनदेन हुआ है। एसटीएफ इंदौर ने 90 करोड रुपए की राशि जप्त की है। अभी मामले की जांच चल रही है। इस ठगी केतार दुबई से जुड़े हुए हैं।

36 हजार युवाओं ने 6 पदाधिकारियों के लिए डाले वोट

– युवा कांग्रेस चुनाव- प्रदेश अध्यक्ष के लिए 18, प्रदेश महासचिव के लिए 178 युवा चुनाव मैदान में

भोपाल (ईएमएस)। युवा कांग्रेस के लिए वोटिंग के माध्यम से किए जा रहे छह पदों के सिलेक्शन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं वहीं प्रदेश महासचिव पद के लिए 178 प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। चुनाव कार्य से संबद्ध पदाधिकारियों के अनुसार सदस्यता फीस 20 जून से 21 जुलाई को शाम पांच बजे तक स्वीकार की जाएगी। इसके पहले एमपी में युवा कांग्रेस के चुनावों के लिए नामांकनों की स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी हो गई है। 20 जून से 19 जुलाई तक इसके लिए की जाने वाली वोटिंग प्रक्रिया में पहले दिन 36 हजार युवाओं ने युवा कांग्रेस की सदस्यता ली और फिर सभी छह पदों के लिए वोट डाले हैं। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा है कि 19 जुलाई तक चलने वाली वोटिंग में लाखों युवा कांग्रेस की मेंबरशिप लेकर युवा कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों के चयन में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कांग्रेस नेता त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश में 20 जून की सुबह 9 बजे से मतदान और सदस्यता प्रक्रिया शुरू हुई है। इसमें वोटिंग के लिए जो फार्मूला तय किया गया है उसके मुताबिक 50 रुपए की सदस्यता फीस जमा कर सदस्य बनने के बाद यूथ कांग्रेस के छह पदों के लिए वोटिंग की जा सकती है। युवा कांग्रेस के जिन पदों के लिए वोटिंग की जाएगी उसमें ब्लाक अध्यक्ष, एसेंबली प्रेसिडेंट, जिला अध्यक्ष व जिला महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महासचिव के पद शामिल हैं। एक सदस्य छह वोट डालेगा और इसके बाद होने वाली मतगणना के आधार पर परिणाम सामने आएंगे।

वन पट्टों को लेकर मध्य प्रदेश के आदिवासियों की हुई जीत

सिर्फ घोषणा ही समाधान नहीं है, वन ग्रामों में सर्वे कब शुरू होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री द्वारा वन ग्रामों का फिर से सर्वे कराना और आदिवासी पट्टे को लेकर की गई घोषणा को लेकर लगातार आदिवासियों की आवाज उठा रहे मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे स्वागत योग्य कदम बताते हुए सरकार से नीति स्पष्ट करने की मांग की है। दरअसल नेता प्रतिपक्ष ने इस मामले को लेकर नेपानगर में रैली कर 15 दिन की समयसीमा देते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी, जिसके बाद आखिरकार सरकार को झुकना पड़ा है। श्री सिंघार ने इसे आदिवासियों की जीत बताते हुए सरकार से सवाल भी पूछे हैं।

उमंग सिंघार ने आज भोपाल में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की आदिवासियों के पट्टे को लेकर की गई घोषणा प्रदेश के आदिवासियों की जीत है। सरकार को आदिवासियों की पीड़ा और संघर्ष के आगे झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि वन ग्रामों में फिर से सर्वे होगा और जो छूटे हैं उन्हें पट्टे दिए जाएंगे यह एक स्वागत योग्य कदम है।

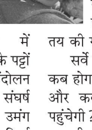

उन्होंने कहा कि हमने नेपानगर क्षेत्र में आदिवासियों के वन भूमि के पट्टों के अधिकार के लिए आंदोलन शुरू किया था और यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उमंग सिंघार ने आगे कहा कि सिर्फ घोषणा ही समाधान नहीं है, सरकार इन बिंदुओं पर जवाब दे-

जिन 3.5 लाख वनाधिकार पट्टों को आपने निरस्त किया, क्या उनका दोबारा सर्वे होगा?

जो 1.25 लाख नए आवेदन आए हैं, क्या उन्हें भी इस सर्वे में शामिल किया जाएगा?

सरकार सर्वे कब तक कराएगी? क्या इसकी कोई समय-सीमा तय की गई है?

सर्वे के लिए कमेटी का गठन कब होगा? कौन ज़िम्मेदार होगा, और कब तक टीम गांवों में पहुंचेगी?

श्री सिंघार ने कहा यह सिर्फ़ एक खाली घोषणा लग रही है। जिससे प्रदेश के आदिवासियों को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिलने वाला। सरकार को इन सवालों का तत्काल और स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

कौन काट रहा है जंगल, इसकी इसकी जांच हो-

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कौन काट रहा है आदिवासियों के जंगल? सरकार इस पर जांच कराए। उन्होंने सरकार से पूछा कि आख़िर ऐसा क्या कारण है कि पिछले दो-तीन वर्षों में कई इलाकों में जंगल तेजी से साफ हो रहे हैं? क्या इसमें वन विभाग की मिलीभगत है? बार-बार आदिवासियों पर आरोप लगाया जाता है कि वो जंगल काट रहे हैं **- लेकिन सच्चाई क्या है?**

उमंग सिंघार ने अंत में कहा कि सरकार को इस पूरे मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच करानी चाहिए, ताकि जंगल बचें और आदिवासियों को बदनाम करने की साज़िश भी सामने आ सके।

गौरतलब है कि आदिवासियों के पट्टों और अधिकारों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नेपानगर में एक बड़ी रैली की थी और सरकार को 15 दिन में मामलों का निराकरण ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके अलावा देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र भी लिखा था, जिसके बाद सरकार झुकी और उन्हें आदिवासियों को लेकर एक कदम आगे बढ़ाना पड़ा है।

तीन बल्लेबाजों ने जड़े शतक

फिर भी 500 रन का आंकड़ा नहीं छू सका भारत

नई दिल्ली। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के दूसरे दिन 10 विकेट खोकर 471 रन बनाए। पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने शतक जड़े। वहीं, इंग्लैंड के लिए जोश टंग और बेन स्टोक्स ने चार-चार विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर को एक-एक सफलता मिली। तीन बल्लेबाजों के शतक के बावजूद भारतीय टीम 500 का आंकड़ा नहीं छू पाई।

471 पर ऑलआउट हुई भारतीय टीम

पहले दिन का खेल 359/3 के स्कोर पर समाप्त हुआ था। यशस्वी जायसवाल ने पहले दिन 159 गेंदों में 101 रन बनाए थे, जबकि दिन का खेल खत्म होने तक शुभमन गिल 175 गेंदों पर 16 चौकों और एक छक्के की मदद से 127 रन और उपकप्तान ऋषभ पंत 102 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत ने शनिवार को 112 रन जोड़कर शेष सात विकेट गंवा दिए।

इस अनचाहे क्लब में शामिल हुई भारतीय टीम

इसी के साथ भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के अनचाहे क्लब में शामिल हो गई। दरअसल, इन तीनों टीमों ने तीन शतक के बावजूद 500 का आंकड़ा नहीं छू पाया था। ऐसा ही कुछ भारतीय टीम के साथ भी हुआ। उसके तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए लेकिन टीम 500 का आंकड़ा नहीं छू पाई और इस दौरान सबसे छोटा स्कोर बनाया।

सुदर्शन-नायर और बुमराह खाता भी नहीं खोल पाए

भारत के लिए राहुल और यशस्वी ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। शुभमन गिल ने 227 गेंदों का सामना किया और 19 चौके तथा एक छक्के की मदद से 147 रन बनाए। वहीं, ऋषभ पंत ने 178 गेंदों का सामना किया और 12 चौके और छह छक्के की मदद से 134 रन बनाए। डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन, आठ साल बाद वापसी करने वाले करुण नायर और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, जडेजा ने 11 और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक रन बनाए। भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत तक ही अपने शेष विकेट गंवा दिए। भारत के लिए निराशाजनक बात यह है कि तीन बल्लेबाजों के शतक लगाने के बावजूद टीम 500 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी।

तीन शतक के बावजूद सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली टीमें

स्कोर	टीम	विपक्षी टीम	स्थान	वर्ष
471	भारत	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	2025
475	दक्षिण अफ्रीका	इंग्लैंड	सेंचुरियन	2016
494	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	1924
497	वेस्टइंडीज	भारत	कोलकाता	2002

जब ऋषभ पंत का अटपटा शॉट देख स्टोक्स भी हंसी रोक न सके

लीड्स। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट के पहले दिन भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा, जिसमें कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद साझेदारी ने अहम भूमिका निभाई। रोहित शर्मा के बाद नए नेतृत्व में टीम इंडिया ने 3 विकेट पर 359 रन का स्कोर खड़ा कर इंग्लिश गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने शानदार शतक जड़ा, वहीं ऋषभ पंत ने 65 रनों की जुझारू और रोमांचक पारी खेली।

पंत को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, और ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि वह अपनी बल्लेबाज़ी में थोड़ा संयम लाएंगे। लेकिन मैदान पर पंत ने फिर दिखा दिया कि वो कितने बेपरवाह खिलाड़ी हैं। अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के सामने कदमों का इस्तेमाल कर जोरदार चौका जड़ दिया। यह शॉट न सिर्फ दर्शकों के लिए हैरतअंगेज़ था बल्कि खुद स्टोक्स भी अपनी हंसी नहीं रोक सके। उनका रिएक्शन कैमरे में कैद हो गया और अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इससे पहले, भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने 91 रनों की मजबूत शुरुआत दी थी। राहुल 42 रन बनाकर आउट हुए और उनके बाद डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। ऐसे में दबाव की स्थिति में पंत बल्लेबाज़ी करने आए। उन्होंने पहली गेंद पर रक्षात्मक रुख अपनाया लेकिन दूसरी ही गेंद पर जोखिम लेकर अपना नैचुरल गेम खेला।

पंत की पारी में कई जोखिम भरे शॉट्स देखने को मिले। हालांकि बीच-बीच में शुभमन गिल उन्हें समझाते भी नज़र आए। पंत ने जहां मौके बनाए, वहीं चूके भी, लेकिन अंत तक डटे रहे। दिन के आखिरी ओवर में जब ज्यादातर बल्लेबाज़ संभलकर खेलते हैं, पंत ने क्रिस वॉक्स की गेंद पर आगे बढ़कर शानदार छक्का लगाया। दिन का खेल खत्म होने तक शुभमन गिल 127 और ऋषभ पंत 65 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 138 रनों की मजबूत साझेदारी हो चुकी है, जिससे भारत ने पहले दिन ही इंग्लैंड पर शिकंजा कस दिया है।

जायसवाल और गिल के बीच मजेदार नोकझोंक का वीडियो वायरल

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। खासतौर पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की सेंचुरी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में ला दिया। इसी बीच यशस्वी और गिल के बीच मैदान पर हुई एक मजेदार बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसमें दोनों रन दौड़ते वक्त नोकझोंक करते नजर आ रहे हैं। हुआ यूं कि मैच के पहले दिन जायसवाल ने एक शॉट खेला जो सीधा फील्डर के पास चला गया। इस पर दोनों बल्लेबाज रन के लिए दौड़ने लगे, लेकिन गिल ने तुरंत मना कर दिया। इसके बाद गिल बोले, 'अरे आ जाओ यार' तो जायसवाल ने हंसते हुए जवाब दिया, 'भैया यार थोड़ा आगे था ये, सॉरी' इससे पहले बातचीत में जायसवाल ने कहा था, 'बस बोलते रहना कॉल में, आदत है आगे जाने की, जोर से बोल दो।' मैच की बात करें तो यशस्वी जायसवाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 159 गेंदों में 101 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 1 छक्का शामिल था।

पहले ही टेस्ट में टीम इंडिया के कप्तान ने की बड़ी भूल, किया जा सकता है दंडित

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शतक लगाकर फैंस का दिल जीत लिया। अभी वे क्रीज पर ही हैं और दूसरे दिन की शुरुआत भी करेंगे। गिल के सामने एक परेशानी सामने आ गई। गिल पहले दिन काले मोजे पहनकर चले आए जो कि नियमों के खिलाफ है।

बता दें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को पहले टेस्ट में पहले दिन काले मोजे पहने देखा गया, जो कि आईसीसी के नियम का उल्लंघन है। टेस्ट मैच के दौरान कोई भी प्लेयर सफेद, क्रीम या फिर ग्रे रंग के मोजे पहनकर खेलना चाहिए। यह नियम साल 2023 में लागू किया गया था। हर खिलाड़ी इस नियम का पालन भी करता है, लेकिन गिल को पहले दिन काले मोजे में पहने देखा गया। यह एक बड़ा सवाल है कि शुभमन गिल पर जुर्माना लगेगा या नहीं। इसका फैसला भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट के लिए मैच रेफरी रिची रिचर्डसन पर निर्भर करता है।

अगर मैच रेफरी ड्रेस कोड उल्लंघन को नोटिस करते हैं, तो टीम इंडिया के कप्तान को दंडित किया जा सकता है। जुर्माना उनकी मैच फीस का 10 फीसदी से 20 फीसदी तक लग सकता है। हालांकि, अगर गिल ने अनजाने में काले मोजे पहने हो तो शायद वे किसी भी दंड से बच सकते हैं, लेकिन इसका फैसला मैच रेफरी पर निर्भर करता है। यह ध्यान देने योग्य है कि लेवल एक के अपराध के परिणामस्वरूप मैच फीस का 50 फीसदी तक जुर्माना हो सकता है साथ ही संभावित डिमेरिट अंक भी हो सकते हैं। हालांकि कपड़ों से संबंधित मुद्दों के लिए बड़े दंड काफी कम देखे गए हैं।

जायसवाल और गिल की शानदार पारी से मिल रहे अच्छे संकेत

-पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने की भारतीय बल्लेबाजों की तारीफ

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारतीय बल्लेबाजों की सराहना की, खासकर कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जिन्होंने शतक लगाकर इंग्लैंड के हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन के अंत में भारत को 359/3 तक पहुंचाया। जायसवाल और गिल ने शानदार शतक लगाकर विराट कोहली-रोहित शर्मा के बाद के युग में बल्लेबाजी को संभालने की तैयारी का ऐलान कर दिया है। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंच गया।

गांगुली ने शुक्रवार रात ट्वीट करते हुए लिखा- आज भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा था? सीरीज के पहले दिन शुभमन गिल की टेस्ट मैच बल्लेबाजी में

विदेशी परिस्थितियों में बहुत सुधार हुआ है। फिर से शानदार एक गुणवत्ता वाली टीम दिखी। एक लंबी सीरीज का इंतजार है। जायसवाल ने 144 गेंदों में अपने करियर का पांचवां शतक पूरा किया, जबकि गिल ने 140 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, लेकिन दोनों ने यह मुकाम अलग-अलग तरीके से हासिल किया। जायसवाल ने अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ दिया, क्योंकि पहले सत्र में अंग्रेजी गेंदबाजों को मूवमेंट और कैरी का फायदा मिला। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंचा दिया, जब केएल राहुल और डेब्यूटेंट साई सुदर्शन जल्दी आउट हो गए थे।

ऋषभ पंत खेल समाप्ति तक गिल के साथ क्रीज पर जमे थे, लेकिन जायसवाल और गिल के शतकों का महत्व सिर्फ पहले दिन की बढ़त देने तक सीमित नहीं था। यह भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप अनुभव में थोड़ी कमजोर है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया है। जायसवाल और गिल टेस्ट क्रिकेट में नए नहीं हैं, लेकिन अगर जायसवाल और गिल की आज की पारी को देखा जाए तो संकेत काफी उज्ज्वल नजर आ रहे हैं।

बल्लेबाजी करने में आया मजा, अच्छी तैयारी की थी जड़ा शतक

यशस्वी ने कहा- पहला दिन बढ़िया रहा, गिल संयमित और शांत होकर खेले

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (101 रन) ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शतक जड़ने के बाद कहा कि उन्होंने इस पारी का पूरा लुत्फ उठाया। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127 रन) और जायसवाल के शानदार शतकों की मदद से भारत ने पहले दिन तीन विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। उप कप्तान ऋषभ पंत 65 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। जायसवाल ने कहा कि पहला दिन बहुत बढ़िया रहा। सभी ने बहुत अच्छा खेला। इंग्लैंड की परिस्थितियों में क्रीज पर जाकर बल्लेबाजी करने में आनंद आया। मैंने बहुत अच्छी तरह से तैयारी की थी। हाल के दिनों में बहुत अच्छे अभ्यास सत्र थे हमने कई मैच खेले। इसलिए, यह पारी सब तरीके से खेली। उन्होंने कहा कि गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। वह संयमित और शांत रहे। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। गिल ने 56 गेंद में अपना आठवां अर्धशतक लगाया। यह भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में गिल का पहला अर्धशतक है। भारत ने दूसरे सत्र में एक भी विकेट नहीं गंवाया। लंच से पहले केएल राहुल (42 रन) और इस मैच से डेब्यू करने वाले बी साई सुदर्शन के विकेट गिरे। सुदर्शन खाता भी नहीं खोल सके। जायसवाल ने संयमित होकर बल्लेबाजी की, विशेषकर ऑफ स्टंप के बाहर जबकि वह सामान्यतः गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। हाल में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलते बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जो गलतियां की थीं, उन्हें इस पारी में नहीं दोहराया।

ट्रांसजेंडर एथलीटों पर दिया ट्रंप का बयान सुर्खियों में, मचा विवाद

वाशिंगटन। हाल ही में इटली के मशहूर फुटबॉल क्लब जुवेंटस के खिलाड़ी जब व्हाइट हाउस पहुंचे तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर ऐसा सवाल पूछ लिया, जिससे माहौल असहज हो गया। इस बयान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने विवादास्पद बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। क्लब वर्ल्ड कप में भाग लेने अमेरिका आए जुवेंटस खिलाड़ियों की मुलाकात के दौरान ट्रंप ने उनसे महिलाओं की भागीदारी पर सवाल कर सबको चौंका दिया। ट्रंप ने जुवेंटस को एक महान टीम कहकर संबोधित किया, लेकिन इसके तुरंत बाद उन्होंने पूछ लिया, क्या कोई महिला आपकी टीम में खेल सकती है, दोस्तों?

पहले गेंदबाजी चुनने को लेकर इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स पर भड़के वॉन

नई दिल्ली। बेन स्टोक्स ने हेडिंग्ले में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल वॉन बेन स्टोक्स के भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में पहले गेंदबाजी करने के फैसले से 'हैरान' थे। वॉन का मानना था कि सूखी पिच और धूप में पहले बल्लेबाजी करना 'आसान' था, लेकिन स्टोक्स ने आंकड़ों और इतिहास को ज्यादा महत्व दिया और गेंदबाजी का फैसला किया।

वॉन ने कहा कि मैं थोड़ा पुरानी सोच का हूं खासकर लीड्स में जब धूप होती है, तो यह एक आसान फैसला होता है, खासकर टेस्ट मैच की तैयारी और पिच की स्थिति को देखते हुए। मैं हैरान था जब मैंने सुना कि वह पहले गेंदबाजी करने जा रहे हैं। मैंने सोचा कि टॉस को खत्म कर दिया गया है। इंग्लैंड ने हाल के समय में यहां लक्ष्य का पीछा करते हुए कई बार जीत हासिल की है, लेकिन आपको हमेशा उस समय के हिसाब से फैसला लेना होता है। वॉन ने कहा कि स्टोक्स की भावना इस बार काम नहीं आई। आप इंग्लैंड की टीम की ताकत देखें, तो वह वास्तव में बल्लेबाजी में है। बेन के पास एक आंतरिक भावना थी, मुझे लगता है और हाल के समय में यह काम किया है। बता दें इंग्लैंड के पास स्टोक्स के दो विकेट और ब्राइडन कार्स ने एक विकेट लिया। ये तीनों भारतीय बल्लेबाजों की गलतियों के कारण मिले। टॉस के समय स्टोक्स ने कहा कि वह शुरुआती परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहते थे, जबकि टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा कि वह पहले गेंदबाजी करना पसंद करते हैं, लेकिन पिच जल्दी ही स्थिर हो गई और बल्लेबाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया।

एशिया कप तीरंदाजी : भारत ने जीते दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य

-इस प्रदर्शन में भारतीय खिलाड़ी अपने से कम रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों से हारे

सिंगापुर। भारत के जूनियर तीरंदाजों ने एशिया कप तीरंदाजी टूर्नामेंट के दूसरे चरण में सात पदक जीते, लेकिन पांच फाइनल मुकाबलों में हार की वजह से उन्हें ज्यादातर स्पर्धाओं में रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा है। टूर्नामेंट में भारत ने कुल दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय तीरंदाजों ने रिकर्व और कम्पाउंड के 10 में से सात फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन वे केवल दो बार ही शीर्ष स्थान हासिल कर सके। इस प्रदर्शन में खिलाड़ी अपने से कम रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों से हारे। खासकर ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व वर्ग में भारत एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीत सका।

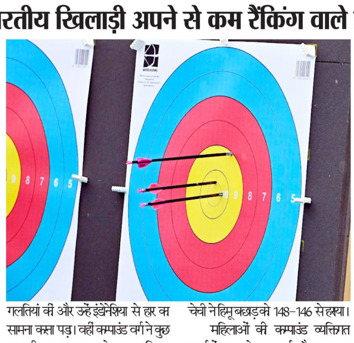

रिकर्व पुरुष टीम जो क्वालिफिकेशन के बाद शीर्ष पर थी। फाइनल में जापान के खिलाफ सीधे सेटों में 6-0 से हार गई। विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार का प्रदर्शन औसत रहा और वे दो सेटों में भी 50 अंक तक भी नहीं पहुंच सके। मिश्रित टीम फाइनल में भी विष्णु और वैष्णवी पवार की जोड़ी ने कई गलतियां कीं और उन्हें इंडोनेशिया से हार का सामना करना पड़ा। वहीं कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत दी। कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता हासिल कर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस वर्ग में भारत को कांस्य पदक भी मिला जब सचिन चेची ने हिमू बछाड़ को 148-146 से हराया।

महिलाओं की कम्पाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को एक स्वर्ण और एक रजत पदक मिला क्योंकि फाइनल में मुकाबला भारतीय खिलाड़ियों के बीच ही हुआ। तेजल साल्वे ने शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पुरुष और महिला कम्पाउंड टीम मुकाबलों में भारत को क्रमशः कजाकिस्तान और मलेशिया से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित टीम भी शूट-ऑफ में कजाकिस्तान से हार गई।

मेस्सी के गोल से इंटर मियामी ने यूरोपीय चैंपियन पोर्टो को हराया

अटलांटा। अमेरिका के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो को 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से हार रही थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर को बराबर कर ला दिया। इसके बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ी मेस्सी का जादू चला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया के महान खिलाड़ियों में शामिल हैं।

करुण नायर की वापसी बनी निराशा की कहानी, आठ साल बाद भी खाता नहीं खोल पाए

नई दिल्ली। करुण नायर की टेस्ट क्रिकेट में आठ साल बाद वापसी उस वक्त एक कड़वा सपना बनकर रह गई जब वह लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ चौथी ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए। 33 वर्षीय करुण नायर ने अपना पिछला टेस्ट मैच दिसंबर 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, जब उन्होंने नाबाद 303 रन बनाकर तहलका मचा दिया था। लेकिन इस बार मैदान पर कहानी बिलकुल उलट रही। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की बाहर जाती फुल लेंथ गेंद पर नायर ने कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले के अनुरूप नहीं बैठी। ओली पोप ने बाईं ओर हवा में डाइव लगाते हुए दोनों हाथों से शानदार कैच लपक लिया। यह कैच न सिर्फ तकनीकी रूप से उम्दा था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी करुण नायर के लिए झटका साबित हुआ। वहीं इसी मैच में डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन भी सिर्फ चार गेंदें खेलकर बिना खाता खोले आउट हुए और उन्हें भी पवेलियन भेजने वाले गेंदबाज बेन स्टोक्स ही थे। करुण नायर के चयन की कहानी भी खास रही। रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में विदर्भ के लिए उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया और भारत ए की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भी नंबर तीन और चार पर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया। हालांकि हेडिंग्ले टेस्ट में उन्हें नंबर छह पर बल्लेबाज़ी के लिए भेजा गया, जहां वह अपनी जगह पक्की नहीं कर सके। करुण नायर ने अपने टेस्ट करियर में अब तक सात मैच खेले हैं और वह नाबाद तिहरा शतक बनाने वाले कुछ चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों में शामिल हैं।

सचिन- इरफान हुए पंत की स्टाइल के मुरीद

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने धमाकेदार शतक जड़कर न सिर्फ टीम को मज़बूत स्थिति में पहुंचाया, बल्कि अपने करियर में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज़ ने 178 गेंदों पर 134 रन बनाए और शतक पूरा करने के लिए एक हाथ से लगाया गया छक्का क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया। अपने शतक का जश्न उन्होंने कुछ इस अंदाज़ में मनाया कि दर्शक और साथी खिलाड़ी दोनों हैरान रह गए।

पंत ने मैदान पर बैकफ्लिप करते हुए अपना जश्न मनाया, जो उनके आत्मविश्वास और शैली की एक अलग मिसाल है। इस प्रदर्शन के बाद पंत ने टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ते हुए सातवां टेस्ट शतक जड़ा। धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैचों में छह शतक लगाए थे। पंत ने यह उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे दिन भारतीय पारी के सौवें

ओवर में शोएब बशीर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर हासिल की। यह उनका सितंबर 2024 के बाद पहला शतक था, पिछली बार उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 109 रन बनाए थे। क्रिकेट दिग्गजों ने पंत के इस कारनामे की जमकर सराहना की।

सचिन तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि ऋषभ का शतक और उसका जश्न दोनों ही बेहद मनोरंजक हैं। सुनील गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान लगातार तीन बार सुपब कहा, जबकि इरफान पठान ने पंत की बल्लेबाज़ी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपनी शर्तों पर खेला है। दिल्ली कैपिटल्स ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि ये काम सिर्फ ऋषभ पंत ही कर सकते हैं।

पंत अब तक 44 टेस्ट मैचों में 44 की औसत से 3000 से ज्यादा रन बना चुके हैं, जिनमें 15 अर्धशतक भी शामिल हैं। विकेटकीपर बल्लेबाजों की सूची में उनके बाद ऋद्धिमान साहा, सैयद किरमानी, फारूख इंजीनियर और नयन मोंगिया जैसे नाम आते हैं, जिन्होंने दो या उससे कम टेस्ट शतक लगाए हैं। पंत की यह पारी न सिर्फ रिकॉर्ड्स के लिहाज से खास रही बल्कि भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी उम्मीद की एक बड़ी किरण बनकर उभरी।

अतिरिक्त डॉक्टर की कमी से प्रसव पीड़ा वाली गर्भवती महिला परेशान

एक भी डॉक्टर छुट्टी पर होने से सीजर व्यवस्था हो रही बाधित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में सीजर व्यवस्था को लेकर कई प्रकार की समस्याएं सामने आ रही है। जिससे प्रसव पीड़ा वाली गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला २१ जून को सामने आया कि एनेस्थीसिया के डॉक्टर छुट्टी पर होने से सभी गर्भवती महिलाओं को बालाघाट जाने के लिए कहा गया। किंतु प्रसव पीड़ा वाली महिलाएं वारासिवनी में ही सीजर करने के विषय पर अड़ी रही। वहीं उन गर्भवती महिलाओं को लाने वाली आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा भी विरोध किया गया कि इस प्रकार से नहीं चलेगा। अतिरिक्त में डॉक्टर होना चाहिए यदि नहीं है तो कहीं से व्यवस्था की जानी चाहिए। जहाँ काफ ी देर बाद बालाघाट से एनेस्थीसिया डॉक्टर को बुलवाया गया जिसके बाद यह सीजर प्रक्रिया संपन्न की गई। हालांकि इस दौरान गर्भवती महिलाओं को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा।

अस्पताल में अतिरिक्त चिकित्सक की नहीं है व्यवस्था

शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में १ वर्ष से अधिक समय हो गया है सीजर व्यवस्था प्रारंभ की गई है। जहां पर सभी प्रकार कि प्रसव पीड़ा होने पर सीजर किया जाता है। इस दौरान एनेस्थीसिया शिशु रोग एवं सर्जन की उपस्थिति अनिवार्य होती है। जो वारासिवनी अस्पताल में पदस्थ है परंतु उनके छुट्टी पर जाने के दौरान सीजर व्यवस्था चौपट हो जाती है। इसमें बताया जा रहा है कि पिछले करीब ५ दिनों से एनेस्थीसिया के डॉक्टर छुट्टी पर अपने पारिवारिक कारणों से हैं। ऐसे में सीजर के लिए आ रहे मरीजों को बालाघाट रिफर कर दिया जा रहा है। जिसमें देखने में आता है कि प्रसव पीड़ा वाली महिला को अस्पताल में भर्ती किया जाता है। जहां पर नॉर्मल डिलीवरी ना होने पर सीजर की स्थिति को देखते हुए रिफर किया जाता है । ऐसे में कई बार महिलाएं हाई रिस्क पर होती है तो वहीं कई महिलाएं बालाघाट जाने में असमर्थ हो जाती है परंतु उन्हें रिफर किया जाता है। जबकि अतिरिक्त डॉक्टर की व्यवस्था नहीं की जा रही है ,ऐसा ही पिछले दिनों अस्पताल में पदस्थ दो सर्जन १५ दिन की छुट्टी पर चले गए थे उस दौरान भी १५ दिनों तक सीजर व्यवस्था बंद रही। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है जहां पर किसी भी एक डॉक्टर के छुट्टी पर जाने से पूरी व्यवस्था बंद हो जाती है । लोगों को बालाघाट रिफर कर दिया जाता है। जबकि यह आपातकालीन व्यवस्था है लेबर पेन कभी भी प्रारंभ होता है। ऐसे ही २१ जून की सुबह ४ बजे दो महिलाओं को लेबर पेन होने पर अस्पताल में भर्ती किया गया था। जिन्हें एनेस्थीसिया डॉक्टर छुट्टी पर होने पर बालाघाट रिफर की सलाह स्टाफ के द्वारा दे दी गई। जो बालाघाट नहीं जाने पर अड़े रहे इसके बाद देर समीर व्यवस्था बनाई गई। परंतु इसके पहले रात्रि में तक आने वाली प्रसव पीड़ा को बालाघाट के लिए रिफर किया गया है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। क्योंकि जिम्मेदार अधिकारी के द्वारा पूर्व नियोजित व्यवस्था निश्चित नहीं की गई जिस कारण से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। इसमें जागरूक नागरिकों के द्वारा नियमित रूप से व्यवस्था बनाए जाने और अतिरिक्त में डॉक्टर रखने की की मांग शासन प्रशासन से की गई है।

अस्पताल में लापरवाही का आलम है -सविता उंदीरवाड़े

आशा कार्यकर्ता सविता उंदीरवाड़े ने बताया कि हमारे द्वारा कोसरीटोला से लेबर पेन होने पर गर्भवती महिला को लाया गया है। जिसकी प्रसव पीड़ा सही है पर उसे बालाघाट रिफर कर रहे हैं जबकि पेशेंट वारासिवनी में अपना सिजर करना चाहती है। किंतु यहां पर मैडम नहीं है तो दिक्कत है डॉक्टर की भी व्यवस्था नहीं है । वह छुट्टी पर जाते हैं तो उनकी जगह दूसरे डॉक्टर की व्यवस्था नहीं की जाती है। जबकि यह होना चाहिए कि प्रसव वाले मरीजों को सुविधा मिल सके परेशानी ना हो हमारे द्वारा उन्हें यहां एडमिट कर दिया गया हैं।

डॉक्टर की मौजूदगी नही होने से पेशेंट परेशान है-हिमांशु मेश्राम

हिमांशु मेश्राम ने बताया कि मेरी पत्नी का प्रसव का समय होने पर उसे सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। यहां पर मैडम बोल रही है कि इमरजेंसी केस है और डॉक्टर भी नहीं है बालाघाट लेकर जाओ मैं बालाघाट नहीं जाना चाहता क्योंकि मेरे पास सुविधा भी नहीं है। यहां डॉक्टर की भी सुविधा नहीं है हम चाहते हैं कि यहीं पर डिलेवरी हो बालाघाट हम क्यों जाए जब सब व्यवस्था हमारे यहां पर है। यदि बालाघाट जाते हैं तो रोड़ खराब है आना जाने की परेशानी है रहने खाने की परेशानी है और वहां पर जब रुपए मांगे जाएंगे तो हम सरकारी की जगह प्राइवेट में जाएंगे किंतु हमारी स्थिति नहीं है कि हम बालाघाट जाए मैं मजदूरी कार्य करता हूं।

इमरजेंसी में यहां पर डाक्टर उपस्थित नहीं रहते है-गीता कटरे

आशा कार्यकर्ता गीता कटरे ने बताया कि १ वर्ष से यहां पर सीजर हो रहा है जिसमें गंभीर स्थिति वाले मरीज यहां पर आते रहते हैं । हाई रिस्क डिलीवरी में रहते हैं उन्हें भी यहां पर उपचार मिलना चाहिए वह नहीं मिल पाता है। इमरजेंसी में एक डॉक्टर यहां पर रहना चाहिए वह नहीं रहता है हमारे गांव का एक डिलीवरी कैसे आया वह बहुत तकलीफ में है यहां पर एनेस्थीसिया का डॉक्टर नहीं है। अब बालाघाट लेकर जो बोल रहे हैं पेशेंट की हालत अस्पताल के गेट तक जाने की नहीं है पेशेंट भी यहीं पर डिलीवरी करना चाहता है इमरजेंसी में यहां पर डाक्टर उपस्थित नहीं रहते हैं। जबकि एनेस्थीसिया शिशु रोग और सर्जन होना चाहिए इनमें से एक डॉक्टर नहीं आया तो सीजर नहीं होगा कहते हैं। ऐसे लगातार ६ गर्भवती महिलाएं रोज वापस जा रहे हैं बालाघाट में भी जाओ तो वहां पर रुपये लगते हैं परेशान करते हैं कई लोग प्राइवेट में जाते हैं। जब शासकीय अस्पताल में नि:शुल्क उपचार लिखा हुआ है तो रुपये क्यों यह बहुत दिनों की समस्या है इसकी शिकायत हमारे द्वारा की गई है। हम यही चाहते हैं कि अतिरिक्त में डॉक्टर रखे जाएं या कोई व्यवस्था बनाई जायें।

इनका कहना हैं

हमारे यहां सीजर में समस्या जाती है कुछ समय पहले दो सर्जन छुट्टी पर गई थी। वह आई तो एनेस्थीसिया डॉक्टर छुट्टी पर है उनके पिता की मौत हो गई है। हमारे द्वारा बालाघाट से बात की गई है एक सीजर आज हुआ है सभी कार्य पूर्ण नियोजित है । किंतु व्यवस्था जिले से होती है और प्राइवेट पर यदि हम बुलाते हैं तो फ ंड की हमारे पास कमी है।

डॉ कमलेश झोड़े
बीएमओ सिविल अस्पताल
वारासिवनी

हाई स्कूल मैदान में प्रदर्शनी मेला हुआ शुरू

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल (सांदीपनी स्कूल) खेल मैदान में बुंदेलखंड का प्रदर्शनी मेला गत दिवस से शुरू हो चुका है। साथ ही इस मेले में ब'चों के झुले सहित अन्य प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। वहीं क्षेत्रीयजन पहुंचकर हाई स्कूल खेल मैदान में लगे मेला में पहुंचकर सौंदर्य उत्पाद, सहित अन्य सामग्री की खरीदी कर रहे है। साथ ही झुले झुलकर मेला का आनंद ले रहे है। चर्चा में उमांकात शर्मा ने बताया कि लालबर्रा के हाई स्कूल मैदान में बुंदेलखंड हेंडलूम हैंडीक्राप्ट प्रदर्शनी मेला का शुभारंभ गत दिवस किया गया है और इस मेले में झुले सहित अन्य सामग्रियों की दुकान लगाई गई है और क्षेत्रीयजन पहुंचकर मेला का आनंद ले रहे है।

अपोलो हा.से. स्कूल के छात्र राजवीर और आर्यन ने नीट एवं जेई परीक्षा मे मारी बाजी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अपोलो हॉयर सेकेण्डरी स्कूल बालाघाट ने उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि हासिल किया। जैसा कि गत वर्षों में शाला के छात्राओं ने 10वीं तथा 12वीं की म.प्र. बोर्ड की मेरिट सूची में अपना नाम अंकित कर शाला को गौरवान्वित किया है। इस कड़ी को जारी रखते हुए इस वर्ष भी होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ बी. एल. ठाकरे के सुपौत्र एवं डॉ. ललित ठाकरे के पुत्र राजवीर ठाकरे ने नीट यूजी की परीक्षा में ऑल इंडिया कोटा में 9003 रैंक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) केटेगरी में 3708 रैंक लाकर परिवार एवं स्कूल का नाम रोशन किया है। इसी क्रम में अपोलो के ही गणित संकाय के छात्र आर्यन वर्मा जो कि शहर के प्रतिष्ठित मॉयल कार्यकर्ता पवन कुमार वर्मा के पुत्र हैं।जिन्होने जेईई मेंस में 98.17प्रतिशत तथा जेईई एडवांस में 101/360 (सीआरएल - 16185) अंक प्राप्त किए है। दोनों ही छात्रों ने अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कालेज व इंजीनियरिंग कालेज में प्रवेश पाने में सफलता प्राप्त की है।ज्ञात हो कि दोनो ही छात्रों ने बारहवी बोर्ड परीक्षा में भी अपने अपने संकायों में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्कूल के डॉयरेक्टर डॉ. बी. गौतम तथा प्राचार्या श्रीमति विद्या गौतम ने छात्रों की इस सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा हैं, हमें अपने छात्रों पर बहुत गर्व है। उन्होंने नीट तथा जेईई परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।यह उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और परिवार तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। शाला परिवार हमेशा उनके उज्जवल भविष्य तथा सफलता की कामना करता है।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में मनाया गया 11वॉ अन्तराष्ट्रीय योग दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में मनाया गया 11वॉ अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के अन्तर्गत भव्य सामुहिक योग का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम प्रात: 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें योगाभ्यास प्रात: 7:00 से 7:45 तक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य बी आर गुरदे के द्वारा मां सरस्वती एवं प्रथम योग गुरु महर्षि पतंजलि के छायाचित्र पर पुष्प माल्यार्पण कर एवं प्रेरणादायक संबोधन से हुआ, जिन्होंने योग के महत्व और उसके शारीरिक एवं मानसिक लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे योग हमारे दैनिक जीवन में संतुलन और शांति ला सकता है। इसके पश्चात, विद्यालय के अनुभवी योग प्रशिक्षक गोपाल कृष्ण तुरकर के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया गया। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने बड़े ही अनुशासन और एकाग्रता के साथ ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शवासन और प्राणायाम जैसी क्रियाओं का अभ्यास किया। योग सत्र के दौरान विद्यालय परिसर में एक सकारात्मक और ऊर्जावान वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को योग के प्रति जागरूक करना और इसे उनके जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित करना था। सामूहिक योग अभ्यास ने सभी उपस्थित लोगों में एकता और सामंजस्य की भावना को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम के अंत में, सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में भी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। यह आयोजन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सफल रहा, बल्कि इसने समुदाय में योग के प्रति जागरूकता भी फैलाई। साथ ही कार्यक्रम में अतिथि उपसरपंच चित्ररेखा कालबेले, युवराज भटेरे, रमेश रणदीवे सम्मिलित रहे।

208 कोबरा बटालियन द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। आज 21 जून 2025 को 208 कोबरा बटालियन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बटालियन मुख्यालय ग्राम बडगांव, किरनापुर, जिला बालाघाट में बड़े ही उत्साह एवं अनुशासन के साथ किया गया। इस अवसर पर बटालियन के सभी अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों, जवानों और परिवार के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नरशी मीणा, उप कमांडेंट, 208 कोबरा बटालियन द्वारा की गई। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारता है, बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। ऐसे आयोजनों से हम न केवल स्वयं को जागरूक करते हैं, बल्कि समाज को भी स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करते है। इस कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक द्वारा विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया, जिनमें ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, प्राणायाम आदि प्रमुख थें। जवानों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ योगाभ्यास कर यह संदेश दिया कि योग हमारी संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता फैलाना तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाना था। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों, जवानों और परिवार के सदस्यों व लोगों ने संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। वही अंत में नरशी मीणा, उप कमांडेंट द्वारा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया गया और कार्यक्रम का समापन इस वर्ष की योग थीम: एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग के संदेश के साथ किया गया।

वरिष्ठ नागरिक मंच ने मनाया ११वॉ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शनिवार को ११ वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इनडोर स्टेडियम के सुसज्जित कक्ष में प्रात: काल ६ बजे से योग दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। जिसमें वरिष्ठ नागरिक मंच, संस्कार भारती परिवार ,भाजपा परिवार, भाजपा मंडल, महिला मोर्चा, स्नेह शक्ति फ ाउंडेशन, मातृ शक्ति संगठन के लगभग दो सैकड़ा से अधिक संख्या में उपस्थित प्रतिनिधियों ने शासन के द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार संपूर्ण योग अभ्यास किया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष प्रणय श्रीवास्तव,भाजपा महिला मोर्चा पूर्व अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले , श्रीमती ऋ तु अग्रवाल,रीना कासल, राजीव गोयल,सुनील पिपरेवार, संदीप मिश्रा आदि ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तिलक वंदन कर पुष्पहार अर्पित किया । तत्पश्चात सरस्वती वंदना कर योग अभ्यास का शुभारंभ किया गया। योग शिक्षक गणेश चुरहे, महिला मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष निर्मला पटले,प्रणय श्रीवास्तव ने मंच पर उपस्थित रहकर प्रोटोकाल के अनुसार योग अभ्यास का मार्गदर्शन करते रहे।५२ मिनट के योग आसन प्राणायाम एवं ध्यान के कार्यक्रम के दौरान ही पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के आगमन होते ही उनका अभिनंदन किया गया। तथा अभ्यास के बाद प्रदीप जायसवाल ने योग के दैनिक जीवन में महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे विगत अनेक वर्षों से छात्र जीवन से ही दैनिक योग साधना से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि योग हमें जीवन जीने की कला को सिखाते हुए हमारा आत्म विश्वास भी बढ़ाता है। आत्मा को परमात्मा से मिलने का मार्ग सुनिश्चित करता है। इसके पश्चात निर्मला पटले ने सभी सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया एवं प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में भाजपा के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विश्व योग दिवस के आयोजन की जानकारी दी। वहीं योग शिक्षक गणेश चुरहे ने योग की महत्ता पर केंद्रित एक स्वरचित गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ओम प्रकाश नगपुरे ,मनीराम बिसेन ,हीरा सिंह चंदेल, नेमचंद लाखड़े,अशोक ओचानी, जिज्ञासी ,प्रीतम लाल पटले,सुमेर चंद कोल्हे, संजय कासल , डी एल एडे, सेमोनिका सोनेकर, श्रीमती आड़े,श्रीमती रीना कासल, श्रीमती मधु जायसवाल, सुनील जायसवाल, हरीश जैरथ, किरण शर्मा ,मीनाक्षी ठाकरे, श्रीति पाले वार, श्रीमती राठौर सहित सैकड़ों योग साधक साधिकाएं प्रोटो काल के अनुसार योग अभ्यास किए।

पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में मनाया गया विश्व योग दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) से प्राप्त पत्र के परिप्रेक्ष्य व निर्देशानुसार 21 जून को पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में विश्व योग दिवस के अवसर पर विद्यालय में योग दिवस का आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख श्रीमति वंदना वैद्य के मुख्य आतिथ्य व प्राचार्य श्रीमती श्रध्दा कांड्रा की उपस्थिति में अंत्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस संपन्न कराया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष योग दिवस की थीम है, एक पृथ्वी, एक स्वास्थय के लिए योग जो मनुष्य प्रकृक्ति और समग्र स्वास्थ्य के बीच सामंजस्य का बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर जोर देती है। (वर्ष 2025 विशेष रूप से खास है क्योंकि यह इस वैश्विक उत्सव की 11 वी वर्षगाठ है। विद्यालय के योग शिक्षक दिपांकर भार्गव के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के योगासन, और प्राणायाम की कियाएँ करवाये गये। योगासन में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, शवासन, पद्मासन, वकासन, धनुरासन जैसे विभिन्न आसनों का अभ्यास कराते हुए आसनों की कैसे किया जाये, उससे होने वाले लाभों, योग करने की शैली आदि विषयों पर सारगर्भित जानकारीयां प्रदान किये गये। इसी तारतम्य में प्राणायामों में उज्जायी प्राणामयाम, अनुलोम विलोम, कपालभाती का बारी बारी से अभ्यास करवाया गया।जिसमें विद्यालय के छात्रों शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला में उत्साहपूर्वक मनाया गया

चांगोटोला(पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला में 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शिक्षिकाएँ, छात्र-छात्राएँ, थाना चांगोटोला का स्टॉफ एवं ग्राम पंचायत चांगोटोला के कर्मचारीगण व ग्रामीणजन एकत्रित हुए और सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया।इस आयोजन का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एस. पी. मरावी के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 卐योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। वर्तमान समय में जब तनाव और बीमारियाँ लगातार बढ़ रही हैं, योग ही एकमात्र ऐसा माध्यम है जो मनुष्य को संपूर्ण रूप से स्वस्थ बना सकता है।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की योग शिक्षिका श्रीमती पार्वती नागभीरे, श्रीमती सीमा भारद्वाज तथा श्रीमती कविता बिसेन के कुशल प्रशिक्षण में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अन्य उपस्थितजनों को विभिन्न योगासन जैसे ताड़ासन, वज्रासन, सूर्यनमस्कार, भुजंगासन, वृक्षासन, प्राणायाम इत्यादि का अभ्यास करवाया। सभी उपस्थित लोगों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ योग की क्रियाओं को अपनाया और नियमित रूप से योग को अपने जीवन में शामिल करने की शपथ ली।

थाना चांगोटोला के पुलिस स्टाफ एवं ग्राम पंचायत के कर्मचारियों ने भी इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और युवा पीढ़ी को एक सकारात्मक दिशा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की ओर से सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया एवं बच्चों को नाश्ता वितरित किया गया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि सभी के लिए स्वास्थ्य के प्रति सजगता का संदेश भी लेकर आया।

योग करें, निरोग रहें के संदेश के साथ यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

चित्र प्रदर्शनी लगाकर योग से होने वाले लाभकारी गुणों के बारे में कराया अवगत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट द्वारा शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में योग के विभिन्न आसनों को प्रदर्शित करते हुए चित्र प्रदर्शनी का।आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत सरकार आयुष विभाग द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल समाहित रहा। प्रदर्शनी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के उद्देश्य सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश सहित योग सहित जानकारी समाहित रहीं। जिससे कि जिले के नागरिकों को परिचित कराया गया।

खैरलांजी महाविद्यालय में मनाया गया अंतराष्ट्रीय योग दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी प्राचार्य श्री के एल हिवारे के निर्देशन और राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम योग संगम के रूप मे मनाया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का प्रोजेक्टर के माध्यम से लाईव प्रसारण एवं योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे जनभागीदारी अध्यक्ष वेदप्रकाश कटरे, क्रीड़ा प्रभारी डॉ.अशोक टेम्भुर्ने, डॉ. उमेश सिंह कुशवाह, डॉ.अल्का हिरकने, अमर सिंह गोंड,और समस्त स्टाफ़ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोबाइल में टेलीग्राम हैक कर बढ़ रही साइबर ठगी की घटनाएं

एक सप्ताह में तीन से चार दिन लगातार दर्ज हो रही थाने में टेलीग्राम हैक कर ठगी करने की घटनाएं

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। जहां पुलिस द्वारा आए दिन जागरूकता शिविर और साइबर ठगी के प्रति लगातार आम जनता को जागृत करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, तो वही साइबर ठग भी अब नित्य नए-नए तरीके से जिले की भोली भाली जनता को अपना निशाना बना रहे हैं। पहले साइबर ठगों द्वारा ओटीपी जानकर साइबर ठगी की जाती थी, तो अब साइबर ठगों द्वारा मोबाइल को हैक कर टेलीग्राम के माध्यम से साइबर ठगी की जा रही है। टेलीग्राम हैक कर लगातार जिले में साइबर ठगी हो रही है। नए-नए साइबर ठगी के मामले कोतवाली थाना अंतर्गत साइबर सेल में दर्ज हो रहे हैं। जिसमें साइबर सेल के कर्मचारियों द्वारा बताया जा रहा है कि सप्ताह में 3 से 4 मामले प्रतिदिन आ रहे हैं और लोग टेलीग्राम और मोबाइल हैक के जरिए साइबर ठगी का निशाना बना रहे हैं।

आपको बता दे की साइबर ठगों द्वारा जिले की भोली भाली जनता को नए-नए तरीकों से अपना निशाना बनाया जा रहा है। जबकि पहले साइबर ठग ओटीपी के माध्यम से ही शहर की भोली भाली जनता को अपना निशाना बनाते थे, किंतु जिस प्रकार पुलिस जनता को जागरुक कर रही है तो वहीं साइबर ठग भी साइबर ठगी की नई-नई योजना बनाकर जिले की जनता को ठग रहे हैं। बीते कुछ दिनों से साइबर ठगी की घटनाएं लगातार साइबर थाने में दर्ज हो रही है। जिसमें अब साइबर ठगों के द्वारा मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से टेलीग्राम को हैक कर जिले की भोली भाली जनता को ठगा जा रहा है। जिसमें कोतवाली थाना अंतर्गत साइबर शाखा में कुछ साइबर ठगी की घटनाएं इन दिनों लगातार आ रही है। जिसमें एक पीड़ित द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया गया कि उन्हें उनके परिचित के मोबाइल से एक लिंक आई थी, जिसे उन्होंने उनके दोस्त को ओटीपी दिया उसके बाद से उनका मोबाइल से टेलीग्राम हैक हो गया और टेलीग्राम से उनके कुछ परिचितों को साइबर ठगों ने अर्जेंट पैसे की जरूरत है कहकर पैसे डालने को कहा गया। जिस पर उनके एक से दो परिचितों ने पैसे भी सेंड कर दिया जबकि, बाद में उन्हें पता चला कि जिस दोस्त के मोबाइल से उनको लिंक आई थी। उनका पहले ही व्हाट्सएप साइबर ठगों ने हैक कर लिया था और उनके अलग-अलग दोस्तों को उन्होंने लिंक सेंड किया था।

टेलीग्राम और व्हाट्सएप हैक कर मांगे जाते हैं पैसे

चर्चा के दौरान साइबर शाखा में पदस्थ पुलिसकर्मी द्वारा बताया गया कि इन दिनों लगातार मोबाइल के माध्यम से व्हाट्सएप और टेलीग्राम हैक कि घटनाएं आ रही है। जिसमें साइबर ठगों द्वारा सबसे पहले व्हाट्सएप के माध्यम से मोबाइल को हैक किया जाता है। उसके बाद टेलीग्राम के माध्यम से पीड़ितों के परिचितों को मैसेज भेजा जाता है कि उन्हें पैसों की अत्यंत आवश्यकता है। जिससे पीड़ितों के परिचित जल्द बाजी में पैसे सेंड कर देते हैं। सबसे पहले किसी भी मोबाइल धारक को उनके परिचित द्वारा एक लिंक भेजी जाती है जो अपने परिचित और सहयोगी का मैसेज होने के कारण मोबाइल धारक उसे खोलकर देखते हैं या उसे क्लिक कर देते हैं। जिसके बाद पूरा मोबाइल हैक हो जाता है, जिसमें साइबर ठगों द्वारा व्हाट्सएप या फिर टेलीग्राम से उनके परिचितों को मैसेज भेज कर पैसे मांगते हैं, जिसमें बालाघाट शहर के एक युवक द्वारा बताया गया कि उनका मोबाइल हैक हो गया था और उनके मोबाइल से उनके परिचितों को टेलीग्राम से मैसेज गया और अर्जेंट पैसे की जरूरत है बताने पर उनके कुछ परिचितों ने पैसा डाल दिया किंतु वह पैसा उनके मोबाइल पर नहीं आया और साइबर ठग ने अपने अकाउंट में उनसे पैसे मंगवा लिया।

URGENT REQUIREMENT
THERE IS REQUIREMENT
OF STAFF FOR REPUTED ENGLISH
MEDIUM SCHOOL AT KIRNAPUR
1. VICE PRINCIPAL(1 POST)
QUA:- GRADUATION+GOOD IN ENGLISH+D.ED./B.ED
2.COUNCELER(2 POST)
QUA:- GRADUATE+COMMUNICATION SHOULD BE STRONG+GOOD COMPUTER KNOWLEDGE.
3.TEACHERS(10 POST)
QUA:- GRADUATE+ GOOD IN ENGLISH+ B.ED/D.ED.
4.YOGA TEACHER/ACTIVITY TEACHER(1 POST)
QUA:- GRADUATE IN YOGA.
5. PEON(2 POST)
*CANDIDATE SHOULD BE LOCAL OR NEAR OF AREA.
* CAN BE CONVINCENT WITH TIMING.
*FRESHER OR EXPERIENCE CAN BE APPLIED.
*ONLY NEEDY PERSON CONTACT.
CONTACT:- 7987431437
KIDZ VALLEY ENGLISH SCHOOL, KIRNAPUR

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेड़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

चार लोगों ने एक मजदूर को हाथबुक्केऔर पत्थर से मारपीट कर किये घायल

सी एम राइस मिल गर्रा के पास हुई घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा स्थित सी एम पी राइस मिल के पास इस राइस मिल के मजदूर को चार लोगों ने हाथबुक्के से मारपीट किये और सर में पत्थर पटकर घायल कर दिए। 20 जून की शाम 6:00 बजे करीब यह घटना मजदूरी के पैसे को लेकर हुई घायल मजदूर शिवराम पिता देवी लाल बागडे 39 वर्ष वार्ड नंबर ग्राम गर्रा निवासी है जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया कोतवाली पुलिस ने इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर रूपेश पटले निखिल ब्रम्हे जीतू पटले दिनेश पांचे के विरोध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवराम बागडे नंबर 6 गर्रा के मशीन टोला अपने परिवार के साथ रहते हैं और सी एम राइस मिल गर्रा में हमाली का काम करता है। शिवराम बागड़े ने अपनी जान पहचान के रूपेश पटले को उसे काम की आवश्यकता होने पर एक माह पहले ही सी एम राइस मिल में हमाली में लगवा दिया था। 20 जून को मिल के मालिक नंदू धनवानी ने रूपेश पटले को मजदूरी दी थी। शाम 6:00 बजे शिवराम बागडे राइस मिल के बाजू दुकान में चाय पीने के लिए गया था। उसी समय रूपेश पटले ने शिवराम बागडे को फोन करके मिल के बाजू में बुलाया। रूपेश पटले के बुलाने पर शिवराम बागडे उससे मिलने के लिए मिल के बाजू में गया। वहां पर रूपेश पटले और उसके साथी जीतू पटले निखिल ब्रम्हे और दिनेश पांचे भी खड़े थे। रूपेश पटले ने शिवराम बागडे से बोला कि मुझे मजदूरी के 2 हजार रुपये दिए हैं।। जबकि मैंने मजदूरी का ज्यादा पैसों का काम किया हूं। तब शिवराम बागडे बोला कि सेठ से बैठकर हिसाब कर लेंगे। रूपेश पटले का कहना आया कि तुझे पहले ही हिसाब करके मुझे रुपए देना था। यह कहकर रूपेश पटले शिवराम बागडे को अश्लील गालियां देने लगा। शिवराम बागडे में रूपेश पटले को गालियां देने से मना किया तो रूपेश पटले और उसके साथी जीतू पटले निखिल ब्रम्हे और दिनेश पांचे ने शिवराम बागडे को हाथबुक्को से मारपीट किया और रुपेश पटले ने पत्थर उठाकर शिवराम बागड़े के सिर में पटक दिया। जिससे शिवराम बागडे का सर फट गया। उसके बाद रूपेश पटले ने पैसों का हिसाब नहीं करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल शिवराम बागडे रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने शिवराम बागडे का इलाज मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर रुपेश पटले ,जीतू पटले,निखिल ब्रम्हे और दिनेश पांचे के विरुद्ध धारा 296, 115 (2), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू

जिले में हुई 3.50 करोड रुपए की कंप्यूटर खरीदी पर पूर्व विधायक किशोर समरिते ने खड़े किए सवाल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरिते द्वारा जिले में खरीदे गए 3.50 करोड रुपए के कंप्यूटर खरीदी पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि जो कंप्यूटर खरीदी, जिस मद से की गई है, वह मद कंप्यूटर खरीदी के लिए नहीं होता। उस मद से अन्य दूसरे कार्य होते हैं। उन्होंने इस पूरे विषय पर बालाघाट कलेक्टर का ध्यान आकर्षण सहित जांच किए जाने की मांग की है। आपको बता दे की लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरिते द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए बताया कि जिले में इन दिनों डीएमएफ मद से 3.50 करोड़ के कंप्यूटर खरीदी का मामला चर्चा में बना हुआ है। कंप्यूटर खरीदी की एजेंसी सर्व शिक्षा अभियान है।

इस मामले पर बालाघाट कलेक्टर श्री मीणा को जांच करनी चाहिए। क्योंकि इससे जिला प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि नगर परिषद लांजी और बैहर में भी जो 50 लाख रुपए तक की खरीदी हुई है। उसमें भी अनियमितता की गई है। बंजर नदी परियोजना बैहर में भी हजारों करोड़ के ठेके चल रहे हैं। यहाँ संबंधित अधिकारी जाकर नहीं देख रहे हैं वहां किसी भी प्रकार से कार्य नही हो रहा है। यहाँ संबंधित विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। बालाघाट कलेक्टर इस संचालित हो रही योजना और कार्यों पर संज्ञान ले। उन्होंने यहां कार्य करने वाले अधिकारियों पर आरोप भी लगाया है कि वह शासन की राशि का सही से उपयोग नहीं कर रहे हैं।

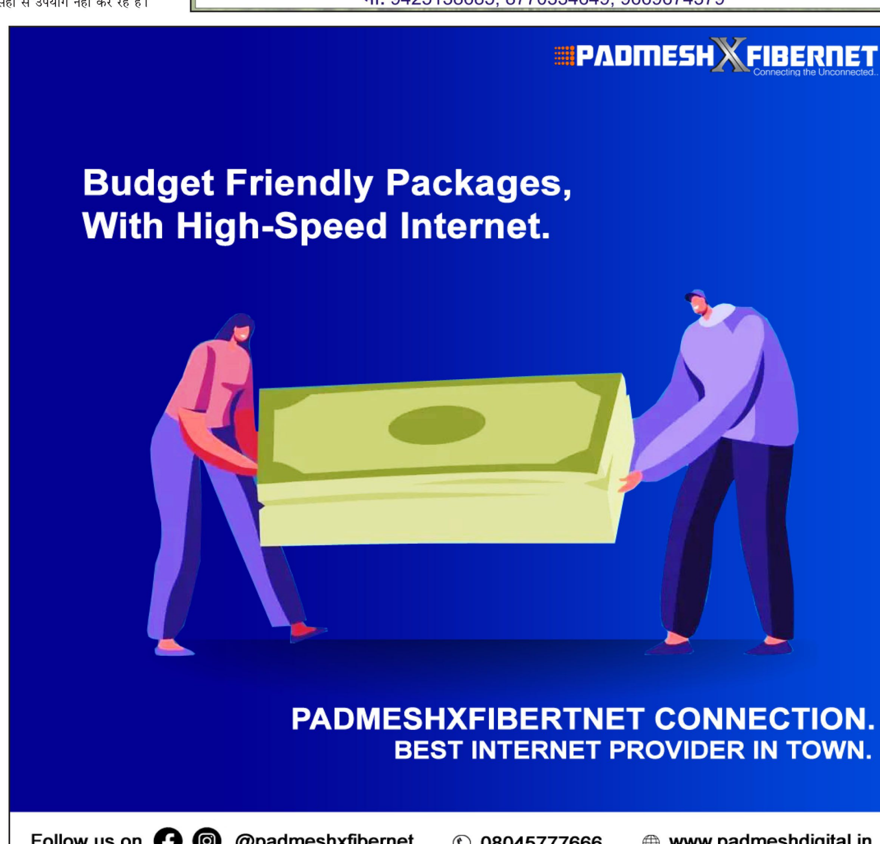

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट